- टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी बोलीं- निर्वाचन आयोग के प्रारूप के तहत तार्किक विसंगति मान्य नहीं - 12

- ऊंची बनी रह सकती हैं ईंधन, उर्वरक की कीमतें - 12

- विशेष चुनाव में जीत से मार्क कार्नी सरकार को बहुमत - 13

- सूर्यकुमार के भविष्य पर हो सकती चर्चा - 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

19.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.46

सूर्यास्त 06.38

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 10:31 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 15 अप्रैल 2026, वर्ष 6, अंक 49, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

हरिद्वार कुंभ में होंगे 3 अमृत और 10 प्रमुख स्नान पर्व

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार। हरिद्वार में अगले साल होने वाले कुम्भ मेले में तीन अमृत (शाही) स्नान समेत 10 प्रमुख स्नान पर्व होंगे। मेला प्रशासन ने मंगलवार को यह घोषणा की।

मेला अधिकारी सोनिका सिंह ने अर्धकुम्भ स्नान की तिथियों की जानकारी देते हुए बताया कि जनवरी से अप्रैल 2027 तक चार महीने चलने वाले कुम्भ मेले में पहला स्नान पर्व 14 जनवरी को मकर संक्रांति, दूसरा छह फरवरी को मौनी अमावस्या, तीसरा 11 फरवरी को बसंत पंचमी, चौथा 20 फरवरी को माघ पूर्णिमा तथा

- मेला प्रशासन ने तिथियां घोषित कीं, पहला स्नान 14 जनवरी को

पांचवां छह मार्च को महाशिवरात्रि पर होगा।

कुम्भ में छठा स्नान पर्व आठ मार्च को फाल्गुन अमावस्या पर, सातवां स्नान पर्व सात अप्रैल को नव संवत्सर पर, 14 अप्रैल को मेष संक्रांति पर आठवां स्नान पर्व होगा, नौवां स्नान पर्व 15 अप्रैल को तथा अंतिम स्नान पर्व 20 अप्रैल को चैत्र पूर्णिमा पर होगा। इनमें से छह मार्च को महाशिवरात्रि, आठ मार्च को फाल्गुन अमावस्या तथा 14 अप्रैल को मेष संक्रांति पर होने वाला स्नान अमृत स्नान होगा।

नोएडा में दूसरे दिन भी तोड़फोड़-पथराव, कर्मचारियों की पुलिस से झड़पें

ज्यादातर औद्योगिक इकाइयों में काम बंद, पुलिस ने 300 लोगों को किया गिरफ्तार, भारी फोर्स की तैनाती के साथ ड्रोन से निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/नोएडा

अमृत विचार: गौतमबुद्ध नगर के औद्योगिक क्षेत्र में वेतन वृद्धि को लेकर भड़का कर्मचारियों का आंदोलन मंगलवार को दूसरे दिन भी शांत नहीं हो सका। कई इलाकों में पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। कुछ वाहनों और फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की गई और कर्मचारियों की पुलिस से भी झड़पें हुईं। हालांकि पुलिस ने इन्हें काबू में कर लिया। पुलिस ने दोपहर तक 300 से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया, 100 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा कि गंभीर मामलों में आरोपितों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कर्मचारियों के प्रदर्शन के कारण मंगलवार को औद्योगिक क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहा।

सोमवार की हिंसा के बाद मंगलवार सुबह 5 बजे से ही नोएडा-ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक इलाकों में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने फ्लैग मार्च शुरू कर दिया। पीएसी और आरएएफ की 15 कंपनियां, 8 एडिशनल एसपी और 18 डीएसपी स्तर के अधिकारी तैनात किए गए हैं। ड्रोन और सीसीटीवी के जरिए निगरानी हो रही है। इस बीच ज्यादातर कंपनियां बंद रहीं। सोमवार को 42 हजार से अधिक श्रमिक 83 स्थानों पर सड़कों पर उतरे थे और 350 से अधिक फैक्ट्रियों में तोड़फोड़, 50 से ज्यादा वाहनों में आगजनी और पथराव हुआ था। मंगलवार को सेक्टर-121, सेक्टर-80 समेत कुछ स्थानों पर फिर पथराव की घटनाएं हुईं, लेकिन पुलिस ने भीड़ को खदेड़ दिया। सरकार ने देर रात न्यूनतम मजदूरी में 3000 रुपये तक की वृद्धि कर दी। इसके बावजूद कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी रहा।

राहुल बोले- हर आवाज को अनसुना किया गया

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वो देश के श्रमिकों की आखिरी चीख थी, जिनकी हर आवाज को अनसुना किया गया, जो मांगते-मांगते थक गए। नोएडा में काम करने वाले एक मजदूर की 12,000 महीने की तनख्वाह है और 4 हजार से 7 हजार किराया। जब तक 300 की सालाना बढ़ोतरी मिलती है, मकान मालिक 500 किराया बढ़ा देता है। कहा कि तनख्वाह बढ़ने तक ये बेलगाम महंगाई जिंदगी का गला घोंट देती है, कर्ज की गहराई में डुबा देती है। यही है विकसित भारत का सच।

नोएडा की आंच अब गोरखपुर तक पहुंची

नोएडा से शुरू हुए प्रदर्शन का आंच पश्चिम के कई जिलों से होते हुए मंगलवार को गोरखपुर तक पहुंची। गोला क्षेत्र में आईओसीएल की ओर से संचालित कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर कर्मचारी गेट पर प्रदर्शन करने लगे। हालांकि आंबेडकर जयंती पर प्लांट बंद है। वेतन वृद्धि और यात्रा भत्ता की मांग कर रहे कर्मचारियों ने प्रबंधन को 12 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। जिलाधिकारी दीपक मीणा का कहना है कि कुछ कर्मचारी गेट पर आए हैं। एसडीएम को उनसे बातचीत करने को कहा गया है।

ब्रीफ न्यूज

अकोला देश में सबसे गर्म, विदर्भ में गर्मी की भीषण लहर

नागपुर। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार महाराष्ट्र में विदर्भ क्षेत्र में भीषण लू चलने के कारण अकोला भारत का सबसे गर्म शहर बन गया है, जहां अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके साथ ही यह वैश्विक पर दूसरा सबसे गर्म शहर भी है। हाल ही में बेमौसम बारिश के बाद तापमान तेजी से बढ़ा है जिससे गर्मी और बढ़ गई है। अकोला लगातार दूसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर बना हुआ है। विदर्भ के कई शहर दुनिया के 10 सबसे गर्म स्थानों में शामिल रहे, जिनमें अमरावती और यवतमाल में 43.2 डिग्री और वर्धा में 43.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने इस क्षेत्र के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

पर्वतारोहण के लिए आज से खुलेगा पिंडारी ग्लेशियर ट्रैक

बागेश्वर। उत्तराखंड में बागेश्वर स्थित विश्व प्रसिद्ध पिंडारी ग्लेशियर पर्वतारोहण के लिए बुधवार से खुलेगा। जिला पर्यटन विकास अधिकारी पीके गौतम के अनुसार इस वर्ष यह ट्रैक 15 जून 2026 तक पर्यटकों, ट्रैकर्स और साहसिक अभियानों के लिए खोला जाएगा। ट्रैक को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं पर्यटक अनुकूल बनाने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हिचोड़ी इको-टूरिज्म केंद्र तथा जैकुनी ईको-टूरिज्म केंद्र में पंजीकरण किया जा सकेगा।

विकसित भारत के लिए प्रगति, प्रकृति और संस्कृति की त्रिवेणी आवश्यक : प्रधानमंत्री

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का किया लोकार्पण, कहा- सड़कें बन रहीं राष्ट्र की भाग्यरेखा

- जनसभा में बोले- उत्तराखंड ने यूसीसी से दिखाई देश को राह

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जसवंत सिंह आर्मी ग्राउंड गढ़ी कैंट में आयोजित भव्य समारोह में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का रिमोट बटन दबाकर लोकार्पण किया। कहा, विकसित भारत के लिए, प्रगति, प्रकृति और संस्कृति की त्रिवेणी जरूरी है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड आने वाले सभी पर्यटकों व श्रद्धालुओं से स्वच्छता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। साथ ही, देश के सभी दलों और उनके सांसदों से नारी वंदन विधेयक को पारित कराने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने मां डाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ गढ़ी कैंट तक 12 किमी लंबे रोड शो में प्रतिभाग किया। समारोह में अपने संबोधन में कहा कि आगामी कुछ दिनों में उत्तराखंड में पवित्र चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है, जिसकी देशभर के आस्थावान लोग प्रतीक्षा करते हैं। दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर बनने से चारधाम यात्रियों को भी सुविधा होगी। कहा कि उत्तराखंड राज्य अपने स्थापना के 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, अब राज्य की प्रगति में यह एक्सप्रेस-वे भी शामिल हो गया है। प्रधानमंत्री ने देश के विकास में सड़क, रेलवे, रोपवे और वाटर-वे की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग भविष्य जानने के लिए हाथ की रेखाओं को दिखाने के लिए ज्योतिष शास्त्र की शरण में जाते हैं। आज इसी तरह सड़कें, राष्ट्र की भाग्य रेखाएं बनती जा रही हैं। बीते एक दशक से सरकार विकसित भारत के लिए ऐसी ही भाग्य रेखाओं के निर्माण में जुटी हुई है। ये भाग्य रेखाएं, सिर्फ आर्थिकी का आधार नहीं बनेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी की समृद्धि की गारंटी भी बनेंगी और यही मोदी की गारंटी भी है। एक दशक में सरकार ने इन विकास रेखाओं के निर्माण में अभूतपूर्व निवेश किया है।

लोकार्पण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा- राज्य में विकास की सौगात लेकर आता है प्रधानमंत्री का दौरा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि उनका प्रत्येक दौरा उत्तराखंड के लिए नई ऊर्जा और विकास की नई सौगात लेकर आता है। आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और उत्तराखंड को 12 हजार करोड़ की लागत से बने एशिया के सबसे लंबे ऐलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर की सौगात मिल रही है। (संबंधित/विस्तृत पेज-2)

हमारी सरकार के फैसले संविधान की गरिमा बढ़ाने वाले

प्रधानमंत्री ने बैसाखी और बिहू पर्व की शुभकामनाएं देने के साथ संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. बीआर आंबेडकर को उनकी जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने जो भी निर्णय लिए वो संविधान की गरिमा को बढ़ाने वाले साबित हुए हैं। कश्मीर में धारा 370 की समाप्ति और माओवाद खत्म होने के बाद पूरे देश में भारत का संविधान लागू हो गया है। उत्तराखंड ने संविधान की भावना के अनुरूप समान नागरिक संहिता लागू की है। कहा बाबा साहेब का जीवन वंचितों और शोषितों को न्याय पूर्ण व्यवस्था देने के लिए समर्पित रहा है, केंद्र सरकार भी हर गरीब को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए प्रयासरत है।

पहले यहां सड़कों के इंतजार में पीढ़ियां बूढ़ी हो जाती थीं

वर्ष 2014 तक, पूरे देश के इंफ्रा प्रोजेक्ट पर दो लाख करोड़ भी खर्च नहीं हो पाते थे, जबकि आज यह राशि छह गुना अधिक बढ़कर 12 लाख करोड़ के पार पहुंच चुकी है। इस दौरान अकेले उत्तराखंड में ही सवा दो लाख करोड़ रुपए के इंफ्रा प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कभी उत्तराखंड के गांवों में सड़कों के इंतजार में पीढ़ियां बूढ़ी हो जाती थी, आज डबल इंजन की सरकार के कारण गांव-गांव सड़क पहुंच रही है। इससे वीरान गांव फिर जीवंत हो रहे हैं। चारधाम महामार्ग परियोजना, रेल परियोजना, केदारनाथ, हेमकुंड रोपवे जैसे परियोजनाएं उत्तराखंड की भाग्य रेखाएं बन रही हैं।

नीतीश कुमार का इस्तीफा सम्राट होंगे नए मुख्यमंत्री

- जदयू के बजाय अब भाजपा करेगी बिहार में सरकार का नेतृत्व

पटना, एजेंसी

बिहार में मंगलवार को जनता दल यूनाइटेड के बजाय भाजपा के सरकार का नेतृत्व करने का रास्ता साफ हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल को अपना त्यागपत्र सौंप दिया। दूसरी ओर, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को राजग के विधायक दल का नेता चुन लिया गया।

नीतीश कुमार मंगलवार को सम्राट चौधरी और मंत्री विजय चौधरी के साथ इस्तीफा देने के लिए लोक भवन पहुंचे। इस दौरान वह लोकभवन में महज सात मिनट ही रुके। इससे पहले राज्य में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश ने मंत्रिमंडल सहयोगियों को मंत्रिपरिषद भंग करने के अपने निर्णय की जानकारी दी। राज्यपाल को इस्तीफा सौंपने के लिए जाने से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी नीतीश कुमार से मुलाकात की। दोपहर के वक्त सम्राट चौधरी को राजग के विधायक दल का नेता चुना गया। बैठक में नीतीश कुमार भी मौजूद रहे। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा में 89 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है।

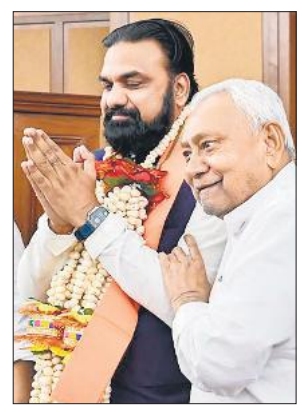

राजग विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सम्राट चौधरी को बधाई देते नीतीश।

दावा पेश किया, आज 10:50 बजे शपथ

सम्राट चौधरी राजग विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद शाम को राज्यपाल अता हसनैन से मिले और विधायकों का समर्थन पत्र सौंप कर नई सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश किया। राज्यपाल ने उनका दावा स्वीकार करते हुए उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। चौधरी बुधवार सुबह 10.50 बजे कुछ मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

खीरी में आंबेडकर प्रतिमा को हटाने पर पथराव, गाड़ियां तोड़ी, आगजनी

मजिस्ट्रेट की गाड़ी पलटी, हिंसा में कई पुलिसकर्मी और ग्रामीण घायल

संवाददाता, बांकेगंज (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार : मैलानी क्षेत्र के मोतीपुर गांव में विवादित जमीन पर स्थापित की गई डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को हटाने की कोशिश पर मंगलवार शाम बड़ा बवाल हो गया। भीड़ ने पुलिस पर पथराव करने के साथ वाहनों में तोड़फोड़ और आगजनी की। हालात संभालने को पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। बवाल में 20 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

गांव मोतीपुर में गुरुद्वारे के सामने स्थित ग्राम पंचायत की खाद गड्ढा भूमि पर पहले से विवाद चल रहा है, जो कोर्ट में विचाराधीन है। इसी बीच आंबेडकर जयंती पर कुछ लोगों ने इस जमीन पर प्रतिमा स्थापित करने का प्रयास किया, जिससे तनाव बढ़ गया। मौके पर पहुंचे बांकेगंज चौकी प्रभारी संतोष तिवारी ने प्रतिमा हटवाने की कोशिश की तो लोग उग्र हो गए और धक्कामुक्की शुरू कर दी। इस दौरान चौकी प्रभारी की वर्दी भी फट गई। सीओ रमेश कुमार तिवारी और एएसपी पश्चिमी पहुंचे, लेकिन भीड़ शांत नहीं हुई। गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर हमला कर दिया और पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई करते हुए पथराव करने लगी। मजिस्ट्रेट की गाड़ी समेत कई वाहनों को पलट दिया। एक कार को आग के हवाले कर दिया गया, कई अन्य वाहनों में तोड़फोड़ की गई।

हालात काबू से बाहर होते देख पुलिस को पीछे हटना पड़ा। स्थिति संभालने को बड़ी संख्या में पुलिस और पीएसी को मौके पर भेजा गया। पीएसी ने लाठीचार्ज कर उपद्रवियों को खदेड़ा। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। पुलिस कस्बे में पैदल मार्च कर रही है। हंगामे के दौरान करीब सात कारों को नुकसान पहुंचाया गया और एक दुकान में भी तोड़फोड़ की गई। घटना में 20 पुलिसकर्मी और कई ग्रामीण घायल हुए हैं। घटना के बाद गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

बांकेगंज क्षेत्र के गांव मोतीपुर में हिंसा के दौरान एक गाड़ी को आग लगाकर फूंक दिया।

- पीएसी ने मौके पर पहुंच कर संभाले हालात, पुलिस कर रही पैदल गश्त
- डीएम-एसपी ने लिया हालात का जायजा, तनाव के चलते गांव में फोर्स तैनात

विवादित जमीन पर कुछ लोगों ने प्रतिमा रखने की कोशिश की थी। पुलिस ने समझा-बुझाकर हटवा दिया गया था। इसी बीच कुछ लोगों ने पुलिस के साथ हाथापाई और पथराव शुरू कर दिया। हल्का बल प्रयोग कर उपद्रवियों को खदेड़ दिया गया है। मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है।

– अमित कुमार राय, एएसपी पश्चिमी

दून-अल्मोड़ा-नैनीताल के लिए आज होगी हेली सेवा की शुरुआत

रुद्रपुर। उत्तराखंड के साथ ही बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। पवन हंस कंपनी एक फिर उत्तराखंड में अपनी हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने जा रही है। इसका शुभारंभ बुधवार को पंतनगर हवाई अड्डे से होगा।

पंतनगर हवाई अड्डे पर पवन हंस के स्टेशन इंचार्ज हर्ष रंजन ने बताया, यह पहल किफायती और विश्वसनीय हवाई परिवहन की दिशा में कदम है। वर्ष 2021 में पीएचएल ने उड़ान शुरू की थी। इस बीच टेंडर खत्म होने के कारण इसे बंद करना पड़ा था। अब इसे रिन्यू कर लिया गया है। बताया, हेलीकॉप्टर में दो कैप्टन के साथ 11 यात्री रहेंगे। (विस्तृत पेज-6)

सरकारी नौकरियों में समानता का पालन अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने दी महत्वपूर्ण व्यवस्था- सिर्फ डिग्री न होने पर नहीं कर सकते प्रमोशन से वंचित

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा है कि अगर सेवा नियमों में अनुभव, योग्यता या वरिष्ठता के आधार पर छूट का प्रावधान है तो किसी कर्मचारी को केवल डिग्री न होने की वजह से प्रमोशन से वंचित नहीं किया जा सकता।

शीर्ष कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें एक कर्मचारी को पदोन्नति देने से इन्कार कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि जब अन्य कर्मचारियों को समान छूट दी गई तो इस मामले में शैक्षिक योग्यता में रियायत न देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि भेदभाव अन्याय का ही दूसरा नाम है। अदालत ने जोर दिया कि सरकारी नौकरियों में समानता के अधिकार का पालन करना अनिवार्य है। न्यायालय ने यह टिप्पणी एक कृषि सहकारी समिति के कर्मचारी से जुड़े मामले में की, जिसने लगभग तीन दशकों तक सेवा की थी।

समिति के निदेशक मंडल ने उनकी लंबी सेवा और वरिष्ठता के आधार पर शैक्षणिक योग्यता से छूट देते हुए सोसाइटी मैनेजर के पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के एकल न्यायाधीश ने छूट का लाभ देने का निर्देश दिया था, हालांकि खंडपीठ ने इस निर्णय को पलटते हुए कहा था कि अपेक्षित योग्यता न होने के कारण रजिस्ट्रार का छूट देने से इन्कार उचित है।

राहत के आसार | पाकिस्तानी सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों का दावा-युद्ध विराम खत्म होने से पहले शुरू हो सकती है वार्ता

अमेरिका-ईरान के बीच अगले सप्ताह फिर हो सकती है वार्ता

इस्लामाबाद, एजेंसी

ईरान और अमेरिका को बातचीत की मेज पर फिर से लाने के लिए पाकिस्तान उच्च स्तर पर कोशिश कर रहा है। दावा किया गया है कि दोनों पक्ष अगले सप्ताह तक इस्लामाबाद में वार्ता के दूसरे दौर के लिए फिर से मिल सकते हैं। पाकिस्तान सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहा है कि अमेरिका-ईरान के बीच रुकी हुई वार्ता 21 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम की समाप्ति से पहले दोबारा शुरू हो सकती है।

दावा किया गया है प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री इसहाक डार और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर दूसरे दौर की वार्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, जिससे पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त हो सकता है। इस्लामाबाद में आयोजित कुछ उच्च स्तरीय बैठकों में दोनों पक्षों के शीर्ष नेतृत्व के बीच वार्ता के अगले दौर की तैयारी के संकेत दिए गए हैं। कुछ सूत्रों ने दावा किया है कि वार्ता का अगला दौर बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद में हो सकता है। हालांकि, उसी दिन प्रधानमंत्री शहबाज युवराज मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर सऊदी अरब की यात्रा पर भी जा रहे हैं। नवाज सऊदी अरब और तुर्किये की संक्षिप्त यात्राएं करेंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद-बघर ग़ालिबफ के नेतृत्व में ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने 11 अप्रैल को इस्लामाबाद में मैराथन बैठक की थी। हालांकि, यह शांति वार्ता बेनतीजा रही।

न्यूयॉर्क में ईरान के खिलाफ युद्ध का विरोध कर रहे एक प्रदर्शनकारी को ले जाती पुलिस।

ट्रंप ने मोदी को किया फोन, पश्चिम एशिया पर चर्चा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर पश्चिम एशिया की स्थिति और विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री जहाजों के सुरक्षित आवागमन के बारे में चर्चा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बातचीत के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा के साथ पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी बातचीत हुई। मोदी ने कहा, मुझे मेरे मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आया। हमने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की और होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के असफल होने के बाद मोदी और ट्रंप के बीच यह पहली बातचीत थी।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 15 अप्रैल 2026

स्टेट ब्रीफ

बैसाखी पर सीएम को किया गया सरोपा भेंट

देहरादून : बैसाखी पर मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सिख समुदाय के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में हेमकुंड साहिब ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा, उत्तराखंड किसान आयोग के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नामधारी, जनसंख्या नियंत्रण समिति के अध्यक्ष दिनेश मंसेरा व विधायक सुरेश गड़िया सहित अनेक प्रमुख गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक रूप से सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान वातावरण श्रद्धा, सौहार्द और उत्साह से परिपूर्ण रहा तथा सिख समुदाय की समृद्ध परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों की झलक देखने को मिली।

तेज गर्मी में भी गजब का उत्साह दिखा

देहरादून : दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण करने पहुंचे प्रधानमंत्री का 12 किलोमीटर लंबे रोड शो में मानव श्रृंखला ने तेज गर्मी में भी गजब के साथ अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री ने भी हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया। हजारों की संख्या में उमड़े जनसैलाब में प्रधानमंत्री मोदी की दीवानगी में उत्तराखंड 'नमोमय' दिखाई दिया। जगह-जगह देवभूमि के निवासियों ने प्रधानमंत्री का फूलों की वर्षा कर स्वागत किया।

मोदीमय हुआ दून, पीएम का 12 किमी लंबा रोड शो , भव्य स्वागत

देवभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के सबसे बड़े रोड शो में किया प्रतिभाग, प्रधानमंत्री का अभिनंदन करने के लिए हजारों लोग देहरादून की सड़कों पर उतरे

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के लोकार्पण के अवसर पर मंगलवार को देहरादून पहुंचे, जहां उनका भव्य और ऐतिहासिक स्वागत हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री ने प्रसिद्ध डाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना से की, जहां उन्होंने देश और उत्तराखंड की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने देहरादून कैंट स्थित सभा स्थल तक लगभग 12 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। यह रोड शो कई मायनों में खास रहा क्योंकि बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री द्वारा किया गया यह अब तक का सबसे लंबा रोड शो है।

रोड शो के दौरान सड़कों के दोनों ओर हजारों की संख्या में युवा, महिलाएं और आमजन मौजूद रहे। 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।

लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और हर कोई प्रधानमंत्री की एक झलक पाने को उत्सुक नजर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाथ जोड़कर और हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। जनता के इस अपार प्रेम और समर्थन से वे बेहद प्रसन्न और उत्साहित दिखाई दिए।

नमोमय उत्तराखंड : दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के लोकार्पण मौके पर समारोह में उमड़े जनसैलाब और एक्सप्रेस-वे पर रोड शो के दौरान हजारों की जनता का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, साथ में राज्यपाल गुरमीत सिंह एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

उत्तराखंड से नई ऊर्जा ले जा रहा हूं: मोदी

मुख्य कार्यक्रम स्थल पर जनसभा में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने इस अभूतपूर्व स्वागत का जिक्र करते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखंड से उन्हें हमेशा विशेष ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों का स्नेह और आशीर्वाद उन्हें देश के विकास के लिए और अधिक प्रेरित करता है और वे इस बार भी उत्तराखंड से नई ऊर्जा लेकर जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रोड शो में उमड़े जन सैलाब और लोगों के प्यार पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि 12 किलोमीटर लंबे रोड शो में जनता का प्यार देखते हुए वह तेजी से वाहन चलवाकर जनसभा में नहीं पहुंच पाए। लोगों का अभिवादन करने के लिए उनके वाहन को हल्के-हल्के चलाया गया और इस कारण जनसभा में पहुंचने में एक घंटे से अधिक का विलंब हो गया। इसके लिए उन्होंने जनसभा में उपस्थित लोगों से क्षमा मांगी। यह भव्य रोड शो न केवल इकोनॉमिक कॉरिडोर के महत्व को दर्शाता है, बल्कि उत्तराखंड की जनता और प्रधानमंत्री के बीच गहरे जुड़ाव को भी प्रदर्शित करता है।

दिल्ली - देहरादून एक्सप्रेस वे की विशेषताएं

- शामिल राज्य – दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड
- कुल लंबाई – 213 किलोमीटर
- लागत – 11963 करोड़
- 12 किमी लंबा एशिया का सबसे लंबा वाइल्ड लाफ कॉरिडोर
- 200 मीटर लंबे 2 एलिफिटेंट अंडरपास, 6 एनिमल पास
- 370 मीटर लंबी सुरंग डाटकाली के पास, 6 लेन का एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर
- 2 आरओबी, 10 पुल, 7 इंटरचार्ज
- 2 .5 घंटे में होगा दिल्ली का सफर
- 20 किमी वन क्षेत्र शामिल है एक्सप्रेस वे प्रोजेक्ट में
- 19 प्रतिशत ईंधन की बचत होने का अनुमान
- 1.95 लाख पेड़ लगाए गए प्रतिपूरक वृक्षारोपण कार्य के लिए
- 33,840 पेड़ों का कटान बचा आधुनिक तकनीकी के प्रयोग से

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से खास विषय पर वार्ता करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

एक्सप्रेस वे से उत्तराखंड में बढ़ेगा पर्यटन: मोदी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जसवंत सिंह आर्मी ग्राउंड में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के लोकार्पण समारोह को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि, 21वीं सदी का भारत जिस स्पीड और स्केल पर काम कर रहा है, उसकी चर्चा दुनियाभर में हो रही है। बीते कुछ माह में ही दिल्ली मेट्रो का विस्तार हुआ है। साथ ही, मेरठ तक मेट्रो पहुंची है, नोएडा में एयरपोर्ट शुरू हुआ है और अब दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर भी शुरू हो चुका है। इतने छोटे से क्षेत्र में इतना सब कुछ हो रहा है तो आप देश भर की प्रगति का आकलन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में कई इकोनॉमिक कॉरिडोर पर काम चल रहा है। ये इकोनॉमी कॉरिडोर प्रगति के नए द्वार बनने जा रहे हैं जिनसे हमारी उम्मीदों की डोर भी जुड़ी हुई है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से जहां लोगों का आने-जाने में समय बचेगा। वहीं, ईंधन की खपत कम होने से किराया और माल भाड़ा भी बचेगा। साथ ही, किसानों को अपने उत्पाद, तेजी से बड़ी मंडियों तक पहुंचाने की सुविधा मिलेगी। इस शानदार एक्सप्रेस वे का सर्वाधिक लाभ उत्तराखंड के पर्यटन को मिलेगा।

बारहमासी पर्यटन की ओर बढ़ा उत्तराखंड

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड सरकार द्वारा विंटर टूरिज्म, विंटर स्पोर्ट्स और वेड इन उत्तराखंड जैसे अभियानों को बढ़ावा दिए जाने के लिए जारी प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि, अब उत्तराखंड बारहमासी पर्यटन की तरफ बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2023 में अपनी आदि कैलाश-ओमपर्वत यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि,पहले यहां साल में कुछ सौ लोग ही आते थे, जबकि 2025 में यह संख्या 40 हजार के पार पहुंच गई है। इसी तरह उत्तराखंड में शीतकालीन यात्रा में आने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की संख्या भी 80 हजार से बढ़कर डेढ़ लाख पहुंच गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लिए, प्रगति, प्रकृति और संस्कृति को साथ रखा जाना जरूरी है इसलिए आज हर निर्माण का इस त्रिवेणी को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें ध्यान देना होगा कि इंसानों के लिए होने वाले विकास कार्यों से वन्य जीवों को कोई कष्ट न हो इसलिए दिल्ली देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर 12 किमी लंबा एलिवेट रोड बनाया गया है।

मां डाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

पीएम मोदी ने डाट काली मंदिर में की पूजा

देहरादून : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को प्रसिद्ध डाट काली मंदिर में विशेष पूजा की। यूपी-उत्तराखंड की सीमा पर स्थित इस मंदिर के महंत रमन प्रसाद गोस्वामी, उनकी पत्नी हेमलता गोस्वामी और बड़े पुत्र शुभम गोस्वामी ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। महंत गोस्वामी के छोटे पुत्र संयम गोस्वामी और पं. बिजेंद्र थपलियाल ने प्रधानमंत्री मोदी को पूजा कराई। प्रधानमंत्री ने महंत गोस्वामी से उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने के साथ ही मंदिर के इतिहास और दिल्ली-दून एक्सप्रेस-वे को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक आदि मौजूद रहे।

चिर परिचित अंदाज में फिर प्रकट किया उत्तराखंड प्रेम

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- पहाड़ी बोली-भाषा के शब्दों को दी अपने भाषण में जगह
- मां डाट काली से लेकर पंच बदरी केदार तक का जिक्र
- मुख्यमंत्री को बताया-लोकप्रिय कर्मठ और युवा मुख्यमंत्री

अमृत विचार: सिर पर ब्रहमकमल टोपी, भाषण में गढ़वाली-कुमाऊनी के छोटे-छोटे वाक्य और भावनाओं में उत्तराखंड की बेहतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ये तीन बातें मंगलवार को एक बार फिर से दिखाई दीं। दिल्ली-दून एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री ने अपने चिर परिचित अंदाज में एक बार फिर साबित किया कि उत्तराखंड की प्रगति से उनका खास वास्ता है।

अपने भाषण में प्रधानमंत्री मोदी बहुत खूबसूरती से लोकल कनेक्ट करते हैं। इसी लिए चाहे वेशभूषा हो, भाषा शैली हो या फिर स्थानीय जगहों के नाम का उल्लेख हो, प्रधानमंत्री हर बात का खास ख्याल करते हैं। ये ही वजह है कि उनके भाषण की शुरूआत में इस बार भी भुला-भुलियों, सयाणा, आमा, बाबा जैसे पहाड़ी बोली-भाषा के शब्दों ने प्रमुखता से स्थान पाया।

एक्सप्रेस वे के निर्माण में मां डाटकाली के आशीर्वाद का प्रधानमंत्री ने खास तौर पर जिक्र किया। ये भी जोड़ा कि देहरादून पर मां डाटकाली की कृपा है। उत्तराखंड से लगे उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में स्थित संतला माता मंदिर का भी उन्होंने स्मरण किया। प्रधानमंत्री ने हरिद्वार कुंभ, नंदा राजजात से लेकर पंच बदरी, पंच केदार, पंच प्रयाग का भी प्रभावपूर्ण जिक्र कर जबरदस्त लोकल कनेक्ट किया।

पीएम-सीएम की फिर दिखी मजबूत बॉन्डिंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मजबूत बॉन्डिंग एक बार फिर प्रदर्शित हुई। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री धामी के लिए लोकप्रिय, कर्मठ और युवा जैसे शब्दों का प्रयोग किया। जिस वक्त केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जनसभा को संबोधित कर रहे थे, उस दौरान मोदी-धामी के बीच किसी विषय पर वार्तालाप हुआ। मुख्यमंत्री की बात को गौर से सुनते हुए प्रधानमंत्री दिखाई दिए।

समारोह में रही तीन राज्यों की उपस्थिति

देहरादून: समारोह में प्रदेश के राज्यपाल ले.ज (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, विस अध्यक्ष रितु खंडूरी भूषण, पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत, विजय बहुगुणा, डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, तीरथ सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, रेखा आर्य, खजान दास, डॉ. धन सिंह रावत, सौरभ बहुगुणा, मदन कौशिक, राम सिंह कैड़ा, सांसद अनिल बलूनी, अजय भट्ट, माला राज्यलक्ष्मी शाह, नरेश बंसल रहे। वहीं, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं।

खूबसूरत गलियारा, हर किसी को प्यारा

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: यूं तो पूरा दिल्ली-दून एक्सप्रेस-वे ही शानदार है, लेकिन इसका 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर अपनी तमाम खूबियों के कारण ध्यान खींचता है। यह एक ऐसा गलियारा है, जो हर किसी को प्यारा है। बेरोक-टोक घूमते वन्य जीवों की लिए यहां सुरक्षा की गारंटी आश्वस्त करती है। दिल्ली-दून एक्सप्रेस वे से गुजरते हर एक यात्री के लिए भी इस कॉरिडोर को निहारना सुखद अहसास करने जैसा है।

तीन जोन में बंटा है वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर: दिल्ली-दून एक्सप्रेस-वे पर बनाए गए एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर को भारतीय वन्य जीव संस्थान ने तीन जोन में बांटा है। इसमे गणेशपुर, मोहंड और आसारोड़ी देहरादून तक के क्षेत्र को शामिल किया गया है। एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर की कुल लंबाई 12 किलोमीटर है।

खूबियों की झलक, एक नहीं, कई सारे लाभ : कॉरिडोर के निर्माण से वन्यजीवों का आवागमन अधिक सुरक्षित हो गया है। वन्य जीवों की दुर्घटनाओं में होने वाली क्षति न्यून हो गई है। लगातार निरीक्षण में देखा गया है कि हाथी समेत नीलगाय, सांभर, लैपर्ड, जंगली सुअर और अन्य वन्य जीव इस कॉरिडोर का सहजता से उपयोग कर रहे हैं।

यूं निकली वन भूमि से कॉरिडोर की राह

दिल्ली-दून एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट का आखिरी 20 किलोमीटर का भाग उत्तर प्रदेश के शिवालिक वन प्रभाग और उत्तराखंड के राजाजी नेशनल टाइगर रिजर्व व देहरादून वन प्रभाग के घने वन क्षेत्रों से होकर गुजरता है। राष्ट्रीय राजमार्ग-72 ए में गणेशपुर से देहरादून तक इस प्रोजेक्ट में उत्तराखंड की 9 .6224 हेक्टेयर वन भूमि का हस्तांतरण हुआ है, जबकि उत्तर प्रदेश के हिस्से वाली 47 .7054 हेक्टेयर वन भूमि हस्तांतरित करनी पड़ी है। इसके लिए दोनों राज्यों में वर्ष 2019-20 में डीपीआर तैयार की गई थी। उत्तर प्रदेश में वन भूमि हस्तांतरण की स्वीकृति 20 जुलाई 2021 को प्राप्त हुई, जबकि उत्तराखंड के लिए यह स्वीकृति 27 अप्रैल 2022 को प्रदान की गई।

रोजगार-पर्यटन का ग्रीन कॉरिडोर शुरू

देहरादून : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली- देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण कर दिया है। साथ ही उत्तराखंड के लिए रोजगार और पर्यटन का ग्रीन कॉरिडोर शुरू हो गया है। अब दिल्ली- देहरादून का सफर महज ढाई घंटे में पूरा हो जाएगा। इसके साथ ही, चारधाम यात्रा, कॉर्बेट एवं राजाजी नेशनल पार्क, मसूरी, टिहरी और उत्तराखंड के विभिन्न पर्यटक स्थलों पर आने वाले सैलानियों की बड़ी संख्या में तादात बढ़ने की उम्मीद है। यह कॉरिडोर केवल एक परिवहन परियोजना नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला 'ग्रीन कॉरिडोर' साबित होने जा रहा है। यह कॉरिडोर पहाड़ और मैदान के बीच दूरी को कम करते हुए किसानों, उद्यमियों और स्थानीय उत्पादकों को सीधे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा।

उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

राज्य में कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउसिंग, फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और एग्री-लॉजिस्टिक्स जैसे सहायक उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। इस परियोजना से परिवहन क्षेत्र, कृषि आधारित उद्योग, छोटे और मध्यम उद्योगों को गति मिलेगी। इससे पलायन कम करने में मदद मिलेगी।

स्थानीय उत्पादों को लगेंगे पंख : अब हर्षिल के प्रसिद्ध सेब, जोशीमठ और चकराता के राजमा, पुरोला के लाल चावल तथा रुद्रप्रयाग के बुरांश का जूस जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद पहले की तुलना में अधिक तेज़ी से और कम लागत पर बड़े शहरों तक पहुंच सकेंगे।

उत्तराखंड की पवित्रता का करें पालन

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के लोगों के साथ ही पर्यटकों से अपील करते हुए कहा कि देवभूमि की धरोहर बहुत पवित्र है, ऐसे स्थानों को साफ सुथरा रखना हम सबका कर्तव्य है। यहां जगह-जगह कूड़ा डालने, प्लास्टिक की बोतलें फेंकने से देवभूमि की पवित्रता को ठेस पहुंचती है इसलिए देवभूमि के तीर्थ स्थलों को स्वच्छ और सुंदर रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले साल हरिद्वार में दिव्य, भव्य और स्वच्छ कुंभ मेले का आयोजन होगा, इसी के साथ उत्तराखंड में जल्द ही पवित्र नंदा देवी राजजात यात्रा भी आयोजित होने वाली है।

उत्तराखंड को केंद्र देने जा रहा है और भी सौगातें : नितिन गडकरी

- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने समारोह में संबोधन दिया, रखा विकास परियोजनाओं का विवरण

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संबोधन में कहा कि दिल्ली देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर उत्तराखंड के विकास को नई गति प्रदान करेगा। केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखंड में करीब एक लाख 30 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है।

गडकरी ने कहा कि सहारनपुर बाइपास से हरिद्वार तक 51 किमी छह लेन रोड़ का भी जून में उद्घाटन होने जा रहा है। इसी तरह 1650 करोड़ की लागत से पौंटा साहिब से देहरादून फोर लेन मार्ग अगले महीने तक शुरू हो जाएगा। 1600 करोड़ की लागत से हरिद्वार में फोर लेन ग्रीन फील्ड बाइपास फेज-1 अक्टूबर, 2026 तक पूरा हो जाएगा, जिससे हरिद्वार और ऋषिकेश जाने में ट्रैफिक जाम की समस्या हल होगी। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने 1100 करोड़ की लागत से ऋषिकेश बाईपास परियोजना को भी मंजूरी प्रदान कर दी है, जिस पर अगस्त तक काम शुरू हो जाएगा।

अब नहीं जाना होगा नेपाल-चीन से

देरादून : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पहले हमें मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल और चीन से होकर जाना पड़ता था लेकिन अब 5200 करोड़ की लागत से टनकपुर-पिथौरागढ़ होकर लिपुलेख तक मार्ग बनाया जा रहा है। 370 किमी लंबे इस प्रोजेक्ट में से करीब 200 किमी. का कार्य पूरा हो चुका है।

चारधाम मार्ग में यह प्रगति

गडकरी ने कहा कि, 12 हजार करोड़ की लागत से निर्माणाधीन 825 किमी लंबी चारधाम सड़क परियोजना में 640 किमी. का काम पूरा हो चुका है। 1300 करोड़ की लागत से रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड तक का कार्य दिसम्बर 2026 तक शुरू हो जाएगा। साथ-साथ गंगोत्री धाम जाने के लिए 142 किमी का काम पूरा हुआ है और बाकी 100 किमी. का काम चरणबद्ध तरीके से हो रहा है। यमुनोत्री धाम में 2500 करोड़ की लागत से धरासू से यमुनोत्री तक 46 किमी. का काम पूरा हो चुका है तथा 30 किमी. का काम अप्रैल, 2028 तक पूरा हो जाएगा। केंद्र सरकार सोनप्रयाग-केदारनाथ रोपवे और गोंविदघाट से हेमकुंड साहिब पर भी काम कर रही है। प्रदेश में अनेक जगहों पर टनल भी बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि 1050 करोड़ की लागत से 21 किमी. लम्बा रुद्रपुर में फोरलेन बाइपास इसी साल अक्टूबर और 936 करोड़ की लागत से 15 किमी. लम्बा काशीपुर से फोरलेन बाइपास दिसंबर 2026 में पूरा होगा। साथ ही, 716 करोड़ की लागत से 12 किमी. लम्बा देहरादून-झाझरा-आशारोड़ी फोर लेन एलिवेडेट रोड अगले साल अप्रैल और 745 करोड़ की लागत से 20 किमी. लम्बा भानियावाला, जौलीग्रांट से ऋषिकेश तक फोर लेन मार्ग अप्रैल 2028 तक पूरा होगा। साथ ही साथ 800 करोड़ की लागत से श्रीनगर में भी टू लेन बाइपास की भी डीपीआर बन रही है।

उत्तराखंड को सौगात

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा-राज्य में विकास की सौगात लेकर आता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा

अब रफ्ता-रफ्ता नहीं, पूरी रफ्तार से बढ़ रहा भारत : धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि उनका प्रत्येक दौरा उत्तराखंड के लिए नई ऊर्जा और विकास की नई सौगात लेकर आता है। आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और उत्तराखंड को 12 हजार करोड़ की लागत से बने एशिया के सबसे लंबे ऐलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर की सौगात मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन कई मायनों में विशेष है। एक ओर जहां दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के रूप में उत्तराखंड की विकास यात्रा को नई गति मिल रही है। वहीं, यह अवसर भीमराव अंबेडकर की जयंती का भी है। उन्होंने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक सौहार्द एवं समरसता को मजबूत करने के लिए वंचित वर्ग को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने देशवासियों को बैसाखी और सिख नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारे सांस्कृतिक वैभव और कृषि परंपराओं का प्रतीक हैं। कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने बीते वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है। वर्ष 2014 के बाद भारत ने आधारभूत संरचना, अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी का तीसरा दशक, उत्तराखंड का दशक बताकर सभी का उत्साहवर्धन किया। प्रधानमंत्री ने सीमांत गांव माणा में आकर उसे देश का प्रथम गांव घोषित किया, इन्वेस्टर समिट के उद्घाटन पर वेड इन उत्तराखंड का संदेश दिया। आदि-कैलाश का दर्शन कर इस तीर्थ को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई, राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन से देवभूमि को खेलभूमि के रूप पहचान दिलाई, हर्षिल मुखबा से शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा दिया एवं रजत जयंती वर्ष के अवसर पर अगले 25 वर्षों के लिए राज्य को एक नया विजन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड देश का श्रेष्ठ राज्य बनने के लिए अपने विकल्प रहित संकल्प के साथ "विकास भी और विरासत भी" की अवधारणा के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र में कार्य कर रही है।

कविता के माध्यम से किया समापन

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन का समापन "अब रफ्ता-रफ्ता नहीं, पूरी रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है भारत", "अब नक्सलवाद, उग्रवाद और आतंकवाद से जीत रहा है भारत", "अब अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार के साथ-साथ नवाचार में भी कीर्तिमान बना रहा है भारत" कविता से किया। मुख्यमंत्री ने कविता के माध्यम से प्रधानमंत्री के नेतृत्व, विकास कार्यों और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को सराहा और आभार व्यक्त किया। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को नंदा राजजात यात्रा पर आधारित स्मृति चिन्ह भेंट किया, जिसमें मां नंदा की डोली, यात्रा की अगुवाई करते खाड़ू तथा स्थानीय लोगों का सुंदर चित्रण किया गया है।

सिटी इंवेट्स

- आज गौलापार में कॉर्बेट लीग का फाइनल मुकाबला 11 बजे से
- दोपहर 12 :30 से बाईपास रोड खेड़ा गौलापार में ग्राम प्रधानों की बैठक

सिटी ब्रीफ

ऑनलाइन धोखाधड़ी में 1.10 लाख की ठगी

हल्द्वानी : ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है, जिसमें पीड़िता ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने किसी अन्य व्यक्ति का रूप धारण कर विश्वास में लिया और छलपूर्वक उनसे 1,10,100 की राशि ठग ली। पीड़िता को जब इस बात का चला तो उसने पुलिस में कार्रवाई की गुहार की है। पीड़िता मुदिता तिवारी ने पुलिस से मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह मामला साइबर ठगी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, जिसमें आरोपी ने ऑनलाइन माध्यम से धोखाधड़ी को अंजाम दिया।

नौ वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी पर मुकदमा

हल्द्वानी : नौ साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने बच्ची की पिता की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली हल्द्वानी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसकी तीन बेटियां हैं और बड़ी बेटी की उम्र नौ साल की है। आरोप है कि सोमवार को उसको पता चला कि पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति ने उसकी मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया है। यही नहीं यह कृत्य वह पहले भी कर चुका है। बच्ची ने पिता को इसकी जानकारी दी तो पूरा परिवार सन्न रह गया। आरोपी ने बच्ची को डरा-धमकाकर रखा था कि मुंह खोलने पर जान से मार देगा। इससे बच्ची डर-सहम गई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

शीशमहल, गांधी नगर में बिजली कटौती

हल्द्वानी : शहर के कई क्षेत्रों में मंगलवार को बिजली कटौती के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ऊर्जा निगम की ओर से जारी रोस्टर के अनुसार, शीशमहल, गांधी नगर और नई बस्ती क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 5 :30 बजे तक बिजली गुल रही, जिससे गर्मी के बीच लोगों की परेशानी और बढ़ गई।

जंगलात ने ईको टूरिज्म बढ़ाने के मकसद से नंधौर वन्यजीव के चोरगलिया व ककराली गेट पर बनाई गैलरी

बाघ-तितली, जंगल का इतिहास बताएगी बायो डायवर्सिटी गैलरी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नंधौर के जंगल में बाघ, मछली-तितली का अनूठा संसार, प्रसिद्ध शिकारी जिम कॉर्बेट द्वारा किए गए हिंसक जानवरों के शिकार और जंगलों के इतिहास के बारे में पता चल सकेगा।

जंगलात ने नंधौर सेंचुरी के जनपद नैनीताल के प्रवेश गेट चोरगलिया व चम्पावत के एंट्री गेट ककराली में बायोडायवर्सिटी गैलरी बनाई है। इसका मकसद ईको टूरिज्म बढ़ाने के साथ ही लोगों को वन, वन्यजीव के संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। वन अधिकारियों के अनुसार, बायो डायवर्सिटी गैलरी में नंधौर सेंचुरी में पाई जाने वाले विभिन्न स्तनधारी, पक्षी, तितलियां, सरीसृप एवं अन्य जीव-जंतुओं की जानकारी पर्यटक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी को दी जाएगी ताकि वे इस क्षेत्र की जैव-विविधता को बेहतर ढंग से समझ सकें।

इस गैलरी की विशेषता यह है कि इसमें हल्द्वानी वन डिवीजन विरासत एवं वन प्रबंधन के विकासक्रम को दर्शाया गया है। इसमें पुराने वन विश्राम गृह के दुर्लभ फोटोग्राफ, लकड़ी परिवहन के लिए ट्रामवे प्रणाली, बूम संरचनाओं के फोटोग्राफ एवं विवरण और अन्य महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज व फोटोग्राफ भी दर्शाए जाएंगे। इससे लोगों को जंगल के जीवन का सटीक पता चल सकेगा।

बायो डायवर्सिटी गैलरी बनाने के ये हैं उद्देश्य

1. वन्यजीव एवं जैव-विविधता संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना
2. स्थानीय समुदाय एवं पर्यटकों को शिक्षित एवं संवेदनशील बनाना
3. नंधौर वन्यजीव अभयारण्य को एक प्रमुख ईको-टूरिज्म गंतव्य के रूप में विकसित करना
4. विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं के लिए ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध कराना

‘वन विभाग ने नंधौर में ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनमें सफारी वाहनों का पंजीयन, नेचर गाइड्स की नियुक्ति, ऑनलाइन बुकिंग वगैरह शामिल हैं। अब बायो डायवर्सिटी गैलरी यहां स्थानीय लोगों के रोजगार के अवसर बनाने के साथ पर्यटन बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण पहल है।’ -**कुंदन कुमार**, डीएफओ हल्द्वानी वन डिवीजन

129 नशीले इंजेक्शनों के साथ तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बनभूलपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस और एसटीएफ कुमाऊं की संयुक्त टीम ने एक शातिर तस्कर को भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शनों के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम गफूर बस्ती क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी, इसी दौरान एक युवक संदिग्ध हालत में मिला। तलाशी लेने पर उसके पास से 18 बुप्रेनॉर्फिन, 89 ट्रामाडोल और 22 अविल इंजेक्शन की वायल बरामद हुईं। इस प्रकार कुल 129 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान महबूब उर्फ माकू (28 वर्ष) पुत्र मुख्तियार अहमद निवासी गफूर बस्ती, बनभूलपुरा के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना बनभूलपुरा में एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त एक आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ पहले से ही एनडीपीएस एक्ट, गुंडा एक्ट और सरकारी कार्य में बाधा डालने जैसे कुल छह गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। उधर ऑपरेशन प्रहार के तहत जनपद भर में चलाए गए सघन चेकिंग अभियान में पुलिस ने 41 असामाजिक तत्वों को हिरासत में लिया, जबकि 107 संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। नशे में वाहन चलाने पर आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया, 14 वाहनों को सीज किया गया तथा तीन ड्राइविंग लाइसेंस रद किए गए।

फीस, कॉपी-किताबें और यूनिफॉर्म को लेकर निजी स्कूलों की मनमानी जारी

महंगी फीस और तय दुकानों से खरीदारी पर स्कूलों को नोटिस, कार्रवाई का इंतजार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नए शैक्षणिक सत्र को करीब दो सप्ताह बीत चुके हैं और शहर के अधिकांश स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सत्र शुरू होते ही महंगी फीस, कॉपी-किताबें और ड्रेस निर्धारित दुकानों से खरीदने को मजबूर करने जैसी शिकायतें सामने आने लगीं। इसके बाद शिक्षा विभाग ने ऐसे स्कूलों को चिन्हित कर नोटिस भेजे थे। अब इन नोटिसों का जवाब विभाग को मिल चुका है और जांच के बाद कार्रवाई की बात कही जा रही है।

हालांकि, पिछले सत्र की शिकायतों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। हर साल सत्र शुरू होते ही निजी स्कूलों की मनमानी चर्चा में रहती है, लेकिन पूरा सत्र बीतने के बाद भी कार्रवाई नहीं हो पाती। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूलों और पब्लिशर्स की मिलीभगत से महंगी कॉपी-किताबें और ड्रेस खरीदने के लिए दबाव बनाया जाता है। इधर, सीबीएसई ने 12 जनवरी को सभी स्कूलों को 15 फरवरी तक 12 जरूरी बिंदुओं की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए थे, लेकिन कई स्कूलों ने अब तक यह जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। इससे पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रतीकात्मक एआई फोटो।

16 तारीख के बाद वसूली जाती है लेट फीस

हल्द्वानी : निजी स्कूलों में फीस जमा करने को लेकर भी सख्त नियम बनाए गए हैं। अभिभावकों को हर माह 16 तारीख तक फीस जमा करनी होती है। इसके बाद प्रतिदिन 20 से 50 रुपये तक लेट फीस वसूली जाती है, जबकि विभागीय नियमों के अनुसार यह व्यवस्था गलत मानी जाती है।

इन 12 बिंदुओं की देनी थी जानकारी

- सामान्य जानकारी
- संबद्धता विवरण
- एनओसी, फायर व बिल्डिंग सर्टिफिकेट
- ट्रस्ट/सोसाइटी विवरण
- शैक्षणिक जानकारी
- फीस स्ट्रक्चर
- स्टाफ विवरण
- छात्र-शिक्षक अनुपात
- इंफ्रास्ट्रक्चर
- कक्षा 10 व 12 के तीन साल के परिणाम
- स्कूल मैनेजमेंट कमेटी व पीटीए विवरण
- सुरक्षा व अन्य अनुपालन

‘शिकायतों के बाद स्कूलों को चिन्हित कर नोटिस भेजे गए थे। जवाब मिलने के बाद जांच की जा रही है। जांच पूरी होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही स्कूलों की वेबसाइट की भी जांच की जा रही है।’ -**गोविंद राम जायसवाल**, सीईओ, नैनीताल

नीतिश मणि त्रिपाठी पश्चिमी वन वृत्त के वन संरक्षक बने

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- शासन ने 13 भारतीय वन सेवा अधिकारियों के किए तबादले

अमृत विचार : शासन ने सोमवार की देर रात 13 आईएफएस अधिकारियों को इधर-उधर किया है। सभी को जल्द से जल्द नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के आदेश दिए गए हैं।

शासन से मिली जानकारी के मुताबिक पीसीसीएफ कपिल लाल को कैंपा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ-साथ नियोजन व वित्तीय प्रबंधन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पीसीसीएफ एसपी सुबुद्धि को वन संरक्षण नोडल अधिकारी से हटाकर वन पंचायत की जिम्मेदारी दी गई है। एपीसीसीएफ डॉ. विवेक पांडे को परियोजना एवं सामुदायिक वानिकी के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण एवं अभिसूचना का जिम्मा भी सौंपा गया है। इसी तरह एपीसीसीएफ नरेश कुमार को मुख्य वन संरक्षक प्रशासन का अतिरिक्त प्रभार दिया है। सुरेंद्र मेहरा को बाध्य प्रतीक्षा से वन अनुसंधान प्रबंधन, प्रशिक्षण, सतर्कता और विधि प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी दी गई है। एपीसीसीएफ मीनाक्षी जोशी को वन संरक्षण नोडल के साथ ही बांस एवं रेशा विकास परिषद के सीईओ भी बनाया गया है। सीसीएफ सुशांत पटनायक से परियोजना एवं सामुदायिक वानिकी हटाकर सीसीएफ पर्यावरण का प्रभार दिया गया है हालांकि वन संरक्षण, वनाग्नि एवं आपदा प्रबंधन भी रहेगा। सीसीएफ पीके पात्रो को ईको टूरिज्म विकास निगम के एमडी, पारिस्थितिक पर्यटन प्रचार एवं विस्तार और मानव संसाधन विकास एवं कार्मिक प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है।

सीएफ पंकज कुमार को वन विकास निगम रामनगर के आरएम व दक्षित वृत्त की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, दक्षिणी वृत्त में तैनात नीतिश मणि त्रिपाठी को पश्चिमी वन वृत्त का जिम्मा सौंपा गया है। सीएफ डॉ. विनय भार्गव को वन अनुसंधान एवं राज्य वन वृक्ष विज्ञानी की जिम्मेदारी दी है।सीएफ आकाश वर्मा को नंदादेवी बायोस्फीयर रिजर्व के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। प्रतिनियुक्ति से लौटी से नीतू लक्ष्मी एम को यमुना वृत्त का वन संरक्षक व कैंपा के एसीइओ का प्रभार दिया गया है।

सोमवार से बदलेगा नैनीताल का मौसम

नैनीताल: सरोवर नगरी में मंगलवार को मौसम सुहावना बना रहा। दिनभर तेज हवाएं चलती रहीं और हल्के बादलों की आवाजाही के बीच धूप खिलती रही। ठंडी हवाओं और साफ मौसम के चलते स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने राहत महसूस की।

दिनभर मौसम में ठंडक बनी रही और तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में धूप-छांव का क्रम जारी रहेगा, लेकिन सोमवार से मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। एक प्रभावशाली पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिसका असर तीन दिनों तक रहने की संभावना है। इस दौरान तापमान में गिरावट के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। हवाओं की गति भी बढ़ने की संभावना जताई गई है, जिससे ठंडक में इजाफा हो सकता है।

जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को बदलते मौसम को देखते हुए सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

कुमाऊं मोटर ऑनर्स यूनियन लि. के सड़क सफर को पूरे हुए 87 साल

- केमू के पदाधिकारियों ने केक काटकर मनाई वर्षगांठ

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कुमाऊं मोटर यूनियन ऑनर यूनियन लिमिटेड के 87 साल पूरे हो गए हैं। यूनियन के तहत पहाड़ी रूटों पर बस सेवा का संचालन आजादी के पहले से किया जा रहा है। केमू पदाधिकारियों ने काठगोदाम कार्यालय में केक काटकर इस धरोहर की वर्षगांठ मनाई।

केमू अध्यक्ष सुरेश सिंह डसीला व अन्य लोगों ने कहा कि केमू का संचालन 14 अप्रैल 1939 को गोविंद वल्लभ पंत के प्रयासों से हुआ था। उस समय नौ कंपनियों की बसें इस संस्था के अंतर्गत थीं। उस समय जनरल मैनेजर ई जेडा फोसिंका थे। तब से आज तक कुमाऊं की सड़कों पर केमू की बसें चलती हैं। कहा कि सभी चालक, परिचालक व अन्य स्टाफ की मेहनत का परिणाम है कि कम किराए में आज भी पर्वतीय क्षेत्रों में परिवहन का सबसे बड़ा साधन केमू ही है। संस्था पदाधिकारियों ने त्यर केमू, म्यर केमू, य छ हमर केमू कविता भी गाई। इस दौरान अधिशासी निदेशक हिम्मत सिंह नयाल, संचालक हेमंत शाह, बहादुर सिंह बिष्ट, कविंद्र ढैला, सुनील आर्य, विक्रम नगरकोटी, बृजेश तिवारी, रवि सनवाल, मुहम्मद अहमद थे।

केमू के 87 साल पूरे होने पर केक काटकर खुशी मनाते यूनियन के पदाधिकारी।

बजट की कमी से कई गांवों में अधूरे पड़े पेयजल के कार्य

संवाददाता, हल्द्वानी

- 70-80 प्रतिशत कार्य पूरा, भुगतान न मिलने से ठेकेदारों ने रोका काम

अमृत विचार: ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू किया गया जल जीवन मिशन बजट की कमी के चलते कई स्थानों पर अधूरा पड़ा है। इससे गांवों में पेयजल योजनाओं की रफ्तार धीमी पड़ गई है और ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

योजना के तहत कई गांवों में 70 से 80 प्रतिशत तक कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन शेष कार्य बजट न मिलने के कारण रोक दिए गए हैं। नई पाइपलाइन बिछाने, पानी की टंकियों का निर्माण और घरों में कनेक्शन देने जैसे कार्य प्रभावित हुए हैं। ठेकेदारों ने भुगतान न मिलने के चलते काम रोक दिया है, जिससे जलापूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस योजना से उन्हें काफी उम्मीदें थीं, लेकिन अधूरे कार्यों के कारण राहत नहीं मिल पा रही है। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की समस्या और गंभीर हो गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बजट जारी होते ही सभी रुके कार्यों को दोबारा शुरू किया जाएगा।

‘ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के तहत अधिकांश कार्य प्रगति पर हैं। कई योजनाओं में 70 से 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। बजट आवंटन में देरी के कारण कुछ कार्य प्रभावित हुए हैं। धनराशि जारी होते ही कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू किए जाएंगे।- **आरएस लोशाली**, ईई, जल संस्थान

पिकअप से भिड़ंत में स्कूटी सवार अकाउंटेंट की मौत, सहेली घायल

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: कालाढूंगी-हल्द्वानी स्टेट हाईवे पर पिकअप और स्कूटी की आमने-सामने की भिड़ंत में निजी कंपनी में कार्यरत एक अकाउंटेंट की मौत हो गई, जबकि उसकी सहेली गंभीर रूप से घायल हो गई।

भावना रावत।(फाइल)

पुलिस ने वाहन कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शव पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भेज दिया गया है।गुलजारपुर बंकी, निरपानी चकलुवा निवासी और पूर्व सैनिक भूपाल सिंह रावत की बेटी भावना रावत उर्फ शिया (20) कंसल फैक्ट्री में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थी। मंगलवार दोपहर उसकी सहेली नेहा जोशी (20) निवासी लामाचौड़ कंपनी में मिलने आई थी। दोनों के बीच करीब एक घंटे बातचीत के बाद लगभग तीन बजे भावना सहेली को स्कूटी से चकलुवा बाजार छोड़ने निकली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कूटी नेहा चला रही थी और दोनों लामाचौड़ की ओर जा रही थीं। भाखड़ा पुल के पास तीव्र मोड़ पर स्कूटी रॉन्ग साइड में जाकर सामने से आ रही पिकअप से टकरा गई। हादसे में भावना रावत की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि नेहा जोशी गंभीर रूप से घायल हो गई।

दुर्घटना में क्षतिग्रस्त स्कूटी व पिकअप।

स्थानीय लोगों की मदद से घायल को हल्द्वानी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। 108 एंबुलेंस की मदद से भावना को सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां माहौल गमगीन हो गया। छोटे भाई पंकज रावत का रो-रोकर बुरा हाल था। कोतवाल अरुण सैनी ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

खगोल विज्ञान | सौर मंडल में होने लगी है अब क्षुद्रग्रहों गणना, रुबिन वेधशाला ने खोजे पिछले साल 11 हजार नए क्षुद्रग्रह

अब अंधेरे में छिपे न रह सकेंगे हमारे सौर मंडल के क्षुद्रग्रह

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हमारे सौर मंडल में अब क्षुद्रग्रहों गणना होनी शुरू हो गई है। पिछले वर्ष 11 हजार नए क्षुद्रग्रह खोजे गए हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि अगले 10 वर्ष में क्षुद्रग्रहों की गणना पूरी कर ली जाएगी। अमेरिकी वेधशाला वेरा सी. रुबिन ऑब्जर्वेटरी गणना को अंजाम तक पहुंचाएगी।

हम जानते हैं कि पृथ्वी को सबसे बड़ा खतरा क्षुद्रग्रहों से आसमान में बेखौफ विचरते न जाने कब कौनसा लघु ग्रह पृथ्वी से टकरा जाय और बड़ी तबाही का कारण बन जाय। अतीत में इनके दिए कई पृथ्वी के विभिन्न हिस्सों में मौजूद हैं और डायनासोर जैसे विशालकाय प्राणियों का अस्तित्व मिटाने में इन्हीं की भूमिका मानी जाती है। जिस कारण वैज्ञानिक हमेशा इन पर नजर बनाए रखते हैं।

इधर अमेरिकी ने चिली में एक नई वेधशाला वेरा सी. रुबिन नामक ऑब्जर्वेटरी स्थापित की है। यह अत्याधुनिक उपकरणों से लैस वेधशाला है, जिसने शुरुवात में ही 11 हजार नए क्षुद्रग्रह खोज निकाले हैं। नई खोज के बाद क्षुद्रग्रहों की संख्या 80 हजार पहुंच गई है। खोजे गए क्षुद्रग्रहों में 33 निकट-पृथ्वी वस्तुएं यानी पृथ्वी से नजदीक के हैं। इनके पृथ्वी से टकराने की आशंका से वैज्ञानिकों इंकार किया है। इन क्षुद्रग्रहों में सबसे बड़ा करीब 500 मीटर व्यास का है। इनके अलावा 380 ट्रांस-नेप्च्यूनियन ऑब्जेक्ट्स (टीएनओ) यानी सौर मंडल के सबसे दूर के ग्रह नेप्च्यून से भी दूर रहने वाले 380 क्षुद्रग्रहों को खोज निकाला है। यह बेहद ठंडे क्षुद्रग्रह हैं, जो बर्फ से ढके रहते हैं। अभी तक मात्र पांच हजार टीएनओ की खोज हुई हैं। जिन्हें खोजने में 30 साल का समय लगा है। रुबिन ऑब्जर्वेटरी ने मात्रा दो माह में 380 खोज निकाले हैं। इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्षुद्रग्रहों को खोज निकालना अब मुश्किल नहीं रहा।

पृथ्वी और शुद्रग्रह। ● अमृत विचार

प्लैनेट 9 की खोज भी हुई संभव

नैनीताल : हमारे सौर मंडल की गहराइयों में छिपा नौवां ग्रह के खोज भी संभव हो चली है। रुबिन वेधशाला के वैज्ञानिकों का कहना है कि क्षुद्रग्रहों की गणना के दौरान रहस्य बना प्लैनेट 9 भी खोज लिया जाएगा। ज्ञातव्य हो नौवें ग्रह का पता तो चल गया है। मगर इसकी वास्तविक स्थिति का पता नहीं लग सका है।

नई तकनीक ने आसान की वैज्ञानिकों की राह

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे का कहना है कि नई तकनीक और उपकरणों के आने से वैज्ञानिकों की राह आसान हो चली है। जिस कारण खोज का दायरा गुणात्मक हो गया है। इधर रुबिन ऑब्जर्वेटरी की स्थापना से क्षुद्रग्रहों की खोज ताजा उदाहरण है।

मांगों को लेकर फार्मासिस्ट आज से शुरू करेंगे आंदोलन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: चारधाम यात्रा ड्यूटी के बकाया भत्ते और मूलभूत सुविधाओं में सुधार की मांग को लेकर कुमाऊं मंडल के फार्मासिस्टों ने आज से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तराखंड की कुमाऊं शाखा ने 20 दिनों तक ज्ञापन पर कोई कार्रवाई न होने से नाराज होकर यह निर्णय लिया।

मंगलवार को आयोजित वर्चुअल बैठक में प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष पवन पांडेय ने कहा कि फार्मासिस्टों का करीब 20 लाख रुपये का यात्रा भत्ता अब तक लंबित है। इसके साथ ही चारधाम यात्रा मार्ग पर भोजन और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति भी बेहद खराब है। कई बार शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बैठक में तय किया गया कि आंदोलन के पहले चरण में 15 से 25 अप्रैल तक सभी फार्मासिस्ट कार्यस्थल पर काला फीता बांधकर विरोध जताएंगे। इसके बाद 26 अप्रैल से कार्यालयों के बाहर सांकेतिक धरना शुरू किया जाएगा। यदि इसके बावजूद मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो 4 मई से प्रतिदिन दो घंटे का कार्य बहिष्कार किया जाएगा। बैठक में मंडलीय अध्यक्ष गजेन्द्र कुमार पाठक, मंडलीय सचिव प्रेम शंकर सिंह, कोषाध्यक्ष दिगंबर सिंह रावत सहित कुमाऊं के सभी जिलों के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में श्रद्धालुओं को बांटे कासनी के पौधे

हल्द्वानी, अमृत विचार: जन कल्याण समिति एवं शिव काली धाम की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान पूर्व रेंजर मदन सिंह बिष्ट ने श्रद्धालुओं को औषधीय पौधा कासनी वितरित किए।

उन्होंने लोगों को औषधीय पौधों के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। मदन सिंह बिष्ट ने बताया कि यह श्रीमद्भागवत कथा पार्षद दीपक बिष्ट की ओर से आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता को स्वस्थ रखने और औषधीय पौधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कासनी के पौधों का निशुल्क वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कासनी पौधा शुगर, लीवर और किडनी संबंधी समस्याओं में लाभकारी है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 15 अप्रैल 2026

नैनीताल

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

गैस संकट से महंगा हुआ भोजन, होटल और रेस्टोरेंट में 20 फीसदी तक बढ़े दाम

नैनीताल आने वाले पर्यटकों को महंगाई का झटका

गौरव जोशी, नैनीताल

रुचिर साह, प्रियंका और विश्वजीत टंडन। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पर्यटन नगरी नैनीताल में इन दिनों व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कमी और लगातार बढ़ती कीमतों ने होटल एवं रेस्टोरेंट कारोबार पर सीधा असर डाला है। गैस संकट के चलते शहर के अधिकांश होटल-रेस्टोरेंट संचालकों ने खाने-पीने की वस्तुओं के दामों में करीब 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर दी है। इसका असर स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों की जेब पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

शहर के रेस्टोरेंट संचालक रुचिर का कहना है कि फिलहाल कारोबार पूरी तरह प्रभावित नहीं हुआ है, लेकिन महंगाई का असर साफ दिखने लगा है। गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ पैकिंग मैटेरियल और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम भी बढ़ गए हैं, जिससे लागत में वृद्धि हुई है। ऐसे में उन्हें मजबूरन खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। वहीं, रेस्टोरेंट व्यवसायी विश्वजीत टंडन के अनुसार पिछले कुछ समय से व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अनियमित हो गई है। पहले उनके रेस्टोरेंट में रोजाना एक सिलेंडर की खपत होती थी, लेकिन अब महीने में केवल दो सिलेंडर देने की बात कही जा रही है। जिससे संचालन प्रभावित हो रहा है। संचालकों का कहना है कि गैस की कमी के चलते कई बार वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करना पड़ रहा है, जो अधिक महंगा साबित हो रहा है। इससे लागत बढ़ने के साथ मुनाफा घट रहा है और कारोबार पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही गैस आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले समय में दामों में और बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है। दिल्ली से नैनीताल घूमने आई पर्यटक प्रियंका ने बताया कि वह अक्सर यहां आती हैं, लेकिन इस बार रेस्टोरेंट में खाने-पीने की चीजों के दाम पहले की तुलना में काफी अधिक हैं। उधर, संबंधित विभाग के अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि गैस आपूर्ति को सुचारू बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि गैस संकट लंबे समय तक बना रहा, तो पर्यटन कारोबार पर असर पड़ सकता है।

पेड़ पर चढ़ी मादा गुलदार का रेस्क्यू वन विभाग की सूझबूझ से टला खतरा

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में पेड़ पर बैठी मादा गुलदार। ● अमृत विचार

अमृत विचार: घनी आबादी के बीच पेड़ पर चढ़ी एक गर्भवती मादा गुलदार का वन विभाग ने सफल रेस्क्यू कर बड़ा खतरा टाल दिया। ग्राम लूटाबड़ क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब लोगों ने एक बगीचे में कटहल के पेड़ पर गुलदार को चढ़ा हुआ देखा। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।

सूचना मिलते ही तराई पश्चिमी वन प्रभाग की टीम मौके पर पहुंची। रेंज अधिकारी पूरन सिंह खनायत के नेतृत्व में टीम ने हालात संभालते हुए उच्च अधिकारियों की अनुमति के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने गुलदार को ट्रेंकुलाइज कर सुरक्षित काबू में लिया। रेस्क्यू के दौरान कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दुष्यंत शर्मा व उनकी टीम ने अहम भूमिका निभाई। जांच में गुलदार मादा, लगभग 4-5 वर्ष की और गर्भवती पाई गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सुरक्षित जंगल में छोड़े जाने की प्रक्रिया जारी है।

बैसाखी पर शबद कीर्तन से संगत को किया निहाल

गुरुद्वारे में सजे कीर्तन दरबार, लंगर में श्रद्धालुओं ने प्रसाद किया ग्रहण

लालकुआं में बैसाखी पर्व पर आयोजित लंगर का प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: नगर में बैसाखी पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्थानीय गुरुद्वारे में सुबह से ही विशेष दीवान सजाया गया और गुरुवाणी व शबद कीर्तन का गायन कर संगत को निहाल किया गया। दोपहर को अखंड पाठ के भोग के उपरांत विशाल लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया।

ट्रांसपोर्ट नगर स्थित गुरुद्वारे में बैसाखी पर्व के अवसर पर विगत तीन दिनों से चल रहे अखंड पाठ और शबद कीर्तन का मंगलवार प्रातः विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर श्री गुरु सिंह सभा में गुरु का विशेष दीवान सजाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पहुंची साध संगत ने गुरु की शबद वाणी का श्रवण किया। इस अवसर पर श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार हरबंस सिंह ने गुरु के दरबार में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को बैसाखी की लख-लख बधाइयाँ देते हुए कहा कि हमें सभी त्योहार मिल-जुलकर मनाने चाहिए, जिससे आपसी भाईचारा बढ़ता है। इस उपलक्ष्य में आयोजित अखंड पाठ के भोग के उपरांत गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया, जिसे बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर ग्रहण किया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार सेतिया, विधायक मोहन बिष्ट की पत्नी चंद्रिका बिष्ट, पूर्व चेयरमैन पवन चौहान, हरनाम सिंह, जसवंत सिंह, दीवान सिंह बिष्ट, आशीष भाटिया, चंद्रेश भाटिया, संजय अरोड़ा, पंकज बत्रा, लवली गिल, प्रेम नाथ पंडित रहे।

सुरक्षित मातृत्व एवं एनीमिया मुक्त भारत को अभियान चलाया

धानाचूली : मुख्य चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ओखलकांडा के निर्देशन में क्षेत्र में सुरक्षित मातृत्व एवं एनीमिया मुक्त भारत अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

इसके अंतर्गत एएनएम, आशा एवं आशा फैसिलिटेटर द्वारा गर्भवती महिलाओं के साथ नियमित बैठकें कर उन्हें हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, शुगर, मूत्र परीक्षण, अल्ट्रासाउंड व टीकाकरण संबंधी जांचों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं एवं किशोरियों में एनीमिया की रोकथाम हेतु आयरन-फोलिक एसिड की खुराक, संतुलित आहार एवं नियमित जांच सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान के अंतर्गत लोगों को लक्षणों की पहचान व समय पर उपचार के लिए जागरूक किया जा रहा है। अभियान में डॉ. अवनीश दीवान, डॉ. अंजली, बीपीएम भुवन पपनै, बीसीएम प्रकाश पाण्डेय सहित समस्त स्टाफ ने योगदान दे रहा है।

ग्राम पंचायत को स्वच्छ रखने की कवायद शुरू

जंगलियागांव में स्वच्छता को लेकर आयोजित बैठक में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, भीमताल

● प्लास्टिक मुक्त अभियान को लेकर दी जानकारी

अमृत विचार: ग्राम पंचायत जंगलियागांव को स्वच्छ रखने के लिए पंचायत घर में बैठक राधा कुल्याल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में ग्राम पंचायत के अंतर्गत होटल स्वामियों, होम-स्टे संचालकों तथा अस्थायी रूप से निवास कर रहे लोगों को आमंत्रित किया गया था।

राधा कुल्याल ने स्वच्छता अभियान एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान के लिए ग्रामीणों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी तथा सभी से इस कार्यक्रम में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने पिछले छह सप्ताह से सहयोग कर रहे ग्रामीणों का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत अब स्वयं वाहन के माध्यम से अन्य स्थानों से कूड़ा उठाने का प्रयास करेगी, जिसके लिए सभी का आर्थिक सहयोग आवश्यक है। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम सिंह कुल्याल ने बाहरी लोगों से अन्य कार्यों में भी सहयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य बालम सिंह रैकवाल, दयानंद त्रिपाठी, किशोरी दत्त शर्मा, उमा कुल्याल, रेखा कुल्याल, गोबिंदी देवी, सुरेश चंद्र सिंह, बीरेंद्र सिंह कुल्याल, राजेंद्र सिंह कुल्याल, त्रिलोक सिंह कुल्याल, रबी शंकर पलड़िया, ललित पलड़िया, ललित मोहन आर्य, गोपाल सिंह पडियार उपस्थित थे।

हिंदी साहित्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दिखाई विद्यार्थियों ने रुचि

रामनगर : छात्रों के हिंदी विषय में बौद्धिक परीक्षण तथा उत्तराखंड की प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी विषय से अधिकतम प्रश्न पूछे जाने के उद्देश्य से पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी भाषा तथा साहित्य से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में 50 छात्र-छात्राओं ने अपनी रुचि दिखाते हुए बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता के परिणाम घोषित होने के उपरांत विजयी छात्र-छात्राओं को प्राचार्य की अध्यक्षता में पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे ने छात्रों की इस रुचि की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं यदि हर विभाग द्वारा आयोजित की जाएं तो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों को इसका लाभ मिल सकेगा।

कार्यक्रम में विभाग प्रभारी डॉ. पुनीता कुशवाहा, चीफ प्रॉक्टर प्रो. सिद्धेश्वर सिंह मौर्य, डॉ. ललित मोहन, डॉ. सुरेश चंद्रा, संयोजिका डॉ. नीमा राणा, डॉ. लोतिका अमित, डॉ. ऋचा पुनेठा, शोध छात्र अभिषेक कुमार तथा अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रामनगर रैली में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते यूकेडी नेता काशी सिंह ऐरी एवं अन्य।

यूकेडी ने विशाल रैली निकाल किया शंखनाद

रामनगर, अमृत विचार : उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने पीरूमदारा से रामनगर तक विशाल रैली निकालकर चुनाव प्रचार का शंखनाद किया। रैली पीरूमदारा से शुरू होकर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से होते हुए रामनगर शहर पहुंची और पुनः प्रारंभिक स्थल पर समाप्त हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए, जबकि जगह-जगह ग्रामीणों ने रैली का स्वागत किया। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से आयोजन में खासा उत्साह देखने को मिला। रैली के दौरान पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी ने कहा कि उत्तराखंड के गठन के बाद बीते वर्षों में प्रमुख दलों ने प्रदेश के विकास की अनदेखी की, जिससे भ्रष्टाचार और बेरोजगारी बढ़ी है। उन्होंने पार्टी का नारा दोहराते हुए कहा, हमने राज्य बनाया है, हम ही राज्य संवारेंगे और बचाएंगे। उन्होंने बताया कि रैली का उद्देश्य जनसमस्याओं बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, मूल निवास और आर्थिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाना है। साथ ही 2027 विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की बात भी कही। इस दौरान जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अग्निशमन सप्ताह पर निकली रैली

संवाददाता, नैनीताल

अग्निशमन सप्ताह के तहत नैनीताल में आयोजित हुआ कार्यक्रम। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत मंगलवार को फायर स्टेशन नैनीताल परिसर में अग्निशमन सेवा दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक नैनीताल अंजना नेगी ने किया।

इस दौरान सर्वप्रथम अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए शहीद हुए अग्निशमन कर्मियों को याद करते हुए दो मिनट का मौन धारण किया गया। इसके पश्चात शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों ने अग्निशमन सेवा के महत्व और अपने दायित्वों के प्रति समर्पण का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम के दौरान जनजागरुकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फायर स्टेशन परिसर से रैली का आयोजन किया गया। पुलिस उपाधीक्षक अंजना नेगी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

रैली शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरी, जहां अग्निशमन कर्मियों द्वारा आमजन को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान पंफलेट वितरित कर आग से बचाव के उपायों और आपात स्थिति में अपनाए जाने वाले जरूरी कदमों की जानकारी दी गई। बताया कि अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे लोगों को आगजनी की घटनाओं से बचाव और त्वरित कार्रवाई के प्रति सजग किया जा सके। कार्यक्रम में फायर स्टेशन के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पेयजल लाइन टूटी, बिजली के तारों तक पहुंची जलधारा

संवाददाता, भीमताल

भीमताल में टूटी पेयजल लाइन, जिससे पानी हाई टेंशन विद्युत लाइन तक पहुंच गया।

अमृत विचार: भीमताल नगर के मल्लीताल क्षेत्र स्थित सिडकुल में लगभग चार दशक पूर्व जल संस्थान द्वारा बिछाई गई पेयजल लाइन समय-समय पर टूटती रहती है, जिससे क्षेत्र में जलभराव, कीचड़ की स्थिति बनी रहती है।

मंगलवार को भी सिडकुल क्षेत्र में पेयजल लाइन अचानक तेज धमाके के साथ टूट गई। पानी का दबाव इतना अधिक था कि पानी लगभग 20 फीट ऊपर तक पहुंचकर हाई टेंशन विद्युत लाइन तक जा पहुंचा, जिससे बड़ी दुर्घटना की आशंका उत्पन्न हो गई। स्थानीय उपभोक्ताओं ने बताया कि जर्जर हो चुकी इस पाइपलाइन को बदलने का प्रस्ताव विभाग द्वारा शासन को भेजा जा चुका है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट ने बताया कि विभागीय अधिकारियों के अनुसार प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को पहले ही भेजा जा चुका है, लेकिन धन स्वीकृत न होने से कार्य लंबित है। कहा कि वह शीघ्र ही शासन से धन आवंटन कराने का प्रयास करेंगे।

जागरुकता रैली को किया रवाना

- रामनगर में अग्नि सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ
- एसपी आरडी मठपाल ने रैली को दिखाई हरी झंडी

संवाददाता, रामनगर

जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाते आरडी मठपाल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: फायर ब्रिगेड विभाग द्वारा आयोजित अग्नि सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ एसपी आरडी मठपाल ने विभागीय शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर तथा अग्निशमन वाहनों की जन-जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया।

मंगलवार सुबह स्थानीय फायर ब्रिगेड विभाग में आयोजित कार्यक्रम में एसपी संचार, एसपी एकाउंट तथा एसपी कानून व्यवस्था रेवाधर मठपाल ने मुंबई कांड में शहीद हुए फायरकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी गोपाल सिंह रावत ने बताया कि अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत आग से सुरक्षा से जुड़े विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में फायर ब्रिगेड के हेड कांस्टेबल अर्जुन सिंह नेगी, कांस्टेबल पुष्कर सिंह रावत, वसीम अहमद, मोहम्मद उमर, शंभू गिरी, देवेंद्र पाल, प्रशांत शर्मा, राय सिंह, मनोज कुमार, शैलेन्द्र सिंह और प्रकाश चंद्र पंत रहे।

छोई में अनियंत्रित ट्रक पलटा, हादसा बचा

रामनगर: रामनगर के छोई क्षेत्र में सोमवार शाम एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे की वजह ट्रक में आई तकनीकी खराबी रही। बताया गया कि चलते समय ट्रक का एक पट्टा टूट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रक पलट गया। घटना के समय सड़क पर अन्य वाहन नहीं थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन स्थानीय लोगों की मदद से स्थिति जल्द संभाल ली गई। ट्रक चालक को हल्की चोटें आईं, जिसे तुरंत बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिया गया। उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। बाद में क्रेन की मदद से पलटे ट्रक को सीधा कर सड़क किनारे हटाया गया।

एनसीसी मिनिस्ट्रियल अधिकारी एवं कर्मचारी सर्विस एसोसिएशन के अधिवेशन में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाते अतिथि।

नवीन प्रदेश अध्यक्ष, भुवन सह सचिव बने

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: रुड़की में आयोजित एनसीसी मिनिस्ट्रियल अधिकारी एवं कर्मचारी सर्विस एसोसिएशन, उत्तराखंड के तृतीय द्विवार्षिक अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। अधिवेशन में नैनीताल एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी नवीन सिंह ढैला को सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

इसके अलावा 80 बटालियन एनसीसी, पिथौरागढ़ के भुवन भास्कर बिष्ट को सह सचिव तथा 78 बटालियन एनसीसी, हल्द्वानी के जावेद अहमद को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यक्रम में कुमाऊं मंडल सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। अधिवेशन के प्रथम सत्र में कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा, श्याम वीर सैनी, महापौर अनीता ललित अग्रवाल एवं शोभाराम प्रजापति ने प्रतिभाग किया। द्वितीय सत्र में चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई गई, जिसके बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों के हितों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

सिटी ब्रीफ

बागजाला में मनाई अंबेडकर जयंती

हल्द्वानी : आंबेडकर जयंती के मौके पर गौलपार के बागजाला में संविधान बचाओ, देश बचाओ दिवस के रूप में गोष्ठी हुई। भाकपा (माले) नेता डॉ. कैलाश पांडे ने केंद्र सरकार पर संविधान के मूल मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया। डॉ. उर्मिला रैस्वाल ने अंबेडकर के जातिवाद उन्मूलन और महिला अधिकारों के लिए संघर्ष को याद किया। कार्यक्रम में वेद प्रकाश, विमला देवी, चंद्र प्रकाश, दीवान सिंह बर्गली, हरीश, परवेज, महेन्द्र, हेमा आर्य, पुष्पा देवी, खीम राम, पूरन राम, ललित प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

लालकुआं में हुए रंगारंग कार्यक्रम

लालकुआं : नगर व बिंदुखत्ता क्षेत्र में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई। संजय नगर, बिंदुखत्ता में रंगारंग कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। संजय नगर, बिंदुखत्ता स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। उधर, लालकुआं वार्ड नंबर 2 स्थित आंबेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष रमेश कुमार, संरक्षक लक्ष्मण धपोला, राजपाल, दीवान राम, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पुष्कर सिंह दानू, वरिष्ठ कांग्रेसी प्रमोद कॉलोनी, सूबेदार मेजर कुंदन सिंह मेहता, प्रदीप बथ्याल, मीना कपिल, सूबेदार बहादुर राम, कैप्टन शमशेर साहब, कैप्टन इंद्र सिंह पनेरी तथा लालकुआं के पूर्व अध्यक्ष लालचंद सिंह, पवन कुमार चौहान रहे।

संविधान रचियता डॉ. आंबेडकर को किया याद

डॉ. आंबेडकर जयंती पर हल्द्वानी में निकाली भव्य झांकी, देश के संविधान की राह पर चलने का लिया प्रण

संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी में झांकी का स्वागत करते विधायक सुमित हृदयेश। ● अमृत विचार

अमृत विचार: 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। डॉ. भीम राव अंबेडकर जन्म दिवस समारोह समिति ने कार्यक्रम की शुरुआत मंगल पड़ाव स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ की। मुख्य अतिथि मेयर गजराज सिंह बिष्ट और पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी मौजूद रहे।

इसके बाद मंगल पड़ाव से स्टेशन, राजपुरा, तिकोनिया होते हुए एमबी इंटर कॉलेज तक भव्य झांकी निकाली गई, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। झांकी का विधायक सुमित हृदयेश ने फूलों से स्वागत किया। विधायक सुमित ने कहा कि हम सबको संविधान के अनुसार चलने का प्रण लेना चाहिए।

दोपहर बाद दमुवाढुंगा स्थित डॉ. बीआर अंबेडकर पार्क में मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें जेएनयू के प्रो. वायएस. अलोने और सोशल एक्टिविस्ट डॉ. शीला आर्या मुख्य अतिथि रहे।

वक्ताओं ने शिक्षा, संस्कृति और अध्ययन को बाबा साहेब के मिशन को आगे बढ़ाने का आधार बताया। कहा कि संविधान रचियता को असली सम्मान तब होगा जब शिक्षा को सम्मान दिया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीप दर्शन ने और संचालन वीरेंद्र कुमार टम्टा ने किया। इस दौरान मंत्री विरेन्द्र कुमार टम्टा, मुकेश चंद्र बौद्ध, डॉ. जगदीश चंद्र, संजय कुमार सागर, राधा आर्या, इंद्र कुमार, संजय बघरवाल, जीआर टम्टा, संरक्षक दीपक चनियाल, जगदीश कुमार विमल, विजय कुमार, अंजू राज, विनोद कुमार बौद्ध, नफीस अहमद, सुनील कुमार, लक्ष्मीनारायण, हेमंत कुमार, रुचि आर्या, सुनीता आर्या, अमित कुमार बौद्ध, संजय कुमार, दुर्गा प्रसाद, किशोरी लाल टम्टा, सूरज कुमार, कनिष्ठ प्रमुख एड. राजेंद्र प्रसाद, मनोज कुमार, अंजू आर्या, अमित कुमार, सुमन आर्य रहे।

इधर, राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्राचार्य डॉ. जी.एस. तितियाल ने बाबा साहेब के जीवन को संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय का प्रेरक उदाहरण बताया।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि शिक्षा समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है। इस दौरान डॉ. उमेश, डॉ. साधना अवस्थी, डॉ. दीपा देउपा, रवि पाल, रवि कुमार रहे।

मीठा आंवला में सामाजिक समरसता का संदेश

हल्द्वानी : चौसला ग्राम सभा के मीठा आंवला में मीराबाई ग्राम संगठन ने आंबेडकर जयंती पर सम्मान एवं सहभोज कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और मेयर गजराज बिष्ट मुख्य अतिथि रहे। कोश्यारी ने कहा कि बाबा साहेब का सपना भेदभाव-रहित समाज का निर्माण था और ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। वहीं मेयर बिष्ट ने संविधान निर्माण में उनके योगदान को याद किया। कालाढूंगी के ग्राम बंदरजुड़ा में भी आंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम हुए। इस दौरान गंगा प्रसाद, धनीराम आर्य, भुवन टम्टा, संतोष कुमार, दीपक टम्टा, विरेंद्र कुमार, नवीन टम्टा, दीपक टम्टा, राजेंद्र कुमार, पवन कुमार रहे।

कोटाबाग में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने दी श्रद्धांजलि

हल्द्वानी : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने मंगलवार को संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर कोटाबाग स्थित ग्राम सभा पतलियां में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान विकास भगत ने कहा कि बाबा साहब का संपूर्ण जीवन सामाजिक समरसता, समानता और न्याय की स्थापना के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी एक सशक्त, समावेशी और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों की जनसमस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। इस मौके पर बीडीसी सदस्य तरुण कुमार, ग्राम प्रधान दीप तिवारी, जोगा मेहरा, विक्रम जंतवाल, डूंगर मेहरा, निर्मल कुमार, महेंद्र लाल, दीपक कुमार, धीरज कुमार और मोहन अधिकारी आदि मौजूद रहे।

हल्द्वानी में डॉ. अंबेडकर जयंती समारोह में मौजूद पूर्व राज्यपाल कोश्यारी व मेयर।

रामनगर में आंबेडकर जयंती पर शोभायात्रा निकालते लोग। ● अमृत विचार

रामनगर में डॉ. आंबेडकर की भव्य शोभायात्रा निकली

रामनगर, अमृत विचार : संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर यहां भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैंड-बाजों और जयघोषों के साथ निकली इस शोभायात्रा ने पूरे शहर को बाबा साहेब के रंग में रंग दिया। कांग्रेस और भाजपा सहित कई संगठनों ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में निकली यह शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए नगर पालिका परिषद तक पहुंची। नगर पालिका परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। समिति के रेवी राम ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से समानता और अधिकारों का मार्ग दिखाया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मदन कुमार शिल्पकार, विशिष्ट अतिथि आजाद बौद्ध और बीए साह ने विचार रखे। संचालन विनोद अंजान एडवोकेट ने किया।

भीमताल में डॉ. आंबेडकर जयंती समारोह में मौजूद महिलाएं। ● अमृत विचार

डॉ. आंबेडकर जयंती मनाई गई

भीमताल : भीमताल में डॉ. आंबेडकर जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। रामलीला ग्राउंड, भीमताल में जयंती कार्यक्रम का शुभारंभ कैंचीधाम की एसडीएम मोनिका आर्य ने किया। कार्यक्रम डॉ. आंबेडकर जयंती समिति के अध्यक्ष माधो राम आर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह में रमेश चंद आर्य, हरीश टम्टा, देवेंद्र आर्य, गोविंद चंद, आशा आर्य, निर्मला आर्य, जीवंती आर्य, पुष्पा आर्य, रविंद्र शंकर, बिपिन चंद्र, महेश राम, धनी राम, मनोज कुमार, पुराण चंद्र, नवीन चंद्र आर्य आदि मौजूद रहे।

नैनीताल में बाबा साहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण करते लोग ● अमृत विचार

आमडंडा खत्ता में हुए कार्यक्रम

संवाददाता, रामनगर

वन ग्राम आमडंडा खत्ता में बच्चों को पुरस्कृत करते प्रभात ध्यानी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: वन ग्राम आमडंडा खत्ता के प्राइमरी स्कूल परिसर में डॉ. भीमराव आंबेडकरकी जयंती पर वन ग्राम संघर्ष समिति, प्रगतिशील जन एकता मंच, युवा सांस्कृतिक कला मंच एवं उपपा के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चिंताराम ने की तथा संचालन लालमणि एवं मेघा ने किया। इस दौरान अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। तर्कशील सोसाइटी एवं साइंस फार सोसायटी के रामकुमार एवं एडवोकेट मदन मेहता द्वारा बच्चों के अंदर वैज्ञानिक चेतना जगाने के उद्देश्य से जादू के खेल के माध्यम से अंधविश्वास ,पाखंड, चमत्कार का पर्दाफाश किया। प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान माही, द्वितीय स्थान गुड़िया, राशि, कोमल तथा तृतीय स्थान ध्रुव नेगी, शिवानी, योगिता ने प्राप्त किया तथा कला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नीतीश, यामिनी, द्वितीय स्थान ईशांत तथा तृतीय स्थान वैभव ने प्राप्त किया।

आंबेडकर पार्क में 60 लोगों ने किया रक्तदान

हल्द्वानी : स्व. बालकिशन देवकी नंदन जोशी चैरिटेबल ब्लड बैंक मुखानी की ओर से संविधान निर्माता बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135 वीं जयंती के अवसर पर वार्ड- 36 में दमुवाढूंगा स्थित आंबेडकर पार्क में रक्तदान शिविर लगाया।

इसमें 60 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान डॉ. प्रकाश मेहता, हृदयेश कुमार, हर्षित भारती, अरुण कुमार, पंकज अधिकारी, वीरेंद्र बिष्ट, योगेन्द्र बिष्ट, गौरव सम्भल, मनीष बिष्ट, दीपक आर्य, रिंकू आर्य, गोपाल आर्य, शुभम आर्य, रजत कुमार रहे।

दमुवाढूंगा में रक्तदान करते युवा। ● अमृत विचार

नैनीताल में जयंती पर डॉ. आंबेडकर को किया याद

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर नैनीताल के दर्शन घर पार्क में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी, वाल्मीकि समाज सफाई कर्मचारी यूनियन, अनुसूचित जाति मोर्चा, युवा मोर्चा और महिला मोर्चा सहित कई संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम में लोगों ने अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और समाज सुधार में उनके योगदान पर प्रकाश डाला तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन केएल आर्य ने किया, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सरिता आर्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की संयोजक ज्योति ढौंडियाल, सहसंयोजक प्रदीप आर्य, सहसंयोजक संतोष कुमार एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष दयाकिशन पोखरिया, जिला बार अध्यक्ष अरुण बिष्ट, सचिव संजय सुयाल, पूर्व बार अध्यक्ष मनीष जोशी, वाल्मीकि समाज के सरपंच गिरीश भैया, दिनेश कटियार, संजय सौदा, अभिषेक मुल्तानिया, कमल सिलेलान, राजन कुमार, अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष हेमंत बेदी, महिला मोर्चा अध्यक्ष अमिता साह, युवा मोर्चा अध्यक्ष रितुल कुमार सहित विकास जोशी, अरुण कुमार, निखिल बिष्ट, कमल जोशी, मयंक पंत, शैलेंद्र बरगली, सभासद भगवत सिंह रावत रहे।

यूथ कांग्रेस ने की गोष्ठी आयोजित

नैनीताल: यूथ कांग्रेस की नगर इकाई द्वारा तल्लीताल स्थित पार्टी कार्यालय में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया।

नवनियुक्त नगर अध्यक्ष बंटू आर्या ने कहा कि डॉ. अंबेडकर स्वतंत्रता सेनानी, देश के प्रथम कानून एवं न्याय मंत्री तथा भारतीय संविधान के निर्माता थे। उन्होंने सामाजिक समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का संदेश दिया, जिसे अपनाना आवश्यक है। कार्यक्रम में पूर्व पालिकाध्यक्ष मुकेश जोशी, महिला कांग्रेस की सुनीता आर्य, देवकी देवी, नगर उपाध्यक्ष प्रेम शर्मा, विमल चौधरी, कैलाश अधिकारी, शिवम बजाज, नासिर खां, त्रिभुवन सिंह फर्त्याल, धीरज सिंह बिष्ट, आयुष कुमार, अभिषेक कुमार रहे।

कालाढूंगी में निकाली यात्रा, सैकड़ों लोगों ने की शिरकत

- डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर लोगों ने किया माल्यार्पण
- कार्यक्रम के दौरान मुस्तैद रहा पुलिस बल

संवाददाता, कालाढूंगी

कालाढूंगी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत करते फाउंडेशन के सदस्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर में डॉ. आंबेडकर एकता फाउंडेशन के तत्वावधान में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान नीले झंडे लहराए गए और 'जय भीम' के नारे लगाए गए। रैली का मुख्य उद्देश्य बाबा साहेब के संदेश शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो को जन-जन तक पहुंचाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। गुलजापुर बंकी कार्यालय से शुरू हुई रैली में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। मोटरसाइकिल और कार रैली के माध्यम से निकली इस यात्रा का मार्ग में जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा। रैली के दौरान डीजे पर भीम गीत बजाए गए। रैली बौरपुल से होते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क पहुंची, जहां प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद रैली राइंका के मैदान में आयोजित कार्यक्रम में पहुंची।

कार्यक्रम में नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। मुख्य अतिथि जीआर टम्टा ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने समाज के वंचित और शोषित वर्गों को संवैधानिक अधिकार देकर उन्हें मुख्यधारा में लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को अपना हथियार बनाने और संविधान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की अपील की। फाउंडेशन के अध्यक्ष जगदीश चंद्र और मुख्य अतिथि तथा नगर पालिका अध्यक्ष रेखा कत्यूरा ने अंबेडकर पार्क के लिए भूमि उपलब्ध कराने की मांग रखी, जिस पर पालिकाध्यक्ष ने भूमि चयनित करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष रेखा कत्यूरा, जिपंस अनीता आर्या, राजेंद्र कोटियाल, लीला आर्या, सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद कुमार, राजकपुर टम्टा, राजेश राज, मदन चंद्र, नंदन टम्टा, भारत आर्या, जोगेंद्र प्रसाद, दीवान टम्टा, तेजेंद्र टम्टा, आनंद राम, खीमानंद, नंद राम सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आस्था | गुरुवाणी कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल, विशाल लंगर में उमड़ी संगत

भक्ति व सेवा भाव से सराबोर रहा बैसाखी पर्व

संवाददाता, हल्द्वानी

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी का सम्मान करते सभा के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: खालसा सजना दिवस और बैसाखी के अवसर पर शहर के गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में भव्य धार्मिक समागम का आयोजन किया गया। इस दौरान गुरुवाणी कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

समागम में प्रचारक कीर्तनिया भाई तरसेम सिंह (हरायपुर) और कथावाचक भाई गुरसेवक सिंह (नानकमत्ता साहिब) ने गुरुवाणी कीर्तन और कथा के माध्यम से संगत को गुरु परंपरा, सेवा और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु गोविंद सिंह ने 1699 में आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना कर समानता, साहस और सेवा का संदेश दिया था। कार्यक्रम का समापन हेड ग्रंथि जगमीत सिंह ने सरबत के भले की अरदास के साथ किया। इसके बाद गुरुद्वारा परिसर में विशाल लंगर का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

- गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में भव्य धार्मिक समागम का आयोजन
- संगत को गुरु परंपरा, सेवा और भाईचारे का संदेश दिया

इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के मुख्य सेवादार अमरजीत सिंह आनंद, महासचिव कंवलजीत सिंह उप्पल सहित कई संगत सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, महापौर गजराज सिंह बिष्ट, एसएसपी नैनीताल मंजूनाथ टीसी और गन्ना समिति अध्यक्ष प्रताप सिंह सिद्धू सहित कई गणमान्य लोगों ने भी शिरकत की।

एसपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट महीने होगा

हल्द्वानी : कुमाऊं क्षेत्र के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए स्कूल प्रीमियर लीग (एसपीएल) सीजन-वन के ट्रायल्स मंगलवार को एमएस क्रिकेट मैदान में आयोजित किए गए। इसमें कक्षा 3 से 12 तक के बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया।

आयोजकों ने बताया कि ट्रायल्स का उद्देश्य बच्चों को प्रोफेशनल क्रिकेट कोचिंग देना, खेल की सही तकनीक से अवगत कराना और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। प्रतिभागियों को अनुभवी कोचों से प्रशिक्षण लेने और अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। ट्रायल का संचालन हेड कोच पीयूष तिवारी की देखरेख में हुआ। इस दौरान क्रिकेटर अनुरीत सिंह और अमित तोमर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। चयनित खिलाड़ियों के साथ मई में एसपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट होगा।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम में छात्रों ने जाना भविष्य का रोडमैप

संवाददाता, हल्द्वानी

- एआई युग में करियर विकल्पों को लेकर छात्रों का किया मार्गदर्शन

छात्रों को संबोधित करते विशेषज्ञ।

अमृत विचार: आर्यमान विक्रम बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग में मंगलवार को करियर ओरिएंटेशन और पाथवे सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत सत्र से हुआ, जिसमें काउंसलर समृद्धि पाठक ने मुख्य वक्ता एस. गुप्ता का परिचय कराया और प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा ने उन्हें सम्मानित किया।

हिंदू कॉलेज और लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के पूर्व छात्र एस. गुप्ता ने विद्यार्थियों को नये करियर विकल्पों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में उभरते अवसरों तथा 10वीं व 12वीं के बाद सही विषय और कॉलेज चयन की जानकारी दी। उन्होंने पारंपरिक करियर जैसे इंजीनियरिंग और एमबीबीएस के साथ अन्य विकल्पों, प्रवेश परीक्षाओं पर भी चर्चा की। अभिभावकों को बच्चों की रुचि और क्षमता के अनुसार मार्गदर्शन देने की सलाह दी। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों के सवालों के जवाब भी दिए।

आग से बचाव के लिए निकाली जागरूकता रैली

हल्द्वानी : फायर स्टेशन हल्द्वानी में अग्निशमन सेवा सप्ताह शुरू हो गया है। शहीद हुए अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अधिकारियों व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर पुष्प चक्र अर्पित किए।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने अग्नि सुरक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु फायर सर्विस के वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली फायर स्टेशन हल्द्वानी से शुरू होकर कोतवाली हल्द्वानी, नैनीताल रोड, कोलटेक्स तिराहा, पनचक्की, मुखानी, डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल और टीपी नगर होते हुए पुनः फायर स्टेशन पहुंची। रैली के माध्यम से आम जनमानस को अग्निसुरक्षा और बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। यहां मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौरव किरात, प्रभारी फायर स्टेशन हल्द्वानी हरनाम सिंह राणा रहे।

सिटी ब्रीफ

अज्ञात वाहन ने युवक को रौंदा, मौके पर मौत

रुद्रपुर : सिडकुल के वोल्टास चौक पर मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे करीब 35 वर्षीय युवक को दिनदहाड़े रौंद दिया। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार होने में कामयाब रहा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही सिडकुल पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार, मृतक की तलाशी के दौरान उसके पास से कोई भी पहचान पत्र या दस्तावेज बरामद नहीं हुआ है, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अब सिडकुल चौराहे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि फरार वाहन और चालक का सुराग लगाया जा सके। साथ ही आसपास के इलाकों में युवक की पहचान के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं।

डमरू पर राजनीति करना संकीर्ण मानसिकता

रुद्रपुर : महापौर विकास शर्मा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि त्रिशूल और डमरू जैसे पवित्र प्रतीकों पर राजनीति करना विपक्ष की संकीर्ण मानसिकता है। उन्होंने कहा कि रिंग रोड पर फैलाए गए झूठ का पर्दाफाश होने से कांग्रेस बौखला गई है। शर्मा ने तंज कसा कि जिस डमरू का विपक्ष मखौल उड़ा रहा है, वह वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में हो रहे विकास की थाप है। उन्होंने आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति खत्म होने से कांग्रेस डरी हुई है। महापौर ने दावा किया कि 2027 के चुनाव में विकास की यही थाप कांग्रेस के लिए अंतिम कील साबित होगी।

भगवा वेश में मंदिर को निशाना बना रहा चोर

रुद्रपुर : थाना पंतनगर क्षेत्र के नगला में एक शातिर चोर ने पिछले दो वर्षों से मंदिर को निशाना बनाकर पुलिस और श्रद्धालुओं की नाक में दम कर रखा है। खास बात यह है कि आरोपी पहचान छिपाने के लिए भगवा (गेरुआ) वस्त्र धारण कर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा है। मंदिर संचालक की तहरीर पर पुलिस ने अब मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगला निवासी सुनील मेहता के अनुसार, दुर्गा मंदिर में वर्ष 2023 से लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं। चोर अब तक मंदिर का कलश और दान पात्र कई बार चोरी कर चुका है। ताजा घटना 28 दिसंबर की रात करीब 2 बजे की है, जब गेरुआ वस्त्र पहने एक संदिग्ध ने मंदिर में घुसकर दानपात्र का ताला तोड़ दिया और नकदी साफ कर दी। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें आरोपी स्पष्ट रूप से चोरी करता दिखाई दे रहा है। इस घटना से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश तेज कर दी है।

सोखता गड्ढे में डूबने से मासूम की हुई मौत

शक्तिफार्म : पड़ोसी के सोखता गड्ढे में गिरकर डूबने से दो साल के मासूम की मौत हो गई। इकलौते बेटे की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। गुरुग्राम निवासी अमित सरकार का दो साल का बेटा आदर्श अक्सर आस पड़ोस के घरों में खेलने के लिए जाता था। मंगलवार की शाम को भी वह अन्य दिनों की तरह पड़ोसियों के घर चला गया। काफी देर बाद भी घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। इसी दौरान मासूम का शव पड़ोसी के बनाये सोखता गड्ढे में उतराता हुआ मिला। परिजन तुरंत ही उसे यहां के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इकलौते बेटे की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

आदर्श (फाइल)।

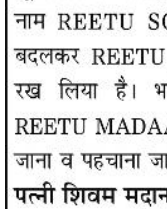

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अख़बार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम REETU SOLANKI से बदलकर REETU MADAAN रख लिया है। भविष्य में मुझे REETU MADAAN के नाम से जाना व पहचाना जाए। **रीतू मदान पत्नी शिवम मदान, वार्ड नं.-3, उत्तराखण्ड कॉलोनी, किच्छा, ऊधमसिंहनगर।**

उत्तराखंड के साथ बाहरी राज्यों से आने वाले यात्रियों को मिलेगी सुविधा

अल्मोड़ा-नैनीताल के लिए आज से हेलीकॉप्टर सेवा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड के साथ ही बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। कारण पवन हंस कंपनी (पीएचएल) एक फिर उत्तराखंड में अपनी हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने जा रही है। इसका शुभारंभ बुधवार को पंतनगर हवाई अड्डे से होगा।

मंगलवार को पंतनगर हवाई अड्डे के पवन हंस के स्टेशन इंचार्ज हर्ष रंजन ने बताया कि उत्तराखंड में भारत सरकार की उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के तहत देहरादून-अल्मोड़ा-देहरादून सेक्टर पर हेलीकॉप्टर सेवाओं का सफल संचालन कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह योजना क्षेत्रीय हवाई संपर्क को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। क्षेत्र में अंतिम मील कनेक्टिविटी को मजबूत करते हुए इस सेवा का विस्तार अब राज्य की राजधानी देहरादून से पंतनगर-नैनीताल सेक्टर तक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह पहल आम नागरिकों के लिए सुलभ, किफायती और विश्वसनीय हवाई परिवहन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्ष 2021 में पीएचएल ने यह उड़ान शुरू की थी। इस बीच सरकार से टेंडर खत्म होने के कारण इस सेवा को बंद करना पड़ा अब इसे रिन्यू कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर में दो कैप्टन के साथ 11 यात्री हवाई यात्रा करेंगे।

इस समय पर हेलीकॉप्टर भरेगा उड़ान

उड़ान सेक्टर	उड़ान संख्या	प्रस्थान	आगमन
देहरादून-अल्मोड़ा	पीएच 207	8:30	9:25
अल्मोड़ा-पंतनगर	पीएच 209	9:30	10:00
पंतनगर-नैनीताल	पीएच 2011	10:30	10:53
नैनीताल-पंतनगर	पीएच 212	10:58	11:21
पंतनगर-अल्मोड़ा	पीएच 210	11:51	12:21
अल्मोड़ा-देहरादून	पीएच 208	12:26	13:21

फीस जमा नहीं करने पर विद्यार्थी की नो एंट्री

रुद्रपुर: प्राइवेट स्कूल की मनमानी इतनी बढ़ चुकी है कि जब एक स्कूली छात्र ने फीस जमा करने पर पिता की बेबसी को बयां किया तो विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थी को गेट के बाहर खड़ा कर दिया। पिता को फोन को बेटे की नो एंट्री की जानकारी दी। गुस्साए पिता ने स्कूल के सामने जमकर हंगामा काटा और आरोप लगाया कि आर्थिक परेशानी के कारण वह दो से तीन माह की फीस जमा नहीं कर पाया था, लेकिन विद्यालय प्रबंधन द्वारा अमानवीय व्यवहार किया है। जिसके बाद से बेटा मानसिक अवसाद से गुजर रहा है। हंगामे की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

यहां बता दें कि एक विद्यार्थी आवास विकास मुख्य मार्ग स्थित एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा सातवीं में पढ़ता है।

चड़क पूजा के अवसर पर लोमहर्षक करतब दिखाते संन्यासी। ● अमृत विचार

फैक्ट्री गेट पर कर्मी का शव रखकर किया हंगामा

पूर्व विधायक ठुकराल और समाजसेवी गाबा ने दिया धरना, ट्रेन की चपेट में आया था कंपनी का कर्मचारी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: संपर्क क्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आकर अधेड़ की हुई मौत प्रकरण में अचानक नेताओं और श्रमिकों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साए लोगों ने शव को सिडकुल कंपनी गेट पर रखकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामला तब बिगड़ गया, जब पूर्व विधायक और समाजसेवी की भी नो एंट्री कर दी थी। इसके बाद हंगामा व नारेबाजी करने के बाद पुलिस फोर्स तैनात हो गई, लेकिन नेताओं ने आर्थिक सहायता और बेटे की स्थाई नौकरी का मुद्दा उठाया और ऐलान किया कि यदि जल्द ही कंपनी प्रबंधन ने ठोस सकारात्मक पहल नहीं की तो शव के साथ ही अनिश्चितकालीन धरना शुरू होगा।

यहां बता दें कि सोमवार की सुबह 10 बजे जीआरपी और कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि छतरपुर रेलवे पटरी किनारे एक अधेड़ का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौका मुआयना किया तो पता चला कि सुबह 10 बजे अधेड़ पटरी पर आया था काठगोदाम से आने वाली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हुई है। पुलिस ने तलाशी लेने पर जेब से एक सुरेश प्रसाद की पर्ची निकली, लेकिन स्थाई पता नहीं मिल पाया था। शाम ढलते ही पता चला कि मृतक सुरेश प्रसाद मूलरूप से देवरिया के रहने वाले है और वर्तमान में आदर्श इंदिरा कॉलोनी में परिवार के साथ रहते हैं।

उन्होंने बताया कि मृतक सिडकुल की बजाज कंपनी में अपने बेटे के साथ काम करता था। इस दौरान कंपनी प्रबंधन पर अमानवीय व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए परिजनों और समाजसेवी सुशील गाबा में काफी आक्रोश था। मंगलवार की सुबह पोस्टमार्टम होने के बाद गुस्साए श्रमिक शव एंबुलेंस में डालकर सिडकुल कंपनी गेट पहुंचे और नारेबाजी कर हंगामा काटना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल और समाजसेवी सुशील गाबा ने भी अपना समर्थन दिया और जैसे ही दोनों नेताओं को सिक्योरिटी गार्ड ने प्रवेश देने से मना किया तो गुस्साए लोगों ने गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। मुआवजा और बेटे को स्थाई नौकरी का मुद्दा उठाया। सूचना मिलने पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया।

कंपनी गेट पर धरना देते राजकुमार ठुकराल, गाबा व श्रमिक। ● अमृत विचार

गेट पर शव लेकर खड़ी एंबुलेंस। ● अमृत विचार

चार घंटे हंगामे के बाद मामला निपटा

रुद्रपुर : पूर्व विधायक, समाजसेवी और श्रमिक संगठनों के हंगामे के बाद आखिरकार कंपनी प्रबंधन ने मृतक के बेटे इंद्रजीत और भाई सुदर्शन प्रसाद को बुलाया। जिसके साथ यूनियन के अध्यक्ष दिनेश तिवारी भी थे। चार घंटे के हंगामे के बाद निर्णय लिया गया कि मृतक के अंतिम संस्कार के लिए तत्काल 20 हजार की मदद की जाएगी। साथ ही बेटे की स्थाई नौकरी पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। जब नेताओं ने समझौते पर हामी भरी तो धरना प्रदर्शन समाप्त हुआ और पुलिस व कंपनी प्रबंधन ने भी राहत की सांस ली।

कंपनियों में हो रहा खुलेआम दोहन : ठुकराल

रुद्रपुर : पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि जिस कंपनी पर अमानवीय व्यवहार का आरोप लग रहा है। उसी कंपनी के चार मजदूर अपनी जान गंवा चुके हैं। कारण सुरेश प्रसाद की मौत की खबर कंपनी प्रबंधन को दोपहर 12 बजे हो चुकी थी, लेकिन उसी कंपनी में कार्यरत मृतक के बेटे को शाम चार बजे सूचना दी गई। इससे साफ है कि कंपनी प्रबंधन मौत होने के बाद भी गंभीर नहीं थी और धामी सरकार में अफसरशाही और पूंजीपतियों की मनमानी चल रही है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हर सजा भुगतने को मैं था तैयार: गाबा

रुद्रपुर : अधेड़ की मौत की सूचना मिलने से लेकर मुआवजे का मुद्दा उठाने तक समाजसेवी सुशील गाबा पीड़ित परिवार के साथ खड़े हुए थे। सोशल मीडिया पर गाबा ने कहा कि वह जेल जाने और लाठी खाने को तैयार था और हर सजा भुगतने को वह तैयार थे, लेकिन समझौते से पीड़ित परिवार संतुष्ट है। जिसके बाद गाबा ने 20 हजार रुपये का सेल्फ चेक काटकर पीड़ित परिवार को दिया और आगाह किया कि यदि कंपनी प्रबंधन ने वादा खिलाफी की तो फिर कंपनी प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा और न्याय की लड़ाई को लड़ा जाएगा।

पीठ में कांटे चुभोकर चरखे पर झूले संन्यासी

- चड़क पूजा में दिखा आस्था और साहस का अद्भुत संगम
- रोंगटे खड़े कर देने वाले करतबों के बीच गूंजे 'हर-हर महादेव' के जयकारे

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार: पवित्र चैत्र माह के अंतिम दिन सुरेंद्रनगर तारकेश्वर धाम और बैकुंठपुर शिवालय में आयोजित चड़क पूजा में आस्था, तप और साहस का अनूठा संगम देखने को मिला। संन्यासियों ने अपनी कठोर साधना और अटूट भक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया कि हर कोई हैरत में पड़ गया।

मंगलवार को आयोजित इस विशेष अनुष्ठान में पश्चिम बंगाल से आई नौ सदस्यीय टीम ने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न कराई। इसके बाद मुख्य चड़क बाबा रतन नंदी महाराज के नेतृत्व में संन्यासियों ने एक से बढ़कर एक लोमहर्षक करतब प्रस्तुत किए। संन्यासियों ने अपनी पीठ में लोहे के कांटे चुभोकर करीब 25 फीट ऊंचे खंभे पर बनी लकड़ी की चरखी से खुद को लटकाया और हवा में झूलते हुए अद्भुत साहस का प्रदर्शन किया। इसके अलावा नाभि, जीभ और भुजाओं में त्रिशूल भेदकर भी उन्होंने अपनी तपस्या का परिचय दिया। इन दृश्यों को देखकर शिव भक्तों की सांसें थम गईं, वहीं 'हर-हर महादेव' के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। पूरे आयोजन के दौरान ढाक की गूंजती धुनों और शिवभक्ति से सराबोर माहौल ने मंदिर परिसर को पूरी तरह शिवमय बना दिया। संन्यासियों के हर करतब पर श्रद्धालु रोमांचित होते रहे और देर तक जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। इस अवसर पर चेयरमैन सुमित मंडल, भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, पालिकाध्यक्ष सितारगंज सुखदेव सिंह, ब्लॉक प्रमुख उपकार बल, पूर्व चेयरमैन अजय जायसवाल, ग्राम प्रधान सुमन हालदार, पूजा कमेटी अध्यक्ष देवाशीष पोद्दार आदि मौजूद रहे।

चड़क पूजा का महत्व

शक्तिफार्म : चड़क पूजा भगवान शिव की आराधना से जुड़ी एक प्राचीन परंपरा है, जो विशेष रूप से बंगाली समुदाय में प्रचलित है। यह पूजा चैत्र माह के अंतिम दिन आयोजित होती है और इसे तप, त्याग व अटूट श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान संन्यासी कठोर साधना कर भगवान शिव को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं, जिससे उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

बसगर में अज्ञात कारणों से लगी आग

- पोल्ट्री फार्म और गेहूं की फसल जलकर राख

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : ग्राम सभा बसगर में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई, जिससे भारी नुकसान हुआ। आग की चपेट में आने से जसविंदर सिंह का पोल्ट्री फार्म जलकर राख हो गया, जबकि गुरदीप सिंह की लगभग पौन एकड़ खड़ी गेहूं की फसल भी जलकर नष्ट हो गई।

घटना के समय पास में काम कर रहे मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और ट्रैक्टर से आसपास के खेत में जुताई कर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। समय रहते आग पर काबू पा लेने से आसपास के खेतों को बड़ी क्षति होने से बचा लिया गया। ग्रामीणों के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। घटना की सूचना ग्राम प्रधान महेंद्र सिंह द्वारा राजस्व विभाग को दे दी गई है। प्रशासन से नुकसान का आकलन कर पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

अग्निकांड से जलकर राख हुआ पोल्ट्री फार्म। ● अमृत विचार

अलक्ष्या में एनसीसी के लिए 24 कैडेट्स चयनित

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: 78 यूके बटालियन एनसीसी हल्द्वानी की ओर से अलक्ष्या पब्लिक स्कूल में आर्मी विंग जूनियर डिवीजन के लिए भर्ती प्रक्रिया का आयोजन किया गया। जिसमें 24 कैडेट्स का चयन एनसीसी आर्मी विंग जूनियर डिवीजन के लिए हुआ। भर्ती प्रक्रिया बटालियन के हवलदार भरत कुमार रोका, हरीश चन्द्र, सेकेंड ऑफिसर दिनेश चन्द्र चिल्कोटी, डीआई जगदीश सामंत की देखरेख में हुई। भर्ती प्रक्रिया में दौड़, पुश अप, चिन अप, सटल रेस व मेडिकल के बाद लिखित परीक्षा का आयोजन हुआ जिसमें कुल 47 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय की उपाध्यक्षा जया चुफाल गोस्वामी, सह-प्रबंध निदेशक प्राजेश गोस्वामी, प्रबंधक विनोद बोहरा, प्रधानाचार्य अजय बोहरा, उप प्रधानाचार्य विनोद चंद आदि ने बधाई दी।

इधर सिटी कॉन्वेंट स्कूल में 78 यूके बटालियन एनसीसी यूनिट, हल्द्वानी के तत्वावधान में जूनियर डिवीजन आर्मी एनसीसी भर्ती आयोजित हुई। जिसमें आर्मी एनसीसी के सूबेदार मातबर सिंह, हवलदार भरत रोका की देखरेख में कुल 105 विद्यार्थियों में से 25 विद्यार्थियों का चयन किया गया। एनसीसी पीआई स्टाफ का प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एजुकेशनल डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, प्रधानाचार्य शुभ्रा सक्सेना ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आर्मी एनसीसी के एएनओ लेफ्टिनेंट प्रकाश सिंह बिष्ट, सेकंड ऑफिसर नीता उपाध्याय, पीआई सूबेदार महिमन सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

खटीमा के अलक्ष्या पब्लिक स्कूल में चयन प्रक्रिया में उपस्थित अधिकारी और बच्चे। ● अमृत विचार

आस्था

विधायक अरोरा भी हुए यात्रा में शामिल, राधा गोविंद मंदिर में आज से 19 अप्रैल तक चलेगा महानाम संकीर्तन

अखंड महानाम संकीर्तन से पूर्व निकली भव्य कलश यात्रा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: ट्रांजिट कैंप श्री राधा गोविंद मंदिर में 15 से 19 अप्रैल तक श्री श्री अखंड सार्वजनिक महानाम संकीर्तन आयोजित होगा। इससे पूर्व ट्रांजिट कैंप बाजार में भव्य दिव्य कलश यात्रा का आयोजन हुआ। इस दौरान विधायक शिव अरोरा हजारों भक्तों संग पैदल कृष्ण नाम की धुन पर झूमते हुए यात्रा में शामिल हुए।

मंगलवार को कलश यात्रा के दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि उनका प्रतिवर्ष राधा गोविंद मंदिर में आना होता है। कृष्ण भक्ति पर आधारित यह संकीर्तन बंगाली समुदाय में बहुत पवित्र व दिव्या माना जाता है। जिसकी आस्था को देखते हुए बहुत दूर दराज से लोग कीर्तन का श्रवण करने आते हैं। बंगाली महासभा अध्यक्ष राजकुमार साह ने बताया कि राधा गोविंद मंदिर में प्रतिवर्ष बड़े स्तर पर अखंड नाम कीर्तन आयोजित होता है। इसमें राजस्थान, आनंद खेड़ा, ओडिशा, महाराष्ट्र, लखीमपुर खीरी, मलकानगिरी अखंड नाम संप्रदाय की टीम शामिल होगी जो मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगी। इस अवसर पर बंगाली समिति अध्यक्ष दिलीप अधिकारी, मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, जगदीश कर्मकार, कमेटी अध्यक्ष पिंटू राय, सचिव शुभम कर्मकार, केना मंडल, कृष्णापद विश्वास, परितोष सरकार, अमित सरकार, बाबू सरदार, परिमल राय, अमलेंदु ढाली, शंकर विश्वास, सुबीर दास, सूरज दास, अंकित दास, शुभम मंडल, संजीव मंडल, विश्वजीत मंडल, विप्लव हलदार, गुड्डू सरकार, राजेश सरकार आदि मौजूद रहे।

कलश यात्रा में शामिल विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

डॉ. आंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालतीं डॉ. अल्का गोयल। ● अमृत विचार

स्वयंसेवकों ने किया नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत

रुद्रपुर : सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस इकाई और डॉ. आंबेडकर चेयर के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भीमराव आंबेडकर को पुष्प अर्पित कर की गई। जिसके बाद उनके जीवन, उपलब्धियों और भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा एनएसएस स्वयंसेवकों ने एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें जातिगत भेदभाव और सामाजिक अन्याय जैसे मुद्दों को प्रभावी ढंग से उजागर किया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डॉ. अल्का गोयल ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संध्या रानी ने कहा कि ऐसी गतिविधियां न केवल सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाती हैं, बल्कि युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना का विकास भी करती हैं।

ब्रीफ न्यूज

22 अप्रैल से शुरू होगी चेस प्रतियोगिता

किच्छा : भारतीयम इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में आगामी 22 अप्रैल से ' 'द्वितीय धीरज सिंह रघुवंशी मेमोरियल फिडे रेटेड ओपन चेस प्रतियोगिता' ' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। देवभूमि चेस एसोसिएशन के महासचिव संजीव चौधरी ने बताया कि 26 अप्रैल तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में देश-विदेश के ग्रैंडमास्टर और इंटरनेशनल मास्टर सहित विभिन्न वर्गों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के दौरान कुल नौ राउंड खेले जाएंगे, जिसमें विजेता खिलाड़ियों को साढ़े बारह लाख रुपये के नकद पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। एसोसिएशन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस अवसर पर संस्था की कोषाध्यक्ष डॉ. सीमा सिंह, अवि सिंह, पवन कुमार और आर्यन सिंह भी मौजूद रहे।

मेहंदी प्रतियोगिता में मुसर्रत अली प्रथम

सितारगंज : राजकीय पीजी महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में सोमवार को एक भव्य मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. रेनू रानी बंसल ने किया। इस प्रतियोगिता में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकायों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में शानदार कलाकृति उकेरते हुए मुसर्रत अली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, रिया कुमारी द्वितीय और फलक नूर तृतीय स्थान पर रहीं। डॉ. गरिमा जोशी, डॉ. दीपा मौखलिया एवं डॉ. सोनी ने निर्णायक की भूमिका निभाई, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. प्रज्ञा सिन्हा द्वारा किया गया। इस आयोजन ने छात्राओं के कौशल और कलात्मक क्षमता को सराहनीय मंच प्रदान किया।

14 नशीले इंजेक्शनों के साथ युवक गिरफ्तार

किच्छा : कोतवाली पुलिस ने ' 'ऑपरेशन प्रहार' ' के तहत नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शनों के साथ दबोचा है। उप निरीक्षक मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वार्ड नंबर-6 निवासी अजय कुमार को पुरानी गल्ला मंडी के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से एविल के 8 और डायज़पाम के 6 (कुल 14) इंजेक्शन बरामद हुए हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह दानू ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस अब नशे के इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

युवक का शव पेड़ से लटका मिला

खटीमा : मोहम्मदपुर भुड़िया के एक युवक का शव परवीन नदी के किनारे पेड़ पर लटका बरामद हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मोहम्मदपुर भुड़िया निवासी मनोज सिंह राणा (23) रविवार को रिश्तेदारी में टेढ़ाघाट गया हुआ था। बताते हैं कि सोमवार को वह टेढ़ाघाट से घर लौट गया था लेकिन घर नहीं पहुंच। बाद में ढूंढखोज करने पर उसका शव परवीन नदी के किनारे एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। मृतक अविवाहित था।

गेहूं के ढेर में आग लगने से हजारों का नुकसान

खटीमा : गांव बग्गा चौवन में आज शाम विद्युत लाइन में हुए शॉर्ट सर्किट से बग्गा चौवन भुड़िया लेन निवासी प्रवीण सिंह बिष्ट की गहाई के लिए एकत्र की गई गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

खालसा मेरो रूप खास, खालसे में ही करूं निवास

100 लोगों को पंज प्यारों ने कराया अमृत पान, गुरु की महिमा का बखान कर संगत को निहाल किया

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: खालसा पंथ के स्थापना दिवस एवं बैशाखी पर्व श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया। दो दिवसीय सजाए गए धार्मिक दीवान में देश के कोनों - कोनों से आए जत्थेदार कथावाचकों, ढांढी जत्थो व कविश्वरो ने खालसा पंथ की स्थापना और गुरु की महिमा का बखान कर संगत को निहाल किया। इस दौरान पंज प्यारों ने 100 लोगों को अमृत पान कराया। दो दिन से गुरु का अटूट लंगर चलता रहा।

मंगलवार को गुरुद्वारा माता साहिब कौर में दो दिवसीय सजाए धार्मिक दीवान के अंतिम दिन पंजाब से आए कविश्रर जत्था भाई लखबीर सिंह मस्त ने खालसा पंथ की स्थापना और गुरु की महिमा का बखान किया। नानपुरी टांडा से आए कथावाचक ज्ञानी हरदीप सिंह व पंजाब से आए ढाढी जत्था भाई बलवीर सिंह ने बैसाखी पर्व मनाने और इतिहास का बखान किया। जत्थेदार बाबा गुरदेव सिंह ने कहा सिख धर्म ही ऐसा धर्म है जो गुरु के बताए मार्ग का अनुकरण करते हुए समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं करता है। उन्होंने कहा सच्चा सिख वही है जो गुरु के बताए मार्ग पर चलते हुए समाज के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तैयार रहता है। इस दौरान नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा गुरबाणी का पाठ अपने कंठ से सुनाया। बच्चों को बाबा गुरदेव सिंह द्वारा सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ बलवंत सिंह ने किया। इस मौके पर ननकपुरी टांडा से आए जत्थेदार बाबा गुरजंट सिंह, भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, नपं अध्यक्ष मनजीत कौर, पूर्व अध्यक्ष कावल सिंह विर्क, युवा किसान नेता बलविंदर साहू, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग, जिपं पूर्व उपाध्यक्ष त्रिनाथ विश्वास, विहिप जिलाध्यक्ष रविंद्रपाल सिंह, आप नेता सुभाष व्यापारी, कांग्रेस नेता जगदीप सिंह विर्क, समाजसेवी तरुण कुमार सिंह, हरजीत सिंह विर्क, बलकार सिंह संधू, जसवीर सिंह गोराया, विशंभर लाल मिगलानी, अशोक चावला, अनिल सिंह, गगनदीप सिंह रंधावा, प्रबंधक सत्येंद्र सिंह मान, केके गावा, अशोक कालड़ा, गुरजीत सिंह उर्फ बब्बू, सर्वजीत सिंह संधू, कुलवंत सिंह गुराया, भगवत सिंह विर्क, करन सिंह रंधावा, दलबीर सिंह गुराया, धर्म सिंह कोहली, बलविंदर सिंह संधू आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर में गुरु की महिमा का बखान करते कविश्रर जत्था भाई लखबीर सिंह मस्त।

गुरुद्वारा माता साहिब कौर में बच्चों को सम्मानित करते बाबा गुरदेव सिंह।

बैसाखी पर नानकमत्ता गुरुद्वारे में उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

नानकमत्ता गुरुद्वारे में बैसाखी का पर्व मनाया

नानकमत्ता : नानकमत्ता गुरुद्वारे में बैसाखी का पावन पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दूरदराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में संगत पहुंची। गुरुद्वारे में सुबह से ही गुरबाणी कीर्तन और अरदास का दौर चला। इस पावन पर्व पर अमृत संचार का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अमृत छका और गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। गुरुद्वारा परिसर में गुरु का अटूट लंगर भी बरताया गया, जिसमें संगत ने प्रसाद ग्रहण किया। बैसाखी पर्व पर गुरुद्वारा प्रबंधन द्वारा विशेष दीवान सजाए गए। दिनभर संगत का आना-जाना लगा रहा। श्रऋद्धालुओं ने मत्था टेका और सरोवर में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

श्रद्धा के साथ निकाला खालसा चेतना मार्च

सितारगंज में खालसा चेतना मार्च की अगुवाई करते पंज प्यारे। ● अमृत विचार

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार: खालसा साजना दिवस (बैसाखी) के उपलक्ष्य में मंगलवार को गुरुद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा से गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब तक 20वां महान खालसा चेतना मार्च धूमधाम से निकाला गया। श्री गुरुग्रंथ साहिब की छत्रछाया और पंज प्यारों की अगुवाई में शुरू हुए इस नगर कीर्तन का मार्ग में जगह-जगह भव्य स्वागत हुआ।

सिख संगत सेवा सोसायटी द्वारा आयोजित इस 13 किमी लंबे मार्च में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मार्ग में महिलाएं सेवा भाव से झाड़ू लगाकर सफाई कर रही थीं, वहीं संगत द्वारा पुष्पवर्षा और प्रसाद वितरण किया गया। आकर्षण का केंद्र रहे बैगपाइपर बैंड और गतका पार्टी के हैरतअंगेज करतबों ने सभी का मन मोह लिया।

नानकमत्ता साहिब पहुंचने पर गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी की ओर से अध्यक्ष जोगिंदर सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह, सचिव हरभजन सिंह, डायरेक्टर गुरवंत सिंह सोनी, प्रबंध रणजीत सिंह, सुखवंत सिंह भुल्लर, रणजीत सिंह राणा ने खालसा चेतना यात्रा का स्वागत कर पंच प्यारों को सिरोंपा भेंट किया। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, बलविंदर सिंह औलख नरेन्द्र सिंह बमराह, नवतेज पाल सिंह, गुरसेवक सिंह मोहार, राजेश शैली, मक्खन सिंह, कुलविंदर सिंह, गुरतेज सिंह, राजेंद्र सिंह राजू, बलजिंदर सिंह, अंशु अरोरा, रणजीत सिंह संधू, अशोक गौतम, राजेश मित्तल आदि मौजूद रहे।

रागी जत्थों ने गुरुवाणी से किया संगत को निहाल

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: गुरुद्वारा सिंघ सभा बाजपुर के तत्वावधान में खालसा पंथ के सृजना दिवस (बैसाखी) के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक समागम आयोजित किया गया। मंगलवार को अखंड पाठ के भोग के उपरांत गुरु रामदास दीवान हॉल में सजे दीवान में देश के प्रसिद्ध रागी जत्थों ने गुरुवाणी कीर्तन और कथा के माध्यम से संगत को निहाल किया।

दरबार साहिब अमृतसर के हजूरी रागी भाई नवनीत सिंह ने गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की महिमा का बखान करते हुए उन्हें ' 'राजन के राजा' ' बताया। वहीं, पंजाब से आए भाई गज्जन सिंह गड़गज के ढाडी जत्थे ने सन् 1699 की बैशाखी और पंज प्यारों की स्थापना के गौरवशाली इतिहास का वर्णन किया। समागम में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और किसान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लो को कमेटी द्वारा सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया।

नई कार्यकारिणी की घोषणा: समागम के दौरान सर्व प्रदेश गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लो ने आगामी एक वर्ष के लिए कुलविंदर सिंह किंदा को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बाजपुर का अध्यक्ष नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा, जिसे संगत ने जयकारों के साथ स्वीकार किया। नई कार्यकारिणी में हरजिंदर सिंह व मंगा सिंह को उपाध्यक्ष, अवतार सिंह सैनी को महासचिव और डॉ. रतन सिंह को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम का संचालन जगजीत सिंह बाजवा ने किया, जिसके पश्चात गुरु का अटूट लंगर बरताया गया।

भाई नवनीत सिंह के रागी जत्थे को सम्मानित करते गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के संरक्षक।

158 श्रद्धालुओं ने किया अमृत पान

बाजपुर : शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर के तत्वावधान में आयोजित अमृत संचार कार्यक्रम में 158 श्रद्धालुओं ने अमृत पान कर गुरु वाले बनने का संकल्प लिया। इस दौरान सभी अमृतधारी श्रद्धालुओं को एसजीपीसी की ओर से ककार (पंच ककार) भी उपलब्ध कराए गए। एसजीपीसी के प्रचारक भाई मंजीत सिंह ने बताया कि अमृत पान करने वालों में महिलाओं की संख्या विशेष रूप से अधिक रही, वहीं बच्चों में भी अमृत धारण करने को लेकर अच्छा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर गुरुद्वारा सिंह सभा, बाजपुर के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा ने कहा कि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को एसजीपीसी का पूरा सहयोग मिल रहा है और समय-समय पर अमृत पान कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

पीएम का महापौर ने किया स्वागत

संवाददाता, देहरादून/काशीपुर

अमृत विचार: देहरादून में आज आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर प्रदेश भर के जनप्रतिनिधियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर काशीपुर के महापौर दीपक बाली भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

कार्यक्रम का आयोजन देहरादून स्थित जीटीसी ग्राउंड में किया गया, जहां बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन समारोह में भाग लिया, जिसे उत्तराखंड के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम के उपरांत उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ काशीपुर महापौर दीपक बाली ने प्रधानमंत्री को औपचारिक रूप से विदाई दी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिल्ली के लिए रवाना किया गया। महापौर दीपक बाली ने इस अवसर को उत्तराखंड के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राज्य में विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। कार्यक्रम में प्रदेश के कई वरिष्ठ नेता, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे, जिससे पूरा माहौल उत्साह और ऊर्जा से भर गया।

पीएम मोदी का अभिवादन करते महापौर दीपक बाली। ● अमृत विचार

अधिकारियों को अप्रैल अंत तक का अल्टीमेटम

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: विधायक तिलक राज बेहड़ ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने आदित्य चौक से दीनदयाल चौक तक सड़क चौड़ीकरण के प्रथम चरण के कार्यों पर विशेष जोर दिया।

विधायक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण से पहले पानी की पाइपलाइन और विद्युत पोल शिफ्टिंग का काम अप्रैल माह के अंत तक पूरा कर लिया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को जल्द डीपीआर तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए, ताकि दूसरे चरण में सड़क के बीच डिवाइडर, लाइटिंग और सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू हो सके। इसके अलावा, बेहड़ ने यूएसडीडीए जल योजना के अधिकारियों को हिदायत दी कि पाइपलाइन बिछाने के बाद बस्तियों में तुरंत गुणवत्तापूर्ण सीसी सड़कों का निर्माण कराया जाए ताकि जनता को परेशानी न हो। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गजेंद्र सिंह, विद्युत विभाग अधिशासी अभियंता संजय कुमार तिवारी, लोक निर्माण विभाग सहायक अभियंता विनोद चंद्र सनवाल, अपर सहायक अभियंता प्रकाश पंत, जल संस्थान के सहायक अभियंता कृष्णा उद्यान, यूएसडीडीए से सहायक अभियंता पवन टोलिया, दिनेश चंद्र गुरुरानी आदि मौजूद रहे।

हादसे में बाइक सवार लहूलुहान

बाजपुर: सुल्तानपुर पट्टी क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जबकि चालक ट्रैक्टर सहित मौके से फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांधी नगर निवासी कृष्णा चंद्रा ने पुलिस को बताया कि 10 अप्रैल की रात करीब 9:00 बजे उनका भाई कमल, जो गुलजारपुर स्थित स्टोन क्रशर में इलेक्ट्रिशियन है, काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान सुल्तानपुर पट्टी स्थित पब्लिक अस्पताल के पास बाजपुर की ओर से आ रहे एक बिना नंबर वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली ने गलत साइड में जाकर बाइक को टक्कर मार दी।

शोभायात्रा के दौरान पलटा ट्रैक्टर, किशोर की मौत

- ट्रैक्टर पर बैठे तीन अन्य युवक भी गंभीर रूप से हुए घायल

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: भीमराव आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही एक शोभायात्रा के दौरान कुंडेश्वरी क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हो गया। रैली में शामिल एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर नहर में पलट गया, जिससे 17 वर्षीय एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रशांत (फाइल फोटो)।

क्षेत्रवासियों के मुताबिक कार्यक्रम स्थल हरि नगर से लगभग एक किमी पहले ग्राम ढकिया नंबर-एक बाग के पास शोभायात्रा में शामिल एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। बताया जा रहा इस दौरान ट्रैक्टर पर गांव के ही चार-पांच युवक सवार थे। ट्रैक्टर पलटने से प्रशांत (17) पुत्र योगेश सिंह निवासी ग्राम ढकिया कला शिवनगर ट्रैक्टर के नीचे दब गया। जबकि सौरभ (17), विशाल (20) व वंश (15) ट्रैक्टर पलटने से गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं हादसे से लोगों में चीख-पुकार मच गयी। लोगों ने ट्रैक्टर के नीचे दबे प्रशांत को बमुश्किल बाहर निकाला। बताया जा रहा है उसका सिर बुरी तरह से कुचल गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी। उधर सूचना पर पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। एसडीएम अभय प्रताप सिंह, तहसीलदार पंकज चंदोला, कोतवाली प्रभारी हरेंद्र चौधरी व कुंडेश्वरी चौकी प्रभारी मनोज सिंह धौनी पुलिस बल के साथ पहुंच गए और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। साथ ही घायलों को एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल भिजवाया। जहां से दो युवक विशाल व वंश को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उधर परिजनों के मुताबिक मृतक प्रशांत तीन भाई और एक बहन में छोटा था। वह ट्रैक्टर मैकेनिक का काम सीख रहा था। जबकि उसका बड़ा भाई भोलू ट्रैक्टर मैकेनिक है। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया।

काशीपुर में ट्रैक्टर के पलटने के बाद लगी भीड़। ● अमृत विचार

खुलासा ईंटरार्क फैक्ट्री कर्मचारी की मौत और शव को ठिकाने लगाने का खुलासा, सीसीटीवी से खुला राज

हादसे के बाद शव नाले में फेंकने का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: कोतवाली पुलिस ने चार दिन पूर्व ईंटरार्क फैक्ट्री के कर्मचारी का कटा हाथ मिलने और बाद में नाले से शव बरामद होने की रूह कंपा देने वाली घटना का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि यह कोई सुनियोजित हत्या नहीं, बल्कि एक सड़क हादसा था, जिसे छिपाने के लिए आरोपियों ने इंसानियत को ताक पर रख कर शव को ठिकाने लगा दिया था।

रामवीर सिंह (फाइल)।

पुलिस के अनुसार, 8 अप्रैल की रात करीब 10:30 बजे बिजनौर निवासी रामवीर सिंह ड्यूटी खत्म कर घर जाने के लिए फैक्ट्री के बाहर खड़े थे। इसी दौरान बरेली निवासी चांद शाह ने अपनी तेज रफ्तार भूसा लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से उन्हें रौंद दिया। हादसे में रामवीर की मौके पर ही मौत हो गई। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए आरोपी ने अपने साढू बबलू हाजी और दामाद शाहिद अली को मौके पर बुलाया। तीनों ने मिलकर रामवीर के शव को कार की डिग्गी में डाला और घटनास्थल से एक किलोमीटर दूर पनचक्की मार्ग स्थित एक नाले में फेंक दिया।

घटना का खुलासा तब हुआ जब 10 अप्रैल को पुलिस को हाईवे किनारे एक कटा हुआ हाथ मिला। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पुलिस को भूसे से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक संदिग्ध कार दिखाई दी। एसएसपी के निर्देश पर गठित टीम ने ट्रैक्टर की पहचान कर मुख्य आरोपी चांद शाह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए पूरी साजिश का खुलासा किया।

किच्छा पुलिस की गिरफ्त में मुख्य आरोपी चांद शाह। ● अमृत विचार

इंसानियत हुई शर्मसार

सीओ भूपेंद्र सिंह धोनी ने बताया कि यदि आरोपी घायल रामवीर को अस्पताल ले जाते, तो शायद उनकी जान बच सकती थी। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 105 और 3(5) के तहत मुकदमा तरमीम कर दिया है। मुख्य आरोपी जेल भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपी बबलू हाजी और शाहिद अली की तलाश में दबिश दी जा रही है। इस खुलासे के बाद क्षेत्र में चर्चा है कि कैसे पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने मानवता को शर्मसार कर दिया।

सेवानिवृत्त 11 शिक्षकों को दी विदाई

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में एक भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें 11 सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों को विदाई दी गई।

ब्लॉक संसाधन केंद्र कार्यक्रम में एसोसिएशन ब्लॉक अध्यक्ष कमान सिंह सामंत की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में जिला मुख्य शिक्षा अधिकारी हरेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि शिक्षक समाज निर्माण की आधारशिला होते हैं और उनके अनुभव व योगदान सदैव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। समारोह में शिक्षा जगत को वर्षों तक अपनी सेवाएं प्रदान करने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित कर उनके योगदान को नमन किया गया।

सेवानिवृत्त होने वालों में हरीश कनवाल, श्रीकांत, पुष्पा खड़ायत, लक्ष्मी पोखरिया, पूर्णिमा गुप्ता, राजेंद्री देवी, जसवंत सिंह, बलवंत पोखरिया, अशोक कुमार, लालजी राम और केशव दत्त भट्ट शामिल रहे। शाखा अध्यक्ष सामंत ने सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों के स्वस्थ, सुखमय और सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी भानु प्रताप कुशवाहा, सुरेश शर्मा, छविराज सिंह, जितेंद्र यादव, महेश रौतेला, याकूब अली, राजेश जोशी, राम अंचल यादव, अर्जुन खोलिया, राकेश राणा, मुकेश राणा, दीप्ति नेगी, गौरी शंकर, हरीश जोशी, नवीन राणा, पूरन बिष्ट, रमेश रावत, सुरेंद्र सिंह, रघुवर भाटिया आदि उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षकों को विदाई देते जिला शिक्षा अधिकारी हरेंद्र कुमार मिश्रा व अन्य।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 15 अप्रैल 2026

जिले भर में धूमधाम से मनाई डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती

कई जगह आयोजित हुए कार्यक्रम, काशीपुर में निकाली गई शोभायात्रा, प्रतियोगिता के विजेताओं को सर्टिफिकेट व स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: डॉ. आंबेडकर स्मारक ट्रस्ट सोसाइटी द्वारा आंबेडकर भवन टांडा उज्जैन में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख चंद्रप्रभा व विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा व ट्रस्ट के अध्यक्ष व संस्थापक जोईल मसीह ने डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया और कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मंगलवार को कार्यक्रम में दर्जनों विद्यालयों की छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और नाटक, भाषण प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट व स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया और शिक्षण सामग्री बांटी गई। विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड रत्न से सम्मानित वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने अपना पूरा जीवन मानवीय भलाई में न्योछावर कर दिया, उनका मानना था कि दलित, जाति या धर्म से नहीं होता बल्कि देश का हर वह नागरिक दलित है जो आर्थिक, शैक्षिक, सामाजिक व राजनीतिक रूप से पिछड़ा हुआ हो।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष व संस्थापक जोईल मसीह ने मिशन द्वारा संचालित सिलाई कढ़ाई केंद्रों की छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र भेंट किया। वहां पर शमसुद्दीन, भास्कर त्यागी एडवोकेट, मो. अशरफ एडवोकेट, विजय कुमार बॉबी, अरुण चौहान आदि मौजूद रहे। उधर कुंडेश्वरी में अंबेडकर पार्क में डॉ. भीमराव अंबेडकर कल्याण समिति की ओर बाबा साहब की प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर अंबेडकर जयंती मनाई गई। वहां पर मुन्नू सिंह, मुकेश नमी, रामप्रसाद आदि मौजूद रहे। इधर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती को महानगर जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया। महाराणा प्रताप चौक पर भारत रत्न बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम में महानगर जिला अध्यक्ष अलका पाल, प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा, ब्रह्मपाल, विमल गुड़िया, एडवोकेट हरीश कुमार सिंह, संजय चतुर्वेदी, एडवोकेट संदीप सहगल आदि मौजूद रहे। उधर उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज में भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती पर प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता समेत शिक्षक शिक्षिकाओं व छात्रों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। वहां पर भौतिक विज्ञान प्रवक्ता बलजीत सिंह सुमेरिया, कौशलेश गुप्ता आदि मौजूद रहे। इधर काशीपुर के समस्त विद्यालयों में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसमें समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं सम्मिलित रहे।

उधर डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समाज समिति ने नगर निगम से अंबेडकर शोभा यात्रा निकाली। यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। वहां शोभायात्रा अध्यक्ष सुक्लेश कुमार आजाद, महिलाल गौतम, हरगुलाल गौतम, शंकर सिंह, जयपाल सिंह, अजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में कार्यक्रम के दौरान मौजूद अतिथि। ● अमृत विचार

किच्छा स्थित विद्यालय में जयंती मनाते लोग। ● अमृत विचार

पल्स स्कूल में बाबा साहब के आदर्शों को अपनाने का आह्वान

किच्छा : नगर स्थित पल्स पब्लिक स्कूल में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. बाबा भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई और बच्चों को मिष्ठान वितरण किया गया। इस मौके पर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य हिमानी एवं विद्यालय के प्रबंधक एम रहमान अंसारी ने बाबा साहब आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों, शिक्षक, शिक्षिकाओं ने बाबा साहेब अंबेडकर को नमन कर उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर दरक्षा सैफी, आलिया सैफी, अलीमां, हाजी रईस प्रधान, जाकिर अंसारी, सलमान आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में बाबा साहब की प्रतिमा का अनावरण करते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य।

आलापुर में बाबा साहब की प्रतिमा का भव्य अनावरण

बाजपुर : नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या चार स्थित आलापुर में डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं प्रतिमा का भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने बाबा साहब की प्रतिमा का अनावरण कर इसे जनता को समर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यशपाल आर्य ने कहा कि बाबा साहब द्वारा दिखाया गया न्याय और समानता का मार्ग आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने बताया कि विधायक निधि (वित्तीय वर्ष 2025-26) से लगभग 4.99 लाख रुपये की लागत से अंबेडकर पार्क में हॉल निर्माण और सुंदरीकरण का कार्य कराया गया है। उन्होंने जोर दिया कि यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रेरित करेगा। नगरपालिका अध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते ने भी समाज में जागरूकता और एकता के लिए बाबा साहब के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। समारोह में अतिथियों का पगड़ी और तलवार भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर एससी-एसटी शिक्षक एसोसिएशन के नेता डीआर बाराकोटी, सत्यवान गर्ग, राजबाला भारती सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डीके जोशी ने किया।

किच्छा में निकाली भव्य शोभायात्रा

किच्छा : डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जन्मोत्सव समारोह समिति के संयोजक डॉ. बृज किशोर के नेतृत्व में दरऊ चौक से शुरू हुई यह यात्रा मुख्य बाजार से होते हुए इंदिरा गांधी खेल मैदान में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि विधायक तिलक राज बेहड़ और अन्य वक्ताओं ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

सिटी ब्रीफ

गन्ने की खेती का किया जाएगा सर्वेक्षण

काशीपुर : फरवरी माह से शुरू होने वाली गन्ना बुवाई का कार्य अब पूरा होने को है। ऐसे में जल्द ही सर्वेक्षण कार्य शुरू होगा, ताकि गन्ना रकबा की सही जानकारी हो सके। गन्ना विभाग की ओर से टीमों का गठन किया जाएगा। पेराई सत्र 2026-27 के लिए गन्ना सर्वेक्षण कार्य मई से शुरू होकर जून माह के अंतिम सप्ताह तक चलेगा। इस प्रक्रिया के तहत जीपीएस तकनीक का उपयोग करके खेतों में गन्ने का सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण कार्य से गन्ना उत्पादन का सही आंकलन कर और पैराई योजना तैयार की जाएगी। सर्वेक्षण कार्य को जोन स्तर पर किया जाएगा और ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक को जिम्मेदारी जाएगी। जनसंपर्क अधिकारी नीलेश कुमार ने बताया कि बसंत कालीन गन्ना बुवाई (फरवरी-मार्च) का कार्य लगभग पूरा हो गया है। गन्ना सर्वेक्षण कार्य मई माह में शुरू होगा।

रोडवेज डिपो में लगा नया बोरवेल

काशीपुर : रोडवेज डिपो में पिछले एक सप्ताह से सबमर्सिबल मोटर खराब हो गई थी, ऐसे में पेयजल की व्यवस्था चरमरा गई थी। अब नया सबमर्सिबल बोरवेल लगाने के बाद बस अड्डे पर पेयजल की व्यवस्था सुधर गई है। बता दें कि वर्षों पुरानी मोटर पूरी तरह से खराब हो चुकी थी, इसके बाद से पेयजल संकट गहरा गया और बसों की धुलाई के अलावा पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई थी। सहायक महाप्रबंधक राजेंद्र कुमार आर्य ने बताया कि नया बोरवेल लगने के बाद पेयजल व्यवस्था सुधर गई है।

जान से मारने की धमकी के आरोप में मुकदमा

काशीपुर : कुंडेश्वरी क्षेत्र में रंजिश के चलते एक युवक और उसके साथी को कार से टक्कर मारने का प्रयास करने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। ग्राम रामनगर निवासी तरसेम सिंह ने पुलिस को बताया कि 1 अप्रैल को आरोपी सुमित, अमित, राजेश और राजू मुखर्जी एक अन्य व्यक्ति विपुल कुमार की गाड़ी का पीछा कर रहे थे। जब तरसेम अपने बेटे के साथ विपुल की मदद के लिए पहुंचे, तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से कार से टक्कर मारने की कोशिश की और डंडे लेकर पीछा किया। आरोप है कि हमलावरों ने विपुल कुमार का रास्ता रोककर गाली-गलौज की और रामपुर व काशीपुर में दर्ज पुराने मुकदमे वापस लेने का दबाव बनाया। तरसेम सिंह के अनुसार, वे विपुल की पत्नी द्वारा दर्ज कराए गए एक मामले में गवाह हैं, जिसके कारण आरोपी उनसे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मजदूर को लोहे की रॉड से पीटा, दो हिरासत में

बाजपुर : ग्राम गोबरा स्थित एक स्टोन क्रशर में मामूली कहासुनी के बाद एक मजदूर पर उसके ही साथियों ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने मजदूर को कमरे में बंद कर लोहे की रॉड और डंडों से बुरी तरह पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है। विक्रमपुर निवासी पीड़ित सतीश ने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह करीब 9 बजे रामश्याम स्टोन क्रशर में काम के दौरान उसकी एक अन्य कर्मचारी से बहस हो गई थी। आरोप है कि इसके बाद उक्त कर्मचारी ने अपने 4-5 साथियों के साथ मिलकर उसे एक कमरे में बुलाया और रॉड-डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों ने उसे किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल सतीश को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने पूछताछ के लिए दो आरोपी कर्मचारियों को कोतवाली में बैठा लिया है।

हर-हर महादेव की टीम और भाजपाइयों ने की साफ-सफाई

● महापौर विकास शर्मा ने की पार्क के सौंदर्यीकरण की घोषणा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर महापौर ने हर-हर महादेव ग्रुप की टीम और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मुख्य बाजार स्थित आंबेडकर पार्क पहुंचकर स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने बाबा साहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने अंबेडकर पार्क के कायाकल्प के लिए सौंदर्यीकरण कार्य कराने की घोषणा भी की।

मंगलवार को कार्यक्रम के दौरान महापौर ने कहा कि पार्क को भव्य रूप देने के साथ-साथ यहां बाबा साहेब की जीवनी और उनके ऐतिहासिक संघर्षों को चित्रों व शिलालेखों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके त्याग से प्रेरणा ले सकें। महापौर ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के जीवन से युवाओं को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने सदैव समाज को शिक्षित बनाने पर जोर दिया। डॉ. आंबेडकर ने दलित और वंचित वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें समाज में समान अधिकार दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के आदर्श, सिद्धांत और विचार आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हैं।

डॉ.आंबेडकर पार्क में सफाई करते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

डॉ.आंबेडकर की मूर्ति पर श्रद्धासुमन अर्पित करते विधायक शिव अरोरा।

डॉ. आंबेडकर ने शोषितों के हक की लड़ाई लड़ी

रुद्रपुर : संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर विधायक शिव अरोरा ने भाजपा कार्यकर्ताओं संग मुख्य बाजार स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने सदैव शोषितों, दलितों की आवाज को उठाने के साथ ही उनके हक की लड़ाई को लड़ा। इस अवसर पर भाजपा काशीपुर जिला प्रभारी पुष्कर सिंह काला, देवभूमि व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष गुरमीत सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, मुकेश पाल, पार्षद राजेश जग्गा, पवन राणा, धर्म सिंह कोली, सुनील वाल्मीकि, चंद्रसेन चंदा, बिट्टू चौहान, संदीप राव आदि मौजूद रहे।

जसपुर में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के दौरान विधायक एवं पालिकाध्यक्ष।

जसपुर में संविधान निर्माता को याद किया

जसपुर : नगर एवं देहात क्षेत्र में बाबा डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर बाबा साहब को याद कर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर आंबेडकर पार्क में विधायक आदेश चौहान, पालिकाध्यक्ष नौशाद सम्राट, ईओ उदयवीर सिंह, खड़क सिंह, सुरेंद्र सिंह, मो. मोहसिन, नारायण सिंह, डॉ एमपी सिंह, महेश प्रजापति ने माल्यार्पण कर याद किया। नगर पंचायत महुआडाबरा में प्रीतम सिंह, ग्राम रामनगर वन, धर्मपुर में पूर्व विधायक डा. शैलेंद्र मोहन सिंघल, डा. सुदेश, तीरथ सिंह, सनी पधान, ओमप्रकाश सिंह ने माल्यार्पण कर बाबा साहब को याद किया। साथ ही श्री साईं कॉलेज, नेहरू राइंका, बीएसवी इंका में भी बाबा साहब को याद किया। जयंती के मौके पर स्थानीय लोगों ने नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में शोभायात्रा भी निकाली।

फल-जल वितरित कर सेवा का संदेश दिया

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती खटीमा क्षेत्र में राजनैतिक, सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संविधान शिल्पी को याद किया गया।

विधायक भुवन कापड़ी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आंबेडकर जयंती यात्रा के दौरान फल और जल वितरित कर सेवा का संदेश दिया। विधायक कापड़ी ने कहा कि बाबा साहेब का संविधान हर नागरिक को समान अधिकार सुनिश्चित करता है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने न्याय और भाईचारे के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। बानूसा की सुखराम नगर कॉलोनी स्थित बुद्ध विहार में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। साथ ही जिला पंचायत निधि से निर्मित टिनशेड का भी लोकार्पण हुआ। इस दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख रणजीत सिंह नामधारी आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड क्रांति दल के कैंप कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं, नोजगे पब्लिक स्कूल (ट्विंकल) में बैसाखी और आंबेडकर जयंती पर विशेष प्रार्थना सभा, शबद-कीर्तन और गिद्दा की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। निबंध प्रतियोगिता में जसप्रीत कौर प्रथम रहीं। प्रबंधिका ट्विंकल दत्ता ने सभी को पर्व की बधाई दी।

खटीमा में आयोजित रैली में शिरकत करते विधायक कापड़ी।

जयंती पर निकाली भव्य शोभायात्रा

सितारगंज: आंबेडकर जयंती पर मंगलवार को सितारगंज में शोभायात्रा निकाली गई। बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135 वीं जयंती के अवसर पर आदर्श आंबेडकर विद्यालय समिति के प्रबंधक भीष्म नारायण की ओर से नगर में शोभा यात्रा निकाली गई। इससे पहले डॉ. आंबेडकर विद्यालय परिसर में लगी डॉ आंबेडकर प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इधर, नगर के तिरंगा चौक पर भीम आर्मी जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार के नेतृत्व में शोभा यात्रा निकाली गई। शहर में निकली शोभा यात्राओं को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू रही।

डॉ. आंबेडकर के कार्यों को किया याद

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: शांतिपुरी क्षेत्र में पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मंगलवार को धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर शांतिपुरी नंबर दो पंचायत भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्या, सैनिक संगठन अध्यक्ष लाल सिंह कोरंगा, ग्राम प्रधान कविता तिवारी एवं संयोजक शेर राम नेता आदि ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि प्रेम आर्या ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर ने अपने जीवनकाल में समाज के गरीब, पिछड़े और महिलाओं के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। इसी क्रम में क्षेत्र के आदर्श विद्यालय राजकीय इंटर कॉलेज में भी जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां प्रधानाचार्य डॉ. बी. भट्ट, कार्यक्रम अधिकारी फकीर चंद, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित किए। छात्र-छात्राओं द्वारा उनके जीवन पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान कविता तिवारी, संयोजक शेर राम नेता, सैनिक संगठन अध्यक्ष लाल सिंह कोरंगा, कैप्टन देवेंद्र सिंह कोरंगा सेनि, भोला दत्त पांडे, कैप्टन पूरन चंद्र जोशी सेनि, कल्याण सिंह भटियाणी, जसवंत सिंह कोरंगा, मोहन सिंह कोरंगा, चंचल सिंह रौतेला, नंदन सिंह बिष्ट, दीपा आनंद जोशी मौजूद रहे।

शांतिपुरी पंचायत भवन में डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते ग्रामवासी।

काशीपुर में प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी बच्चे को पुरस्कृत करते महापौर बाली।

स्वच्छता जागरूकता को लेकर कीं प्रतियोगिताएं

काशीपुर : स्वच्छता सप्ताह के तहत नगर निगम काशीपुर द्वारा स्वच्छता जागरूकता के लिए विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंगलवार को वाल्मीकि सभागार में स्कूल के बच्चों के लिए स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम एवं पोस्टर/ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 20 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों को पेंटिंग सामग्री उपलब्ध करायी गयी, जिसके माध्यम से उन्होंने स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन पर आकर्षक एवं प्रेरणादायक चित्र बनाए। कार्यक्रम में महापौर दीपक बाली ने बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त, विद्यालय स्तर पर भी नगर निगम टीम द्वारा शिक्षकों के सहयोग से स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत जीपीएस कटोरातल, सुदामा लाल राजकीय प्राथमिक विद्यालय, राजकीय प्राथमिक विद्यालय जसपुर खुर्द, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, जीयूपीएस रजपुरा रानी में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

आक्रोश बीते दिनों हाईटेंशन लाइन में शॉर्ट सर्किट से लगी थी खेतों में आग

किसानों ने नहीं होने दिया लाइन मरम्मत का काम

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: शॉर्ट सर्किट से खेत में लगी आग से 12 एकड़ फसल जलकर राख होने से गुस्साए किसानों ने मुआवजा नहीं मिलने पर हाईटेंशन लाइन पर काम नहीं करने देने की बात कही है। कहा कि जब तक पटवारी रिपोर्ट नहीं लगाता तब तक लाइन पर काम नहीं होने दिया जाएगा।

सोमवार को कुआंखेड़ा विजन वैली स्कूल के पास दो किसानों के गेहूं के खेतों में हाईटेंशन लाइन पर शॉर्ट सर्किट की वजह से भीषण आग लग गई थी। जिससे किसानों की 12 एकड़ खेत में लगी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई थी। मंगलवार सुबह पिटकुल के अधिकारी कर्मचारियों के साथ लाइन को ठीक कराने पहुंचे। लेकिन वहां पहले से मौजूद किसानों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि पहले किसानों को हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाए इसके बाद ही काम करने दिया जाएगा। वहां पहुंचे पिटकुल के ईई ने भी किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान अपने मांग पर डटे रहे। इधर भारतीय किसान यूनियन युवा के प्रदेश प्रवक्ता मनप्रीत सिंह ने मौके पर पहुंचकर किसानों को मुआवजा देने की मांग की। वहीं, पिटकुल के अधिकारियों ने पटवारी की रिपोर्ट पर मुआवजा देने की बात कही। बताया कि एसडीएम से वार्ता कर पटवारी से जल्द से जल्द रिपोर्ट देने की मांग की गई है।

काशीपुर में किसानों से वार्ता करते पिटकुल के ईई। ● अमृत विचार

गेहूं के खेत में लगी आग, बुझाई

काशीपुर : कुंडेश्वरी क्षेत्र में एक गेहूं के खेत में हाईटेंशन लाइन पर हुए शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी। आग की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गई और सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। टीम के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने पानी डालकर आग को बुझाया लिया था। हालांकि फायर कर्मियों ने भी होज पाइप से पानी डालकर आग को पूरी तरह से बुझाया।

काशीपुर में सड़कों का शिलान्यास करते महापौर दीपक बाली व अन्य।

महापौर बाली ने सड़कों का किया शिलान्यास

काशीपुर : महापौर दीपक बाली ने करोड़ों की लागत से बनने वाली सड़कों का शिलान्यास किया। महापौर दीपक बाली ने वार्ड संख्या 7 हेमपुर इस्माइल दक्षिण में 38 लाख 88 हजार की लागत से 2 सड़कों, वार्ड संख्या 6 हेमपुर इस्माइल उत्तरी में 1 करोड़ 41 लाख 36 हजार की लागत से 3 सड़कों और वार्ड संख्या 34 गिरीताल में 20 लाख 34 हजार की लागत से एक सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। इस अवसर पर महापौर बाली ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में सड़क, जल निकासी और आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से खराब सड़कों की समस्या झेल रहे लोगों को अब राहत मिलेगी। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि राहुल पैगिया, मंडल अध्यक्ष प्रीतम सिंह, पार्षद अनूप सिंह, सतीश कुमार, विजय बॉबी, शक्ति केंद्र संयोजक कमलेश कुमार, जसवीर सिंह सैनी, चौधरी समरपाल सिंह, तेज बहादुर गुप्ता, गौरव शर्मा तथा बूथ अध्यक्ष बलजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

श्री गुरु रामदास सेवा ट्रस्ट ने बांटे व्हीलचेयर

रुद्रपुर : समाज सेवा के लिए समर्पित श्री गुरु रामदास सेवा ट्रस्ट ने सांसद अजय भट्ट द्वारा प्रदत्त 26 व्हीलचेयर का वितरण शुरू कर दिया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष हरविंदर सिंह चुघ ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य बेसहारा और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों की मदद करना है। वर्तमान में 250 से अधिक सक्रिय सदस्यों वाला यह ट्रस्ट रक्तदान, निशुल्क एंबुलेंस, ऑक्सीजन सिलेंडर और दवाओं जैसी स्वास्थ्य सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध करा रहा है। इसके अलावा संस्था श्मशान सेवा और गरीब बच्चों को शिक्षा सामग्री भी वितरित करती है। रक्तदान के जरिए सैकड़ों जिंदगियां बचाने के बाद अब व्हीलचेयर वितरण की यह नई पहल जरूरतमंदों के लिए बड़ा संबल बनेगी।

नव्या यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम के लिए चयनित

खटीमा : नोजगे पब्लिक स्कूल की छात्रा नव्या सिंह का चयन यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम के लिए हुआ है जो इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित है। नव्या को विशेष प्रशिक्षण के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग देहरादून आवंटित किया गया है। जहां उन्हें अंतरिक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा। नव्या की इस सफलता पर प्रबंध निर्देशिका सुरेंद्र कौर ने उसे विद्यालय में मिठाई खिलाकर स्वागत किया। प्रधानाचार्य एचसी पंत ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए साइंस टीचर्स राकेश चंद्र जोशी, दीपा भट्ट, संजय, वीरेंद्र सिंह, राजू भट्ट, दिनेश चिलकोटी, कृपाल चंद आदि को भी बधाई दी।

डॉ. भीमराव आंबेडकर के किए गए कार्य प्रेरणा पुंज: तिवारी

जिलेभर में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब की जयंती, अल्मोड़ा में आयोजन समिति ने भव्य रैली निकाल डॉ. आंबेडकर को याद किया

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की मंगलवार को जयंती धूमधाम से से मनाई गई। इस मौके पर जिले भर के विद्यालयों और विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए। वहीं, डॉ. आंबेडकर के योगदान का बखान किया गया।

मंगलवार को नगर के मालरोड स्थित चौघानपाटा में कैप्टन सतीश चंद्र जोशी पार्क में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती समारोह समिति ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद नगर के रैमजे इंटर कॉलेज तक रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इसके बाद रैमजे सभागार में आयोजित कार्यक्रम आयोजित हुए। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक मनोज तिवारी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कहा कि आंबेडकर ने दलितों, पिछड़ों, वंचितों, शोषितों के उत्थान को किए गए कार्य प्रेरणा पुंज है। कहा कि महान व्यक्तित्व और जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लेना चाहिए। इस दौरान कलाकारों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी मनमोहक प्रस्तुतियां दी। यहां डॉ. भीम राव आंबेडकर जयंती समारोह अध्यक्ष अखिलेश टम्टा, किशन लाल, रोहन कुमार, सुनील बाराकोटी, संजय भाटिया, राजेंद्र प्रसाद, नवीन चंद्रा, रमेश लाल, पंकज कुमार कुलकोडिया, रोहित कांत, नवीन चंद्र आर्या, मुकेश कुमार, दिगपाल आर्य, नवीन चंद्र, सुभाष चंद्र, भूपाल कोहली, नरेंद्र कुमार, पंकज कुमार, राजेंद्र प्रसाद, दर्शन कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आंबेडकर की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।। ● अमृत विचार

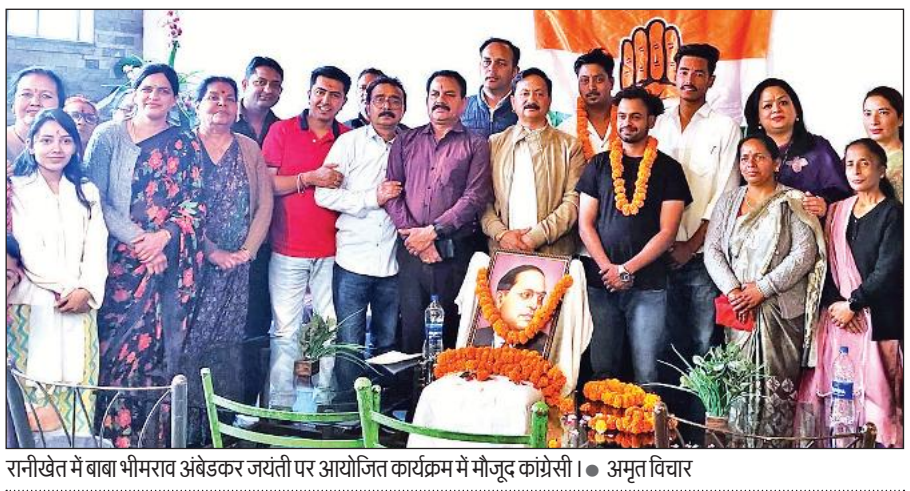

रानीखेत में बाबा भीमराव अंबेडकर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेसी। ● अमृत विचार

बाबा साहेब के नारे को आत्मसात करने की जरूरत

अल्मोड़ा : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि दलित समाज को शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के डॉ. आंबेडकर के नारे को आत्मसात करना होगा। यहां कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, विधायक मनोज तिवारी, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, पूर्व दर्जा मंत्री केवल सती, तारा चंद्र जोशी, मनोज कुमार जोशी, हेम चन्द्र तिवारी, पूरन रौतेला, भैरव गोस्वामी, वैभव पांडे, रमेश लटवाल, गोविंद मेहरा, विपुल कार्की, नारायण दत्त पांडे, विकास कुमार, तारा चंद्र साह, निर्मल रावत, गीता मेहरा, किरण आर्या, दिनेश नेगी, अक्तर हुसैन, आनंद सिंह बिष्ट, प्रताप सत्याल, दीवान धपोला, विनोद वैष्णव, शहाबुद्दीन, परितोष जोशी, जगदीश पांडे, गोपाल भट्ट, जीविका, विनीत कुमार, पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

कमलेश्वर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

अल्मोड़ा : राइंकॉ कमलेश्वर में मंगलवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान स्यूनराकोट हरीश राम ने पहाड़ी गाने के माध्यम से मद्य निषेध का संदेश दिया। वहीं, प्रधानाचार्य खजान चंद्र कांडपाल ने डॉ. अंबेडकर का जीवन हमें शिक्षा, संघर्ष और समानता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। यहां एसएमसी अध्यक्ष गीता भाकुनी, पीटीए आनन्द सिंह डंगवाल, रेणुका जोशी, ललिता रौतेला, निर्मला लोहुमी, नरेन्द्र सिंह बनकोटी, मनोज कुमार पाठक, डॉ. चन्द्र प्रकाश बिष्ट, सवित जनौटी, विशाखा रानी आदि रहे।

डॉ. आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई

बागेश्वर : भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष प्रभा गढ़िया की अध्यक्षता में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम संयोजक जगदीश प्रसाद ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने समानता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, अनुसूचित जातियों के उत्थान, महिलाओं की भागीदारी और छुआछूत जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार कर समाज के दबे-कुचले वर्गों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया। जिला अध्यक्ष प्रभा गढ़िया ने भी डॉ. आंबेडकर के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बसंती देव, जिला महामंत्री घनश्याम जोशी, संजय परिहार, अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष अरुण कुमार, प्रदेश मंत्री अल्पसंख्यक मोहीद्दीन अहमद तिवारी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा गोस्वामी, महामंत्री सुनीता टम्टा, नगर मंत्री ज्योति दीप नारायण, किशोर कुमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रानीखेत में हर्षोल्लास के साथ मनाई जयंती

रानीखेत : रानीखेत में विभिन्न संगठनों ने कार्यक्रम आयोजित कर बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी। अंबेडकर समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने संविधान बनाकर देश को नई दिशा दी। कांग्रेस कमेटी के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि करन माहरा ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम का संचालन नगराध्यक्ष उमेश भट्ट ने किया तथा युवा कांग्रेस के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष अरुण रावत सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

पुलिस की निगरानी में बंटा पेट्रोल-डीजल

- शहर के बंद पंट्रोल पंपों पर दोपहर तक आया तेल
- पेट्रोल-डीजल भरवाने को लोगों की लगी रही कतार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में मंगलवार को पुलिस के पहरे में पेट्रोल-डीजल का वितरण हुआ। इस दौरान लोगों में तेल भरवाने की होड़ मची रही। वहीं, भारी भीड़ के चलते पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

दरअसल, बीते सोमवार को नगर के पांचों पंपों में ईंधन खत्म होने से लोगों को डीजल और पेट्रोल के लिए परेशानी झेलनी पड़ी थी। दिन भर लोग तेल के लिए यहां वहां दौड़ते रहे। रात में दो पंपों में तो मंगलवार सुबह एक पंप में तेल वाहन पहुंचा। जिसके बाद तेल भरवाने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

दिन भर लोग कड़ी धूप में खड़े होकर लोग अपने-अपने वाहनों में तेल भरवाते हुए दिखे। वहीं, भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस कर्मियों की निगरानी में पंप संचालकों को लोगों को पेट्रोल-डीजल का वितरण करना पड़ा।

इस दौरान व्यवस्था संभालने में पुलिस कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इधर, शिखर तिराहा और पाण्डेखोला के एक पंप में सुधारीकरण कार्य होने से तेल नहीं मिल पाया।

अल्मोड़ा मालरोड स्थित पेट्रोल पंप में तेल भरवाने के लिए लोगों की लाइन लगी रही।

बाहरियों को सिलेंडर बेचने पर चालक को बनाया बंधक

रानीखेत : विशुवा गांव में एलपीजी सिलेंडर लेकर पहुंचे ट्रक से बाहरी उपभोक्ताओं को सिलेंडर बेचे जाने पर ग्रामीण भड़क उठे और हंगामा करते हुए ट्रक को बंधक बना लिया। ग्रामीणों के अनुसार, रानीखेत गैस सर्विस द्वारा तैयार रोस्टर के तहत गांव के लिए आए सिलेंडर नगर और आसपास से आए कुछ व्यवसायियों व लोगों को बेच दिए गए। नगर क्षेत्र के लोगों को सिलेंडर ले जाते देख ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने कलावती रिट्रीट के पास ट्रक को घेर लिया और संयुक्त मजिस्ट्रेट को सूचना दी। ग्रामीणों ने कर्मचारियों पर अभद्रता और मारपीट का आरोप लगाया। सूचना पर नायब तहसीलदार पुलिस मौके पर पहुंची। कार्रवाई के आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए।

राजेंद्र धामी ने वन्यजीव से भिड़कर बचाई दो जिंदगियां, हुए सम्मानित

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: टनकपुर-चम्पावत राष्ट्रीय राजमार्ग-09 पर गुलदार से भिड़कर दो लोगों की जान बचाने वाले टनकपुर पूर्णागिरि टैक्सी यूनियन के उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह धामी को जिलाधिकारी मनीष कुमार ने सम्मानित किया।

25 सितंबर 2023 को ग्राम जौलपुर धाम निवासी पूरन तिवारी और पान सिंह दोपहिया वाहन से घर लौट रहे थे। इसी दौरान आठवीं मील के पास अचानक गुलदार ने उन पर हमला कर दिया। हमले में दोनों सड़क पर गिर पड़े और गुलदार पूरन तिवारी को झाड़ियों की ओर घसीटने लगा। तभी ग्राम ज्ञानखेड़ा निवासी राजेंद्र सिंह धामी ने साहस दिखाते हुए वाहन रोककर गुलदार का सामना किया और उसे खदेड़ दिया। इसके बाद उन्होंने दोनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अपने निजी वाहन से उप जिला चिकित्सालय टनकपुर पहुंचाया, जिससे समय पर उपचार मिलने से उनकी जान बच सकी।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने धामी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए उनके साहस को प्रेरणादायक बताया।

राजेन्द्र सिंह धामी को सम्मानित करते जिलाधिकारी मनीष कुमार।

बागेश्वर में जनगणना कार्य की तैयारियां तेज

बागेश्वर : जनपद में प्रस्तावित जनगणना की गतिविधियों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे के नेतृत्व में कार्य तेज कर दिया गया है। जनपद में जनगणना से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जा रहे हैं।

नगर पंचायत गरुड़ में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ, जबकि ग्रामीण क्षेत्र गरुड़ और कपकोट में भी प्रशिक्षण संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण में कार्मिकों को जनगणना प्रक्रिया, डेटा संकलन, मोबाइल एप और पोर्टल के उपयोग सहित फील्ड कार्य की बारीकियों की जानकारी दी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि 'स्व-गणना' सुविधा के तहत नागरिक 10 से 24 अप्रैल तक पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

स्कूटी की टक्कर से यूपी का श्रद्धालु घायल

टनकपुर : मां पूर्णागिरि के दर्शन को आए उत्तर प्रदेश के एक श्रद्धालु को स्कूटी सवार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल श्रद्धालु नेपाल के ब्रह्मदेव स्थित सिद्धबाबा मंदिर के दर्शन कर टनकपुर लौट रहा था। जानकारी के अनुसार, अनंत पाल (47) पुत्र सुमेर, निवासी फिरोजपुर, बदायूं मंगलवार अपरान्ह करीब 4 बजे पैदल बैराज मार्ग से आ रहा था, तभी अज्ञात स्कूटी चालक ने उसे टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को उप जिला चिकित्सालय टनकपुर पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने सिर में गंभीर चोट होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। कोतवाल चेतन सिंह रावत ने बताया कि पुलिस अज्ञात स्कूटी चालक की तलाश कर रही है।

गोल्डन कार्ड की विसंगति दूर करने की मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन की मंगलवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न समस्याओं समेत पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर चर्चा की गई। सभी से आगामी 19 अप्रैल को ओपीएस की मांग को लेकर आयोजित रैली में भागीदारी करने का आह्वान किया गया।

विभाग भवन में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली को शिक्षक संगठन लगातार सरकार से मांग उठा रहा है। लेकिन सरकार उनकी मांगों को अनदेखा कर रही है। जिससे शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है। कहा कि आगामी 19 अप्रैल की पुरानी पेंशन बहाली रैली को पूर्ण समर्थन दिया जाएगा। उन्होंने सभी घटक संगठनों से भी पदाधिकारियों व सदस्यों को रैली में भागरीदारी के लिए निर्देश देने को कहा। वहीं, गोल्डन कार्ड विसंगति का निराकरण करने, चिकित्सा प्रतिपूर्ति की धनराशि का भुगतान करने, स्थानांतरण नीति लागू करने, शिक्षकों को टीईटी परीक्षा से मुक्त करने समेत कई मांगों को रखा। बैठक में जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार जोशी, धीरेंद्र कुमार पाठक, वीरेंद्र सिंह बिष्ट, निर्मल कुमार, बृजेश बिष्ट, वीरेन्द्र बिष्ट, देवेंद्र सिंह, संतोष पुरी गोस्वामी, शशि मोहन पांडेय, योगेश नेगी, उमेश पांडेय, गौरव टम्टा, चंदन, माया भट्ट, चंपा जोशी, संतोष सिंह बिष्ट, मनोज कांडपाल, पीसी जोशी, गणेश भंडारी, डीके जोशी, भगवत सिंह सतवाल, दीप चंद्र जोशी, महेंद्र रहे।

अल्मोड़ा में पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन की बैठक में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

गर्भवतियों और प्रसूताओं को फल वितरित किए गए

पिथौरागढ़: बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। डॉ. बीआर आंबेडकर जन सेवा समिति ने डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद समिति के सदस्यों ने अध्यक्ष मदन सन्याल के नेतृत्व में महिला अस्पताल पहुंचकर यहां भर्ती गर्भवतियों, प्रसूताओं और तीमारदारों को फल वितरित किए। सभी सदस्यों ने डॉ. आंबेडकर के सामाजिक न्याय, समता और मानवाधिकार के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस मौके पर चंचल राम, गणेश लाल टम्टा, कुणाल पहेरा, चंद्र सिंह बिष्ट, जगदीश जोशी, अतुल वाल्मीकि, मुकेश कुमार सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

यूथ कांग्रेस विस अध्यक्ष का स्वागत

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अल्मोड़ा यूथ कांग्रेस से विशाल कनवाल के विधानसभा अध्यक्ष बनने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। नगर के चौघानपाटा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मिष्ठान वितरण कर जमकर आतिशबाजी की। वहीं, खत्याड़ी में भी नव निर्वाचित अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया गया।

इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने नगर के करबला से मालरोड होते हुए चौघानपाटा तक स्वागत रैली निकाली। जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। इधर, पार्टी ने उन्हें यूथ कांग्रेस विस अध्यक्ष अध्यक्ष निर्वाचित करने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। यहां स्वागत कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, विधायक मनोज तिवारी, पूर्व विस अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल, महिला जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, प्रधान कमला कनवाल, हर्ष कनवाल, गंगा देवी, देव सिंह कनवाल, छात्रसंघ कोषाध्यक्ष विनय कनवाल, भूपेंद्र सिंह, नीमा बिष्ट, विक्रम बिष्ट, रोहन लटवाल, तारा चंद्र जोशी, निर्मल रावत, सूरज वाणी, गोपाल मोहन भट्ट, आनंद सिंह, उमेद सिंह, मनोज कनवाल, किरन, जानकी देवी, गोविंद सिंह समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अल्मोड़ा के खत्याड़ी यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत करते ग्रामीण।

अच्छी खबर | निजी एजेंसी ने मांगे आवेदन, आउटसोर्स के जरिये होगी भर्ती, बसों का बेड़ा होगा मजबूत

परिवहन निगम में होगी 200 चालकों की भर्ती

संवाददाता, हल्द्वानी

- कुमाऊं में सबसे अधिक करीब 100 चालकों की होगी भर्ती
- महाप्रबंधक संचालन क्रांति सिंह ने दी जानकारी

अमृत विचार : उत्तराखंड परिवहन निगम में लंबे समय से चल रही चालकों की कमी अब दूर होगी। शासन ने चालकों की भर्ती को मंजूरी मिलने के बाद निजी एजेंसी ने भर्ती प्रक्रिया के लिए आवेदन मांगे हैं। प्रदेशभर में करीब 200 चालकों की भर्ती की जाएगी। जिनमें अलग-अलग डिपों में वैकेंसी के अनुसार चालक भर्ती किए जाएंगे। कुमाऊं में सबसे अधिक करीब 100 चालकों की भर्ती होगी। आउटसोर्स के जरिये इन पदों को भरा जाएगा।

आगामी चारधाम यात्रा और पर्यटन सीजन को ध्यान में रखते हुए परिवहन निगम सभी डिपो में पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध कराने के लिए काम कर रहा है। भर्ती पूरी होते ही यात्रियों को समय पर और सुरक्षित यात्रा सुविधा मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि स्टाफ की कमी के कारण विभिन्न डिपो में कई बसें लंबे समय से खड़ी थीं। साथ ही नई बसों के संचालन में भी दिक्कतें आ रही थी। अब नई भर्ती के बाद इन बसों को फिर से सड़कों पर उतारा जाएगा, जिससे परिवहन सेवाएं बेहतर होंगी। कर्मचारियों की कमी के कारण पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में बस सेवाएं सबसे अधिक प्रभावित हैं। अब नई भर्ती के बाद इन रूटों पर नियमित संचालन की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे यात्रियों को लाभ मिलेगा। परिवहन निगम के महाप्रबंधक संचालन क्रांति सिंह ने बताया कि नई भर्ती होने से चालकों की कमी दूर होगी।

पर्वतीय क्षेत्रों में 3.85, मैदानी में 3.38 रुपये प्रति किमी का होगा भुगतान

हल्द्वानी : पर्वतीय क्षेत्रों में 3 .85 रुपये प्रति किमी और मैदानी क्षेत्रों में 3 .38 रुपये प्रति किमी के अनुसार चालकों को भुगतान किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया के तहत संबंधित आउटसोर्स एजेंसी ने सीधे इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे हैं। एजेंसी की ओर से भर्ती के रिज्यूम आमंत्रित किए जा रहे हैं। इसके लिए न्यूनतम योग्यता 8वीं पास है और हेवी ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। हल्द्वानी, रामनगर, रुद्रपुर, भवाली, अल्मोड़ा, रानीखेत, बागेश्वर, काशीपुर, टनकपुर, लोहाघाट, पिथौरागढ़, देहरादून, कोटद्वार, हरिद्वार, पर्वतीय, ग्रामीण, रुड़की, श्रीनगर, ऋषिकेश डिपो में भर्ती की जाएगी।

महिला कांग्रेसियों की पुलिस से झड़प

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपने जा रहीं कार्यकर्ताओं को पुलिस प्रशासन ने कार्गी आईएसबीटी रोड स्थित मध्य ब्राह्मणवाला चौक पर बैरिकेडिंग कर रोक दिया।

इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक के साथ झड़प की स्थिति उत्पन्न हो गई। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने 'प्रधानमंत्री गो बैक' के नारे लगाए और विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला सहित सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया। इस संबंध में जारी बयान में अध्यक्ष रौतेला ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। अंकिता भंडारी हत्याकांड में अब तक पीड़ित परिवार को पूर्ण न्याय नहीं मिल पाया है, वहीं सीबीआई जांच में हो रही देरी ने जनता के आक्रोश को और बढ़ा दिया है। प्रदेश महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आशा मनोरमा शर्मा, महासचिव शोभा बडोनी, रुचि रौतेला, बबीता, मधु उनियाल, स्वीकृति, पार्षद आयुष गुप्ता, ललित भट्री, फारूक, गौरव रावत, अभिषेक डोबरियाल, शशांक जोशी, अरुण टम्टा, सोनू तिवारी, अनुज रहे।

विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ज्योति को हिरासत में लेती पुलिस।

कांग्रेस हताश और निराशः भाजपा

देहरादूनः भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर राज्य में विकास की तस्वीर को बयां करने के लिए पर्याप्त है। पीएम मोदी ने इस विकास के सेतु का उद्घाटन कर यह साबित कर दिया कि आखिर उन्हें विकास अर्थात मोदी की गारंटी क्यों कहा जाता है।

कांग्रेस के आरोपों को उन्होंने हताशा और निराशा बताया। चौहान ने कहा कि भाजपा ने कम समय में कांग्रेस के 70 वर्षों से अधिक काम किया है। भर्ती घोटालों में माफिया नेटवर्क तोड़ा गया और अंकिता भंडारी मामले में आरोपी जेल भेकी सजा काट रहे है। साथ ही सीबीआई जांच का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे से तीर्थाटन और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

अमृत विचार

बुधवार, 15 अप्रैल 2026

नज़रिया एक छोटी सी चीज़ है, जो बड़ा फर्क पैदा करती है।
-विंस्टन चर्चिल, इंग्लैंड के पूर्व प्रधानमंत्री

असंतोष का उफान

नोएडा में मजदूरों-कर्मचारियों का हालिया उग्र प्रदर्शन भारत के औद्योगिक ढांचे में गहरे पैठे असंतोष का लक्षण है। यह घटना उद्योग और श्रम संबंधों के उस लंबे समय से दमित और तनावपूर्ण असंतुलन की ओर इशारा करती है, जो अब फूट पड़ा है। सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस प्रदर्शन का कोई स्पष्ट पारंपरिक नेतृत्व नहीं था। तथाकथित 'जेनजी' श्रमिकों की अग्रिम भूमिका यह संकेत देती है कि पारंपरिक यूनियनें अप्रासंगिक नहीं हुईं हों, पर ट्रेड यूनियनों का प्रभाव कमजोर अवश्य हुआ है। नई पीढ़ी जिस तरह अधिक त्वरित, डिजिटल और स्वतः स्फूर्त संगठन की ओर बढ़ रही, उससे श्रम आंदोलन अधिक अनिश्चित और असंगठित हो गया है, जहां संवाद के औपचारिक मंच कमजोर पड़ते हैं और टकराव की संभावना बढ़ती है। प्रदर्शन के उग्र होने में प्रशासनिक विफलता स्पष्ट दिखती है। पांच दिन से चल रहे विरोध-प्रदर्शन के बावजूद पुलिस और प्रशासन आकलन नहीं कर पाया।

खुफिया निगरानी में कमी, श्रमिक असंतोष की गहराई को न समझ पाना और समय रहते संवाद स्थापित न करना, ये सभी कारण इस विफलता के साफ संकेत हैं। घटना का मूल कारण श्रमिकों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में निहित है। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे सटे राज्यों में अकुशल श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में भारी अंतर है, दिल्ली में अकुशल श्रमिक को लगभग 20 हजार रुपये, हरियाणा में 15 हजार से अधिक और उत्तर प्रदेश में 11,313 रुपये मिलना असमान श्रम बाजार की तस्वीर प्रस्तुत करता है। सवाल यह है कि क्या इनमें से कोई भी वेतन आज की महंगाई, निजी शिक्षा-स्वास्थ्य और शहरी जीवन यापन की लागत के अनुरूप है? एक छोटे परिवार के लिए किराया, राशन, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन का खर्च जोड़ें तो वर्तमान न्यूनतम वेतन जीवनयापन के न्यूनतम मानकों को भी पूरा नहीं करता। ऐसे में 12 घंटे काम, ओवरटाइम का उचित भुगतान न होना, सुरक्षा मानकों की अनदेखी और श्रमिक कल्याण योजनाओं का अभाव, यह सब मिलकर असंतोष को विस्फोटक बनाते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उच्च स्तरीय समिति और न्यूनतम वेतन संशोधन जैसे कदम स्वागतयोग्य हैं, परंतु यह केवल तात्कालिक राहत हैं। जब तक श्रम कानूनों का कठोर क्रियान्वयन, निरीक्षण तंत्र की मजबूती और उद्योगों की जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक स्थिति में स्थायी सुधार संभव नहीं है।

न्यूनतम वेतन निर्धारण का आधार केवल 'जीवित रहने' की लागत नहीं, बल्कि उसमें 'सम्मानजनक जीवन', सामाजिक सुरक्षा भी शामिल हो। राज्यों के बीच वेतन असमानता को कम करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक संतुलित ढांचा बने। श्रमिक आंदोलन भी हिंसा से दूर रहें। हिंसा से न केवल वैध मांगें कमजोर होती हैं, बल्कि श्रमिक खुद कानूनी और प्रशासनिक दबाव में आ जाते हैं। यदि कोई बाहरी तत्व हिंसा भड़काने का प्रयास करता है, तो उसे सख्ती से अलग करना होगा। कुल मिलाकर यह घटना सरकार, उद्योग और समाज— तीनों के लिए चेतावनी है कि यदि श्रमिक असंतोष को समय रहते संवाद, न्यायपूर्ण वेतन और सुरक्षित कार्यस्थल के माध्यम से शांत नहीं किया गया, तो बड़े संकट का रूप ले सकता है।

नदियां: आर्थिक लाभ बनाम पर्यावरणीय हानि

प्रो. नीलिमा गुप्ता
पूर्व कुलपति

भारत की नदियां देश की जीवनरेखा मानी जाती हैं। भारत में गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी प्रमुख नदियां न केवल जल का स्रोत हैं, बल्कि हमारी संस्कृति, आस्था और अर्थव्यवस्था का आधार भी हैं। इन नदियों के किनारे सभ्यताओं का विकास हुआ और आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका इन पर निर्भर है, किन्तु वर्तमान समय में बढ़ते हुई शहरीकरण के कारण नदियों का प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और बढ़ती जनसंख्या के कारण नदियों में अपशिष्ट पदार्थों का अत्यधिक प्रवाह हो रहा है।

कारखानों से निकलने वाले रासायनिक कचरे, सीवेज का बिना शोधन के सीधे नदियों में प्रवाह, कृषि में उपयोग होने वाले रसायनों का बहाव तथा धार्मिक गतिविधियों में प्लास्टिक और अन्य अपशिष्टों का विसर्जन, ये सभी कारक नदियों के जल को दूषित कर रहे हैं। इससे न केवल जल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, बल्कि जलीय जीव-जंतुओं का जीवन भी संकट में पड़ गया है और मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

भारत की नदियां देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कृषि क्षेत्र में सिंचाई का प्रमुख स्रोत नदियां ही हैं, जिससे खाद्यान्न उत्पादन बढ़ता है और देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो भारत के कृषि क्षेत्र का सकल उत्पादन (Gross Value Added – GVA) लगभग 20–25 लाख करोड़ रुपये (हाल के वर्षों के अनुमान अनुसार) है, जिसमें सिंचाई की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनुमानतः इस कृषि उत्पादन का 55–60% हिस्सा सीधे या परोक्ष रूप से नदी-आधारित सिंचाई से जुड़ा हुआ है। इसका अर्थ है कि नदियों के माध्यम से होने वाली सिंचाई से ही लगभग 12–15 लाख करोड़ रुपये के कृषि उत्पादन को समर्थन मिलता है।

इसके अतिरिक्त, जलविद्युत उत्पादन में भी नदियों का विशेष योगदान है, जो स्वच्छ ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है। भारत में स्थापित कुल जलविद्युत क्षमता लगभग 45–50 गीगावाट (GW) के आसपास है। नेशनल हाइड्रोलिक पॉवर कॉर्पोरेशन (NHPC) तथा विभिन्न राज्य विद्युत बोर्डों द्वारा संचालित परियोजनाएं नदियों पर आधारित हैं, जैसे कि टेहरी डैम, भाखड़ा नांगल डैम और सरदार सरोवर डैम। आर्थिक दृष्टि से देखें तो भारत में जलविद्युत उत्पादन से प्रतिवर्ष लगभग 1.5 से दो लाख करोड़ यूनिट (kWh) बिजली उत्पन्न होती है। यदि प्रति यूनिट औसत दर 4–5 मानी जाए, तो जलविद्युत से होने वाला वार्षिक राजस्व लगभग 60,000 करोड़ से 1,00,000 करोड़ के बीच आंका जा सकता है। यह राजस्व केंद्र और राज्य सरकारों, बिजली वितरण कंपनियों तथा निजी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण आय का स्रोत हैं।

कई उद्योग नदियों के जल पर निर्भर करते हैं, जैसे वस्त्र, कागज, चीनी और रासायनिक उद्योग। नदियां अंतर्देशीय जल परिवहन का भी माध्यम हैं, जिससे माल ढुलाई सस्ती और सुगम होती है। नदियों से संबंधित उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार हैं और इनके माध्यम से बड़े पैमाने पर राजस्व अर्जित होता है। गंगा, यमुना और कृष्णा जैसी नदियों के किनारे अनेक उद्योग विकसित हुए हैं, जो जल पर प्रत्यक्ष रूप से निर्भर हैं।

भारत में वस्त्र (टेक्सटाइल), कागज (पेपर), चीनी (शुगर), रासायनिक (केमिकल), खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) और चमड़ा (टेनरी) उद्योग मुख्यतः नदी जल का उपयोग करते हैं। अनुमानतः देश के लगभग 30–40% मध्यम और बड़े उद्योग किसी न किसी रूप में नदी जल पर निर्भर हैं। केवल वस्त्र उद्योग ही भारत में लगभग 10–12 लाख करोड़ के वार्षिक कारोबार का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा नदी तटीय क्षेत्रों में स्थित इकाइयों से आता है।

यदि समग्र रूप से देखा जाए, तो नदी-आधारित औद्योगिक गतिविधियों से भारत को प्रतिवर्ष लगभग 15–20 लाख करोड़ तक का आर्थिक योगदान (टर्नओवर स्तर पर) प्राप्त होता है। इसमें प्रत्यक्ष उत्पादन, निर्यात और सहायक सेवाएं शामिल हैं। उदाहरण के लिए, कागज उद्योग का आकार लगभग 80,000 करोड़ से अधिक है, जबकि चीनी उद्योग भी एक लाख करोड़ से अधिक के स्तर पर योगदान देता है और ये दोनों ही उद्योग जल पर अत्यधिक निर्भर हैं।

मत्स्य पालन (फिशरीज) के माध्यम से भी लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। भारत विश्व के अग्रणी मत्स्य उत्पादक देशों में से एक है। कुल मत्स्य उत्पादन (समुद्री+आंतरिक) हाल के वर्षों में लगभग 160–180 लाख टन प्रतिवर्ष तक पहुंच चुका है। इसमें से लगभग 70–75% हिस्सा आंतरिक जल स्रोतों, जैसे- नदियों, झीलों, तालाबों और नहरों से आता है। इसका अर्थ है कि केवल नदी एवं संबंधित जल स्रोतों से ही लगभग 110–130 लाख टन मत्स्य उत्पादन होता है।

नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिए कई प्रभावी उपाय किए जा सकते हैं। सबसे पहले, औद्योगिक अपशिष्टों के निस्तारण के लिए कड़े नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। प्रत्येक उद्योग को अपने अपशिष्ट जल का शोधन करना अनिवार्य होना चाहिए। इसके साथ ही, नगरों में आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) स्थापित किए जाने चाहिए, ताकि गंदा पानी साफ करके ही नदियों में छोड़ा जाए।

दूसरा महत्वपूर्ण उपाय है जनजागरूकता। जब तक आम जनता को नदियों के महत्व और उनके संरक्षण के प्रति जागरूक नहीं किया जाएगा, तब तक कोई भी प्रयास पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकता। लोगों को यह समझाना आवश्यक है कि वे प्लास्टिक, कचरा और अन्य हानिकारक पदार्थ नदियों में न डालें। धार्मिक आयोजनों में भी पर्यावरण के अनुकूल सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> भारत की नदियां देश की जीवन रेखा मानी जाती हैं। शहरीकरण के कारण नदियों के बढ़ते प्रदूषण को रोकना होगा, जिससे कि भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके।

सोशल फोरम

फारसी के लफ्ज

ईरानी सिनेमा देखते समय बार-बार ये भी एहसास होता है कि फ़ारसी ज़बान के कितने लफ़्ज़ आज हमारी भाषा में चले आए हैं और यूं रच-बस गए हैं कि ख़याल भी नहीं आता ये पराये हैं। इधर मैंने यही प्रयोग किया कि ईरान की एक शॉर्ट फिल्म लगा ली और गिनने लगा कि इसमें ऐसे कितने लफ़्ज़ आते हैं, जिन्हें हम पहचानते हैं। एक दर्जन के बाद मैंने गिनना छोड़ दिया।

सुशोभित
लेखक

हिंदी ख़ुद एक फ़ारसी लफ़्ज़ है! हिंदू और हिंदुस्तान भी। ऋग्वेद में जो सप्त-सिंधु है, वही अवेस्ता ग्रंथों में हप्त-हिंदू करके आया है। हिंदू लफ़्ज़ की एटिमोलॉजी अगर आप खोजते-खोजते अतीत में चलते चले जाएं, तो फ़ारस की सरज़मीं पर ख़ुद को पाएंगे। इस शब्द का अरबी ज़बान से भी रिश्ता है। हिंदा-अरबी औरतों का एक प्रचलित नाम रहा है। इस्लामिक इतिहास की क़द्दावर शख़्सियत अबू-सूफ़्यान की बीवी का नाम हिंदा ही था।

बेशक, ईरानी फिल्मों में इन लफ़्ज़ों का उच्चारण थोड़ा फ़र्क़ होता है। जैसे युद्ध के लिए जंग शब्द हम अकसर इस्तेमाल करते हैं, उसको वो लोग 'जैंज' की तरह बोलते हैं। इंसानियत हमारा एक जाना-पहचाना शब्द है, इसे हम 'सा' पर हल्का-सा बलाघात देकर मोनोसिलेबिक अंदाज़ में बोल देते हैं, ईरानी लोग इसे थोड़ा खींचकर बोलेंगे- 'इंसाऽऽनियऽऽत', लेकिन शब्द वही है। इसे बोलने का संगीत और मिठास फ़ारसी में थोड़ा ज़्यादा है।

दारिउश मेहरजुई की फिल्म है- 'गाव'। यह वास्तव में 'गाय' शब्द है, जो गाय और काऊ के बीच एक सेतु बनाता है। इसी तरह माजिद माजिदी की फिल्म है- 'पेदार'। यह 'पिता' शब्द है- पितृ और फ़ादर के बीच सेतु बनाने वाला। इस तर्ज़ में सोचें तो आप इंडो-यूरोपियन ज़बानों के बीच एक लंबा तारतम्य पा सकते हैं। बीसियों ऐसे शब्द खोज सकते हैं।

आज बोलचाल की हिंदी में ऐसे कितने शब्द हैं, जो फ़ारसी ज़बान से आए हैं? कोई गिनती ही नहीं। सैकड़ों लफ़्ज़ हैं। कुछ तो ऐसे, जिनके बारे में हमें कभी ख़याल भी नहीं आता कि ये हमारे नहीं हैं। जैसे कि- कि, अगर, शहर, शुक्रिया, अंदर, दरवाज़ा, कुर्सी, दीवार, बाज़ार, सरकार, सब्ज़ी, दुनिया, ख़ुशी, हमेशा। हम इन शब्दों को रोज़ बोलते चले जाते हैं। वक़्त, ख़बर, अख़बार, माफ़ी, परेशानी, इम्तिहान, तक़दीर, ख़याल, अदालत, ज़िला, मेहरबानी- ये तमाम फ़ारसी के लफ़्ज़ हैं। भाषाएं जड़ नहीं होतीं। वो आपस में लड़ती नहीं। लगातार बहती और एक-दूसरे में घुलती-मिलती जाती हैं- पानी की तरह। **-फेसबुक वॉल से**

प्रसंगवश

नारी सशक्तिकरण के बीच पुरुष संवेदनाओं की अनदेखी

देश के विभिन्न हिस्सों विशेषकर दिल्ली, गुरुग्राम और जयपुर से ऐसी खबरें सामने आई हैं, जहां पुरुषों ने मानसिक तनाव, आर्थिक दबाव और वैवाहिक विवादों के कारण कठोर कदम उठाए। ये घटनाएं केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं हैं, बल्कि समाज की उस सोच को दर्शाती हैं, जहां पुरुषों को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का अवसर नहीं मिलता। वर्तमान समय में भारतीय समाज एक गहरे परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। नारी सशक्तिकरण ने महिलाओं को नई पहचान, आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान की है, जो एक सकारात्मक और आवश्यक सामाजिक बदलाव है, किंतु इस परिवर्तन के साथ एक और पहलू उभर कर सामने आ रहा है, पुरुषों की बदलती सामाजिक और मानसिक स्थिति, जिस पर अपेक्षित गंभीरता से विचार नहीं किया जा रहा।

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

रिसर्चगेट पर उपलब्ध कई हालिया शोध (2020–2024) बताते हैं कि 25–35% पुरुष मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का सामना करते हैं। इंडियन फैमिली फाउंडेशन की रिपोर्ट्स में भी पुरुषों के उत्पीड़न और आत्महत्या के मामलों को एक गंभीर सामाजिक मुद्दा बताया गया है। देश में हाल ही में वैवाहिक विवादों और तलाक के मामलों में बढ़ोतरी चर्चा का विषय बनी है। पारिवारिक अदालतों में आने वाले मामलों से यह स्पष्ट होता है कि पति-पत्नी के बीच संवाद की कमी, आर्थिक दबाव और आपसी समझ की कमी रिश्तों को कमजोर कर रही है। तलाक के बाद पुरुषों को न केवल आर्थिक जिम्मेदारियों जैसे गुजारा भत्ता का बोझ उठाना पड़ता है, बल्कि अपने बच्चों से दूर रहने की पीड़ा भी सहनी पड़ती है।

क्या एक समाज सच में इस तरह सशक्त कहलाया जा सकता है, अगर वह केवल एक पक्ष की आवाज़ सुनता हो? नारी सशक्तिकरण का मूल उद्देश्य महिलाओं को समान अधिकार और अवसर प्रदान करना है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। यह परिवर्तन समाज के संतुलित विकास के लिए आवश्यक है। महिला और पुरुष, दोनों मिलकर समाज की आधारशिला हैं, लेकिन समानता का वास्तविक अर्थ केवल एक वर्ग को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि दोनों वर्गों के बीच संतुलन स्थापित करना है।

आज भी समाज में पुरुषों के लिए एक तय छवि बनाई गई है उन्हें मजबूत रहना है, जिम्मेदार बनना है और अपनी भावनाओं को दबाकर रखना है। बचपन से ही उन्हें सिखाया जाता है, 'मर्द बनो, रोते नहीं।' यही वाक्य उनके पूरे जीवन की दिशा तय कर देता है। वे अपने दर्द को छुपाना सीख जाते हैं, अपनी कमजोरी को स्वीकार करने से डरते हैं और धीरे-धीरे एक ऐसी खामोशी में जीने लगते हैं, जो बाहर से मजबूती दिखती है, लेकिन अंदर से उन्हें तोड़ती रहती है।

एक उदाहरण के रूप में देखें, एक व्यक्ति का वैवाहिक विवाद तलाक तक पहुंच गया। कानूनी प्रक्रिया के बाद उसे हर महीने आर्थिक सहायता देनी पड़ी और बच्चों से मिलने का समय भी सीमित हो गया। बाहर से वह सामान्य जीवन जीता हुआ दिखाई देता था, लेकिन अंदर से वह अकेलेपन और मानसिक तनाव से जूझ रहा था। उसने अपनी भावनाएं किसी से साझा नहीं कीं, क्योंकि उसे डर था कि समाज उसे कमजोर समझेगा। यह स्थिति केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हजारों ऐसे पुरुषों की है जो रिश्तों की टूटन के बाद खामोशी में जी रहे हैं। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

टीएमसी के नेताओं ने बालू माफिया, पत्थर माफिया और 'कट मनी' के जरिए जनता का पैसा लूटा है। भाजपा की सरकार बनने पर यह पैसा सूद समेत वापस लौटाया जाएगा। टीएमसी का सिंडिकेट राज अब खत्म होने वाला है। बंगाल की जनता भाजपा के पक्ष में वोट दे और परिवर्तन लाए।
-अमित शाह
गृहमंत्री

19 राज्य और केंद्र सरकार मेरे खिलाफ एकजुट होकर लड़ रहे हैं। मैं अकेले आम लोगों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रही हूं। दिल्ली की ताकतों के सहारे भाजपा कभी बंगाल नहीं जीत पाएगी। मतदाता सतर्क रहें और लोकतांत्रिक अधिकारों का सही प्रयोग करें।
-ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

वैश्विक स्तर पर रणनीतिक धातु बनती चांदी

ऋषभ मिश्रा
असिस्टेंट प्रोफेसर
कानपुर आईआईटी

बीते एक साल में अगर किसी धातु ने सबसे ज्यादा चौंकाया है, तो वह चांदी है। कभी गरीब का 'सोना' कही जाने वाली चांदी ने सिर्फ पिछले 12 महीनों में करीब 180 फीसदी की जबरदस्त छलांग लगाकर उद्योग निवेशकों और नीति निर्माताओं तीनों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और सोलर पैनलों में बढ़ते उपयोग ने चांदी को भविष्य की रणनीतिक धातु के रूप में स्थापित कर दिया है। इसकी तेज़ी में मांग एवं आपूर्ति (डिमांड-सप्लाई) का अंतर (गैप) प्रमुख वजह है ही साथ ही जियो-पॉलिटिक्स भी बड़ी भूमिका निभा रही है। वहीं दूसरी तरफ, दुनिया में चांदी के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक देश चीन द्वारा इस साल इसके निर्यात पर लगे अनेक प्रतिबंधों के चलते माना जा रहा है कि आने वाले महीनों में भी चांदी की चमक बरकरार रहेगी। वैसे चांदी में यह बढ़त केवल हालिया नहीं है, बीते 45 सालों में इसके दामों में करीब 88 गुना तक की बढ़ोतरी हो चुकी है।

वस्तुतः पहले चांदी का ज्यादातर इस्तेमाल केवल आभूषणों व बर्तनों इत्यादि तक ही सीमित था, लेकिन अब जैसे-जैसे ग्रीन एवं क्लीन एनर्जी की तरफ देश आगे बढ़ रहा है, इससे संबंधित उद्योगों जैसे इलेक्ट्रिक कारों की बैटरियों और सोलर पॉवर के पैनल्स में चांदी की खपत तेजी से बढ़ रही है। यह चांदी की मांग और इसके फलस्वरूप कीमतों की वृद्धि में सबसे मजबूत कारक (फैक्टर) बन गया है। एक अध्ययन के अनुसार ग्रीन एवं क्लीन एनर्जी तथा इसके अन्य उपकरणों में 59 फीसदी तक चांदी का उपयोग होने लगा है।

चांदी के खनन में बीते दस सालों में गिरावट देखी गई है। 'वर्ल्ड सिल्वर सर्वे' की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2015 में चांदी का वैश्विक उत्पादन 89 करोड़ आउंस था, जो कि 2024 में गिरकर 82 करोड़ आउंस रह गया। यानी कि इसके उत्पादन में 8.6 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि इसी अवधि में मांग में 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मांग एवं आपूर्ति में यह अंतर (गैप) भी कीमतों को बढ़ा रहा है। लगभग 6300 टन उत्पादन के साथ मेक्सिको चांदी का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

बाजार के विशेषज्ञों व निवेशकों ने भी समझ लिया है कि चांदी की पर्याप्त आपूर्ति नहीं है, इसलिए निवेशकों ने भी इसमें निवेश करना शुरू कर दिया है। इसके अतिरिक्त सेंट्रल बैंकों की नजर भी अब चांदी पर टिक गई है और उन्हें यह प्रतीत होता दिखाई दे रहा है कि वे अपने रिज़र्व में चांदी भी रख सकते हैं। इससे बाजार में चांदी की और भी अतिरिक्त मांग बढ़ने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में चांदी पर किए गए निवेश में 150 से 180 फीसदी तक का रिटर्न मिला है।

चांदी के दाम बढ़ने के पीछे भू-राजनीतिक वजहें भी हैं। ट्रंप कैंप का मानना है कि भविष्य की जंग तेल नहीं बल्कि टेक्नोलॉजी और मेटल्स पर लड़ी जाएगी। इसी के चलते अमेरिका ने हाल ही में चांदी और तांबे को 'रेयर मेटल' (दुर्लभ धातुओं) की श्रेणी में डाल दिया है। इसके मद्देनज़र चीन ने भी चांदी के निर्यात पर सख्ती करनी शुरू कर दी है। इससे भी चांदी की कीमतों पर असर पड़ा है। एक रिपोर्ट के अनुसार चीन की निर्यात संबंधी सख्ती की वजह से वैश्विक स्तर पर चांदी की आपूर्ति 60 फीसदी तक घट सकती है।

वस्तुतः चांदी की मांग को पूरा करने में दो बड़ी तकनीकी समस्याएं हैं। पहला चांदी का लगभग 70-80 फीसदी उत्पादन अन्य धातुओं जैसे लेड, जिंक कॉपर या सोने की खदानों से 'बाय-प्रोडक्ट' के रूप में होता है। जब कोई धातु बाय-प्रोडक्ट होती है, तो उसका उत्पादन केवल उसकी अपनी मांग के हिसाब से नहीं बढ़ाया जा सकता है। दुनिया में बहुत कम खदानें ऐसी हैं जो केवल चांदी निकालती हैं।

दूसरा, चांदी का बड़ा हिस्सा सोलर पैनल, सेमीकंडक्टर और मेडिकल उपकरणों अथवा डिवाइसेस में इस्तेमाल किया जाता है। सोने के उलट इसका अधिकांश हिस्सा इन उत्पादों में स्थाई रूप से खप जाता है। साथ ही इसकी 'रिसाइक्लिंग' करना आर्थिक रूप से महंगा होता है। इसी वजह से यह एक तरह से बाजार से स्थाई रूप से बाहर निकल जाती है। यानी कि हर बार प्रोडक्ट में इस्तेमाल के लिए नई चांदी की जरूरत पड़ती है।

फोटोवोल्टिक सोलर पैनलों पर भी सिल्वर पेस्ट का उपयोग किया जाता है। गौरतलब है कि चांदी में सूर्य की रोशनी से उत्पन्न इलेक्ट्रॉनों को बेहद कम हानि के साथ प्रवाहित करने की क्षमता होती है। एक सोलर पैनल में 15 से 20 ग्राम चांदी लगती है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार दुनिया भर में 2030 तक सोलर क्षमता के 170 फीसदी तक बढ़ने का अनुमान है।

एक ईवी में औसतन 25 ग्राम तक चांदी लगती है। यह चांदी बटेरियों, वायरिंग पावर, इलेक्ट्रॉनिक्स कंट्रोल यूनिट्स और चार्जिंग स्टेशनों में इस्तेमाल होती है। ईवी के चलन के साथ ही चांदी की भी मांग बढ़ती जा रही है। अमेरिका में ही 2030 तक 2.8 करोड़ ईवी चार्जिंग पोर्ट्स लगाने की योजना है, जिनमें चांदी की बड़ी खपत होगी। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> चांदी ने सिर्फ पिछले 12 महीनों में करीब 180 फीसदी की जबरदस्त छलांग लगाकर उद्योग निवेशकों और नीति निर्माताओं तीनों का ध्यान खींचा है।

सामयिकी

वर्क कल्चर: समर्पण या छिपा हुआ प्रेशर

हाल ही में सोशल मीडिया पर शादी के दिन दूल्हा और दुल्हन के काम करने वाले ऐसे कई मामले वायरल हो रहे हैं, जिन्होंने वर्क लाइफ बैलेंस पर नई बहस छेड़ दी है। एक कंपनी के सीईओ ने गर्व के साथ बताया कि उनकी टीम का एक कर्मचारी अपनी शादी के दिन भी ऑनलाइन आकर काम के मैसेज का जवाब दे रहा था। सीईओ ने इसे समर्पण बताया, लेकिन इंटरनेट यूजर इस बात से सहमत नहीं दिखाई दे रहे हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि अगर छुट्टी थी, तो काम के लिए मैसेज क्यों किया गया? क्या ये सच में समर्पण है या छिपा हुआ प्रेशर? कई यूजर्स ने कहा कि शादी जैसा खास दिन जिंदगी में बार-बार नहीं आता। ऐसे समय पर काम करना नहीं, बल्कि काम करवाना समस्या है। कुछ ने इसे टॉक्सिक वर्क कल्चर का उदाहरण भी बताया।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

इसके बाद इस मुद्दे पर सीधी बहस छिड़ गई है। सवाल यह उठ रहा है कि काम जरूरी है, लेकिन क्या हर कीमत पर? असल में यह मामला सीधा-सादा नहीं है। सच कहा जाए, तो समर्पण बनाम दबाव की बहस में दोनों पक्षों में कुछ सच्चाई है, हालांकि पूरी तस्वीर समझने के लिए हमें इरादा, माहौल और सिस्टम तीनों को देखना पड़ेगा। कुछ लोग अपने काम को लेकर इतने समर्पित होते हैं कि वे खुद ही जुड़ाव बनाए रखते हैं। उन्हें लगता है कि जवाब दे देना कोई बड़ी बात नहीं है। वे अपनी टीम और प्रोजेक्ट को लेकर जवाबदेह महसूस करते हैं। अगर यह पूरी तरह स्वेच्छा है, तो इसे समर्पण कहा जा सकता है। सोशल मीडिया की प्रतिक्रिया इसलिए नकारात्मक थी, क्योंकि ऐसे मामलों में अक्सर बॉस या कंपनी की चाहत रहती है कि हर समय उपलब्ध रहो। न कहने पर कॅरियर पर प्रभाव पड़ने का डर रहता है।

कुछ लोगों का कहना है कि छुट्टी टेक्निकली होती है, पर व्यावहारिक नहीं। ऐसे में कर्मचारी खुद जवाब देता दिखता है, लेकिन निर्णय पूरी तरह उसका नहीं होता। सवाल यह उठता है कि शादी जैसा दिन क्यों मायने रखता है? असल में शादी कोई सामान्य दिन नहीं है। यह जिंदगी का दिन है, जो केवल एक बार आता है। ऐसे दिन काम करना इच्छा कम और कल्चर का प्रभाव ज्यादा लगता है, इसलिए लोगों ने इसे समर्पण नहीं, बल्कि बाउंड्री फेल्योर माना है। इन सब बातों के बीच असली मुद्दा वर्क कल्चर है। यह घटनाएं एक बड़े सवाल की तरफ इशारा करती हैं।

क्या कंपनी सच में कर्मचारियों को डिस्कनेक्ट करने की आजादी देती हैं या हमेशा उपलब्ध रहना ही सफलता का रास्ता बना दिया गया है? असल में हेल्दी वर्क कल्चर में छुट्टी का विकल्प होता है। जरूरी काम के लिए बैकअप सिस्टम होता है। कर्मचारी की व्यक्तिगत जिंदगी का सम्मान किया जाता है। कंपनी में काम करते समय कर्मचारी को छुट्टी मिलना एक जिम्मेदारी होती है।

सोशल मीडिया पर बहस इस बात पर भी छिड़ गई है कि काम जरूरी है, लेकिन हर कीमत पर नहीं। अगर छुट्टी वाले दिन भी कर्मचारी खुद खुशी से जुड़ा है, तो यह ठीक है। पर अगर सिस्टम ऐसा है कि उसे जुड़ना पड़ता है, तो यह समस्या मानी जानी चाहिए। असल में यह घटना किसी एक कर्मचारी की नहीं, बल्कि पूरे वर्क ईको सिस्टम की कहानी है। समर्पण तब तक अच्छा है, जब तक वह स्वतंत्रता से आता है, न कि किसी डर या दबाव की वजह से। वर्क कल्चर कोई सजावटी शब्द नहीं है। यह तय करता है कि नौकरी सिर्फ काम है या जिंदगी का हिस्सा। अच्छा वर्क कल्चर वह है, जहां काम प्रमुख है, लेकिन इंसान उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

सुपरहिट शो और पद्मश्री सम्मान

रेलिया बैरिन पिया को लिए जाए रे जैसे गीतों के जरिए मालिनी ने तमाम सुपरहिट शो दिए। उनकी कला साधना ने उन्हें पद्मश्री से पहले यशभारती सम्मान, कालिदास सम्मान और अवध सम्मान दिलाए। उनकी साधना ने उन्हें ऐसी पहचान दी कि पति अपर मुख्य सचिव रहे हों या मौजूदा समय में मुख्यमंत्री के सलाहकार हैं, लेकिन यह आरोप नहीं लगता कि बड़े अफसर की बीवी हैं, इसलिए सफल हैं, जिसने उनके सुपरहिट शो देखे हैं, वो जानता है कि यह सफलता सिफारिश वाली नहीं जबरदस्त रियाज वाली है।

शालू के मालिनी अवस्थी में बदलने का सफर

भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह में एक शाम मालिनी अवस्थी के नाम से भी सजी। खचाखच भरे राज बिसारिया प्रेक्षागृह में प्रख्यात लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने अभिनय, नृत्य और गायिकी में गुंथी जिंदगी के सफर की स्क्रिप्ट को इस अंदाज में पेश किया कि देखने वाले ठगे से रह गए। मालिनी अवस्थी ने अपने इस दो घंटे के शो में यह साबित किया कि जिंदगी में कोई बड़ा मुकाम हासिल करने के पीछे न जाने कितने बरसों की जद्दोजहद होती है। एक बड़े परिवार में जन्म लेने या बड़े परिवार में शादी हो जाने से मंच तो हासिल हो सकते हैं, लेकिन उन मंचों पर टिके रहने के लिए लगातार कई बरस तक किए गए संघर्ष और अच्छे उस्तादों से हासिल की गई शिक्षा ही काम आती है।

-शबाहत हुसैन विजेता
लखनऊ

कला साधना के दौरान उस्ताद राहत अली खान न मिले होते, उस्ताद नगीना साहब का आशीर्वाद न मिला होता, गिरिजा देवी जैसी गुरु न मिली होतीं, तो कन्नौज के एक डॉक्टर के घर जन्मी शालू आईएएस अफसर अवनीश अवस्थी से शादी होकर भी शालू ही रह जातीं, मालिनी अवस्थी न बन पातीं। उन्हें ऐसे उस्ताद मिले, जिन्होंने कहा कि गजल सीखनी है, तो शीन काफ दुरुस्त होना चाहिए। वो सवाल उठाती हैं कि कहां हैं ऐसे उस्ताद जो शागिर्द की डायरी पर गजल लिखकर दें। वो बताती हैं कि ईसाई स्कूल में पढ़ीं, घर में उस्ताद आते थे मुसलमान। गोरखपुर में रहकर संस्कृत सीखी। संस्कृत बीए तक साथ रही। उन्होंने माना कि अनुभव, जज्बात और किस्से कहानियों में भी शिक्षा होती है।

पिता मुख्य चिकित्सा अधीक्षक थे, उस्ताद राहत अली खां से उनके दोस्ताना रिश्ते थे, उन्होंने कहा कि मेरी बेटी को भी सिखा दें, एक दिन वो घर आए भी सिखाने, सबक भी दे गए, लेकिन तीन महीने तक वो लौटे नहीं और शालू वही सबक तीन महीने तक दोहराती रही। उनकी मां ने समझाया कि प्यासे के

पास कुआं नहीं आता, प्यासे को जाना पड़ता है कुएं के पास। मां गाड़ी चलाकर रोज बेटी को ले जातीं राहत अली खां के घर। वो भजन गाते तो लगता मंदिर में बैठे हैं। राम के भजन ऐसे सुनाते वैसे क्या कोई राम भक्त सुनाएगा।

एक तरफ संगीत की शिक्षा चल रही थी, तो दूसरी तरफ मां-बाप को कभी कहना नहीं पड़ा कि पढ़ लो। पढ़ाई ऐसी कि पूरी क्लास में अव्वल आती थीं। लाइट अक्सर गायब हो जाती थी, तो कुप्पी में बैठकर पढ़ाई करती थीं। स्कूली शिक्षा और संगीत ट्रेन के ट्रैक की तरह साथ-साथ चले एक जैसी रफ्तार में। पिता का लखनऊ ट्रांसफर हो गया, तो भातखंडे में तालीम ली, रवींद्रालय में पहली बार गाया, तब धर्मनाथ मिश्र ने हारमोनियम पर संगत की, आज भी वही करते हैं। लखनऊ से हर शनिवार-रविवार गोरखपुर जाकर राहत अली खां से सीखने का क्रम चलता रहा। उस्ताद राहत अली लखनऊ में कार्यक्रम में आए तो उन्होंने अपने कार्यक्रम में शिष्या मालिनी से गवाया। वो उन्हें उस्ताद नगीना साहब का आशीर्वाद दिलाने ले गए। बड़ी हुईं तो घर वालों को चिंता हुई कि गाती हैं, देशभर में कार्यक्रम करने जाती हैं, शादी कैसे होगी? हालांकि मां हर जगह साथ में जाती थीं, लेकिन उन्हें कैंसर हो गया था। किसी ने कहा कि पड़ोस वाले अवस्थी जी का लड़का आईआईटी में पढ़ रहा है। उनसे बात चलाओ। बात हुई और मारुती वैन में सवार होकर अवस्थी परिवार मालिनी के घर पहुंच गया। उन्हें भातखंडे में क्लास से बुलाकर घर भेजा गया।

लंदन में अंत्याक्षरी के शो ने बदल दिए दिन

टेलीविजन पर गजेन्द्र सिंह अंत्याक्षरी का संचालन कर रहे थे, उन्होंने बुलाया। लंदन में शो हुआ, तो मालिनी अवस्थी और भोजपुरी गायक बालेश्वर ने समां बांध दिया। इसके बाद पीछे मुड़कर देखने का मौका नहीं मिला।

संगीत की दुनिया में शुरू की दूसरी पारी

जो स्लेट कोरी हो गई थी, उसे फिर से लिखने के लिए संवारा, संगीत की दुनिया में फिर से घुटनियों चलना शुरू किया। फिर से आकाशवाणी में काम मिलने लगा। संस्कृति विभाग कार्यक्रम देने लगा। अवनीश जब ललितपुर में डीएम थे, तो असगरी बाई से मिलने कालपी गई थीं। असगरी बाई ने समझाया था कि गाती थीं, तो गाती रहो।

अवनीश अवस्थी से हुई शादी

मुलाकात के बाद अवनीश अवस्थी अपने ममेरे भाई के साथ मालिनी से मुलाकात करने आए। रिश्ता पक्का हो गया। उन्होंने कहा कि मेरी और मालिनी की पढ़ाई पूरी हो जाए, तब शादी होगी। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी हुई, तो अवनीश सिविल सर्विस की तैयारी करने लगे। वो आईएएस में सिलेक्ट हुए, सेलेक्शन के बाद अवनीश ने कहा- "सेवा के भाव से आईएएस में जा रहा हूं। हो सकता है, तुम्हें वो सुख न दे पाऊं, जो आईएएस की पत्नियों को मिलता है।" मालिनी ने कहा- "तुम सबसे सम्मान से मिलना, फिर इसके बाद शादी हो गई।" शादी से पहले के दो साल दोनों ने एक दूसरे को खूब चिट्ठियां लिखीं। चिट्ठियां इसलिए लिखीं, क्योंकि पहले महीने इतनी बात की कि 42 हजार रुपये का बिल आ गया। दूसरे महीने भी ऐसा ही होता, तो परिवार जान जाता कि दोनों हरदम बतियाते हैं। शादी के बाद लोगों को लगता था कि आईएएस की पत्नी है, इसलिए कार्यक्रम मिलते हैं। लोगों की यह सोच ऐसी चुभी कि घर में ही घुसी रह गईं। अपने दोनों बच्चों के पालन-पोषण में लग गईं। वो कहती हैं कि जीवन आनंद से भरा था, लेकिन अवनीश के पास समय नहीं था, मेरी स्थिति चांद तन्हा है आसमां तन्हा... और शाम वादा था ढल गया सारा... जैसी स्थिति हो गई। प्यार करने वाला पति, दो-दो बच्चों से भरी गोद, फिर भी बहुत कुछ खो गया था। गाना छूट गया था। पिताजी ने आकाशवाणी से बात की फिर से गाने की शुरुआत हुई।

अनोखी परंपरा

हैदराबाद की शामः रूहानियत खुशबू और सुकून का संगम

आधुनिकता की चमक-दमक और ऊंची-ऊंची इमारतों के बीच भी हैदराबाद का पुराना शहर अपनी परंपराओं को संजोए हुए है। यहां की तंग गलियों और ऐतिहासिक हवेलियों में आज भी एक पुरानी रस्म जीवित है, जो हर शाम मगरिब की अजान के साथ निभाई जाती है। यह परंपरा है घर के दरवाजे खोलना और लोबान या अगरबत्ती की खुशबू से पूरे वातावरण को महकाना। जैसे ही मगरिब की अजान की आवाज गूंजती है, पुराने शहर में एक खास तरह की शांति छा जाती है। दिनभर की हलचल मानो थम जाती है और घरों में एक अलग ही माहौल बन जाता है। इस समय घर की महिलाएं या बुजुर्ग खिड़कियां और मुख्य द्वार खोल देते हैं। साथ ही, मिट्टी के धुएंदान में सुलगते कोयलों पर लोबान डाला जाता है या अगरबत्ती जलाई जाती है, जिससे उठने वाला सुगंधित धुआं पूरे घर को एक रूहानी एहसास से भर देता है।

स्थानीय लोगों के लिए यह केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि घर में सकारात्मक ऊर्जा और सुकून लाने का माध्यम है। कुछ लोगों का मानना है कि दिन और रात के संधिकाल में वातावरण में एक विशेष परिवर्तन होता है, जिसे शुभ माना जाता है। इसी कारण खुले दरवाजे उस सकारात्मकता के स्वागत का प्रतीक माने जाते हैं। हालांकि इसका कोई ठोस धार्मिक आधार नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक विश्वास और जीवनशैली का हिस्सा है। यह प्रथा केवल हैदराबाद तक सीमित नहीं है। भारत के कई हिस्सों में शाम के समय अगरबत्ती जलाना या दीपक जलाने की परंपरा है, जिसे शांति और सकारात्मकता से जोड़ा जाता है। दिलचस्प बात यह है कि यह रिवायत गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल भी पेश करती है। जिस समय मुस्लिम परिवारों में लोबान जलाया जाता है, उसी समय हिंदू परिवारों में संध्या के दौरान दीप जलाकर पूजा की जाती है। दोनों ही परंपराओं में शाम का समय पवित्र और शुभ माना गया है।

हालांकि इस्लामी मान्यताओं के अनुसार मगरिब के समय दरवाजे बंद रखने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इसे संवेदनशील समय माना गया है। ऐसे में दरवाजे खोलने की यह परंपरा अधिकतर सांस्कृतिक रूप में प्रचलित है। इस रस्म के पीछे कुछ व्यावहारिक कारण भी हैं। लोबान का धुआं वातावरण को शुद्ध करने और कीटाणुओं व मच्छरों को दूर रखने में सहायक माना जाता है। वहीं, दरवाजे और खिड़कियां खोलने से घर में ताजी हवा का प्रवाह होता है, जिससे दिनभर की घुटन कम हो जाती है। हैदराबाद की यह परंपरा न केवल सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखे हुए है, बल्कि जीवन में सुकून और संतुलन का संदेश भी देती है।

लोकायन

रूप बदलने वाले बहुरूपिए

शिवचरण चौहान
लेखक

एक बार बादशाह अकबर के दरबार में एक बहरूपिया आया। उसने दरबार में चुनौती दी कि वह ऐसा भेष बदल सकता है कि उसे कोई पहचान नहीं सकता। अगर कोई उसके भेष में कमी निकाल दे, तो वह उसे अपना गुरु बना लेगा। शर्त मान ली गई। एक दिन बादशाह के दरबार में एक बैल घुस आया। सभी दरबारी इधर-उधर भागने लगे। बैल, बादशाह के सिंहासन के पास आकर पंगुराने लगा। तभी बीरबल ने एक कंकड़ बैल की पीठ पर मारा। बैल ने पीठ हिलाई। बस बीरबल बोल पड़ा-"शहंशाह, यह बैल नहीं बहरूपिया है।" बैल चोट लगने से उधर की खाल हिलाता है, जिधर उसे चोट लगती है, किंतु बहरूपिए ने धोखे से दूसरी तरफ की खाल हिला दी। एक छोटी-सी गलती से वह पकड़ा गया। एक समय था जब रूप बदलना एक महत्वपूर्ण कला थी। बहरूपियों का समाज में सम्मान था। वे राजदरबारों में आदर पाते, इनाम-इकराम हासिल करते थे। जयपुर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश के बहरूपिए विख्यात थे। आज बहरूपियों के परिवार संकट में हैं। बहरूपियों की कला को सम्मान देने वाला कोई नहीं बचा। बहरूपियों का इतिहास बहुत प्राचीन है। बहरूपिए राजा, फकीर, साधु, देवी-देवता, डाकू, पागल, विद्वान, राजसैनिक, सिपाही, हरकारा, वैद्य, हकीम, गूजरी, महिला, बैल, बंदर आदि का रूप धारण कर लोगों का मनोरंजन करते थे। आज भी कुछ शहरों में बहरूपियों को कभी-कभार हाट-बाजारों में घूमते देखा जा सकता है। रूप बदलने के लिए बहुरूपिया मिट्टी, सिंदूर, बाल आदि से लेकर आधुनिक साधनों का प्रयोग करते हैं।

होली, दीवाली के त्योहार पर आज भी बहरूपियों को गली, मुहल्लों और बाजारों में घूमते हुए देखा जा सकता है। जैन साहित्य में बहरूपिए की एक कथा प्रसिद्ध है। पाटन-गुजरात के महाराजा कुमार पाल का महामंत्री उदयन एक युद्ध में गंभीर रूप से घायल हो गया। उदयन ने अपने बेटों से कहा- "मेरा अंत समय आ गया है। यदि मैं पंचमहाव्रतधारी महामुनि के दर्शन कर लूं, तो मुझे मोक्ष प्राप्त हो जाए।" युद्ध भूमि में किसी साधु का मिलना मुश्किल था। उसके बेटे वाग्भट्ट के दिमाग में एक बात आई। वह तुरंत एक बहुरूपिए के पास पहुंचा। धन देने का लालच देकर उसे साधु बनाकर ले आया। उदयन ने सामने मुनिराज को देखा तो बहुत प्रसन्न हुआ। चरण-स्पर्श के लिए मुनिराज को पास बुलाया और उसी के चरणों में अपने प्राण त्याग दिए।

वाग्भट्ट जब उसे पैसे देने लगा तो उसने लेने से इंकार कर दिया। बोला-"जिस रूप को देखकर महामंत्री ने परम प्रसन्न व श्रद्धावनत होकर प्राण त्यागे, अब वह रूप नहीं बदलेगा।" सचमुच वह बहुरूपिया साधु बनकर वन में चला गया। बहुरूपियों का कहना है कि नाटक, नौटंकी और टीवी के कारण उनका पेशा लगभग समाप्त हो रहा है। अब लोग आदर नहीं देते। बच्चे जरूर हंसते हैं, पर बड़े लोग भगा देते हैं। उन्हें दुकान-दुकान, मकान-मकान भटकना पड़ता है, तब कहीं शाम को रोटी नसीब होती है। समाज व सरकार यदि बहरूपियों को पुरस्कार, सम्मान या पेंशन देने लगे तो लुप्त होती इस कला को बचाया जा सकता है।

प्राचीन वैश्विक संपर्कों के साक्ष्य : मिस्र की समाधियों में तमिल शिलालेख

अक्सर देखा जाता है कि पर्यटक किसी ऐतिहासिक इमारत या स्थल पर अपना नाम अंकित कर देते हैं। सामान्यतः इसे अनुचित और विरासत के प्रति असंवेदनशील व्यवहार माना जाता है। किंतु विडंबना यह है कि कभी-कभी ऐसी ही लिखावटें इतिहास के कुछ अनजाने अध्यायों को उजागर करने का माध्यम भी बन जाती हैं। हाल के दिनों में सामने आई एक महत्वपूर्ण खोज इसी का उदाहरण है, जिसमें लगभग 2,000 वर्ष पूर्व एक भारतीय पर्यटक सिकाई कोरंन द्वारा मिस्र के प्रसिद्ध 'वैली ऑफ द किंग्स' में प्राचीन तमिल भाषा में अपना नाम आठ बार अंकित किए जाने के प्रमाण मिले हैं। यह खोज न केवल भारतीय उपमहाद्वीप और मिस्र के बीच प्राचीन संपर्कों को रेखांकित करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि सांस्कृतिक और व्यापारिक आदान-प्रदान की परंपरा कितनी गहरी और व्यापक रही है।

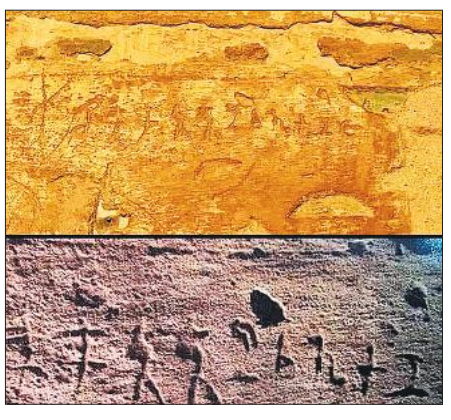

भारतीय उपमहाद्वीप और मिस्र के बीच प्राचीन संपर्कों को रेखांकित करता यह महत्वपूर्ण शोध फ्रांसीसी विद्वान चार्लोट श्मिड और स्विस प्रोफेसर इंगो स्ट्रॉच द्वारा प्रस्तुत किया गया है। उनके अनुसार, मिस्र की विभिन्न समाधियों में प्राप्त भारतीय भाषाई शिलालेखों में से लगभग एक-तिहाई अकेले सिकाई कोरंन द्वारा अंकित हैं। यह तथ्य इस खोज को और भी अधिक विशिष्ट बनाता है, क्योंकि यह किसी एक व्यक्ति की उपस्थिति और उसके सांस्कृतिक हस्ताक्षर का प्रमाण प्रस्तुत करता है। यह शोध "तमिल एपिग्राफी : चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (11-14 फरवरी 2026), कार्यवाही खंड 1" शीर्षक पुस्तक में प्रकाशित हुआ है और इसे फरवरी 2026 में चेन्नई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। इस सम्मेलन में तमिल अभिलेखों, उनके ऐतिहासिक संदर्भों और वैश्विक प्रसार पर गंभीर विमर्श हुआ।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

विशेषज्ञों का मानना है कि सिकाई कोरंन संभवतः एक व्यापारी, यात्री या तीर्थयात्री रहे होंगे, जो उस समय के समुद्री व्यापार मार्गों के माध्यम से भारत से मिस्र पहुंचे। स्पष्ट है कि प्राचीन काल में दक्षिण भारत, विशेषकर तमिल क्षेत्र, रोमन साम्राज्य और मिस्र के साथ सक्रिय व्यापारिक संबंध रखता था। मसाले, वस्त्र, मोती और हाथी-दांत जैसी वस्तुएं भारत से निर्यात होती थीं, जबकि सोना, चांदी और अन्य विलासितापूर्ण वस्तुएं आयात की जाती थीं। मिस्र के मकबरों में तमिल लिपि में अंकित नाम इस बात के प्रमाण हैं कि भारतीय व्यापारी या यात्री न केवल वहां पहुंचते थे, बल्कि उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए स्थानीय स्मारकों पर लेखन भी किया। यह प्रवृत्ति आज के "ग्रैफिटी" के समान है, जहां व्यक्ति किसी स्थान पर अपने अस्तित्व का चिह्न छोड़ता है। हालांकि प्राचीन संदर्भ में यह केवल व्यक्तिगत अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उपस्थिति का भी संकेत है। इस खोज का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह भारतीय भाषाओं विशेषतः तमिल-की प्राचीनता और उसके अंतर्राष्ट्रीय प्रसार को रेखांकित करती है।

तमिल विश्व की सबसे प्राचीन जीवित भाषाओं में से एक है और इस प्रकार के शिलालेख उसके ऐतिहासिक विस्तार के ठोस प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के लिए यह खोज अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वैश्विक इतिहास के उस पक्ष को उजागर करती है, जिसमें विभिन्न सभ्यताओं के बीच संपर्क और संवाद स्थापित था। यह केवल व्यापार तक सीमित नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक, भाषाई और मानवीय स्तर पर भी सक्रिय था। अंततः सिकाई कोरंन द्वारा छोड़े गए ये तमिल शिलालेख हमें यह समझने में मदद करते हैं कि प्राचीन विश्व उतना अलग-थलग नहीं था, जितना अक्सर माना जाता है। बल्कि, यह एक जीवंत, परस्पर जुड़ा हुआ संसार था, जहां लोग, भाषाएं और संस्कृतियां सीमाओं को पार कर एक-दूसरे से संवाद कर रही थीं। यह खोज न केवल अतीत की एक रोचक कहानी है, बल्कि वर्तमान में वैश्विक सांस्कृतिक संवाद की जड़ों को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

हुईं आंखें नम

रात की खामोशी में 'चांदनी' मुस्कुराती है,
कहीं दूर से उनकी आवाज चली आती है।
कभी "पिया तू अब तो आजा..." की धुन,
ये दिल को मचलाने लगती 'गीत' को सुन।
कभी "दम मारो दम" की जबरदस्त मस्ती,
रूह में रंग भर जाती है आशा ताई हस्ती।
हर युग, हर दौर में उनका 'जादू' है कायम,
सदियों गूंजेगा ये सुर हर पीढ़ी को नायब।

जो उन्होंने हमें दिया है गजल या हो ठुमरी,
देखी फिल्मी गीतों की 'रंग-रंगीली' झुमरी।
मधुर स्वर की छाया हर दिल को छू जाती,
'संगीत' की रंगीन दुनिया में सबको रमाती।
आशाजी ने लिखा है संगीत में अपना नाम,
कोई जब गीत बजे दिल को रख लेते थाम।
उनकी मीठी तान सुन के हर दर्द खो जाता,
हुईं आंखें नम हमारी तोड़ गईं जैसे माता।

-संजय एम तराणेकर, कवि

गोल्ड ईटीएफ में 31,561 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली। भू-राजनीतिक तनाव के बीच निवेशकों के पारंपरिक सुरक्षित निवेश विकल्प की ओर रुख करने से जनवरी-मार्च तिमाही में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में 31,561 करोड़ रुपये का निवेश हुआ जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग छह गुना वृद्धि दर्शाता है।

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 15 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन-तुलसी 2595, राज श्री 1980, फ़ॉर्चून कि. 2715, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2395, जय जवान 2125, सचिन 2320, सूरज 2125, अवसर 2100, उजाला 2130, गृहणी 13 kg 2160, क्लासिक (kg) 2500, मोर 2330, चक्र टिन 2565, ब्लू 2410, आशीर्वाद मस्टर्ड 2480, स्वास्तिक 2550

किराना-निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल-(प्रति कु0)-डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7000, शरबती कच्ची 6250, शर्बती स्टीम 6450, मंसूरी 4300, महबूब सेला 4850, गौरी रॉयल 9800, राजभोग 7450, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10900, हरी पत्ति नेचुरल 9900, गौरी स्पेशल 9400, गौरी प्रीमियम 10900, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4300

दाल दलहन- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10300-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी- पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280, रोज़ा 4280

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम- सोना पक्के आभूषण 152300, सोना गिन्नी 148300, चांदी (पक्की) 2430 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

नोट : दाम प्रति क्विंटल में

चावल : शरबती- 3400 मसूरी- 1600 बासमती- 7200-8200 परमल- 1200-3800

दाल दलहन- काला चना- 2000-3400 साबुत चना दाल- 1000 मूंग साबुत- 5600 राजमा- 7600-12400 दाल उड़द- 5200 साबुत मसूर दाल- 2200 मसूर दाल- 1600 उड़द साबुत- 10200 काबुली चना- 5200-10200अरहर दाल- 10000 -12200 लोबिया/करमानी- 1400-3800

ऊंची बनी रह सकती हैं ईंधन, उर्वरक की कीमतें

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने संयुक्त बयान में जतायी चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का कहना है कि पश्चिम एशिया में युद्ध से स्थिति अनिश्चित बनी रहने के मद्देनजर ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक समूह के प्रमुखों ने पश्चिम एशिया में युद्ध के ऊर्जा एवं आर्थिक प्रभावों से निपटने के लिए इस महीने की शुरुआत में गठित समन्वय समूह के हिस्से के रूप में यहां मुलाकात की। संयुक्त बयान में तीनों संस्थानों ने कहा कि युद्ध के कारण लोगों का जबरन विस्थापन हुआ है, रोजगार प्रभावित हुए हैं और यात्रा व पर्यटन में गिरावट आई है जिसे सामान्य होने में समय लग सकता है।

बयान में कहा गया कि जैसा कि हमने इस महीने की शुरुआत में उल्लेख किया था कि युद्ध का प्रभाव व्यापक, वैश्विक और अत्यधिक असमान है। इसका असर खास तौर पर ऊर्जा आयात करने वाले देशों और निम्न-आय वाले देशों पर अधिक पड़ा है। इसमें कहा गया कि इस झटके के कारण तेल, गैस एवं उर्वरकों की कीमतें बढ़ी हैं जिससे खाद्य सुरक्षा तथा रोजगार को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं।

बयान के अनुसार, पश्चिम एशिया के कुछ तेल एवं गैस उत्पादक देशों को निर्यात राजस्व में भी भारी नुकसान हुआ है। इसमें कहा गया कि पश्चिम एशिया की स्थिति अब भी बेहद अनिश्चित है और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का आवागमन अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हुआ है। समन्वय समूहों ने कहा, भले ही होर्मुज जलडमरूमध्य से सामान्य आवाजाही बहाल हो जाए, फिर भी प्रमुख वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति को युद्ध के पूर्व स्तर पर लौटने में समय लगेगा और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान के कारण ईंधन एवं उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं।

कहा गया कि आपूर्ति में बाधाओं के कारण आवश्यक कच्चे माल की कमी से ऊर्जा, खाद्य एवं अन्य उद्योगों पर असर पड़ सकता है। युद्ध के कारण लोगों का विस्थापन, रोजगार पर असर और यात्रा व पर्यटन में कमी आई है जिसे सामान्य होने में समय लगेगा। इन तीनों संस्थानों के प्रमुखों ने ऊर्जा बाजार, वैश्विक अर्थव्यवस्था और विभिन्न देशों पर युद्ध के प्रभाव के अपने ताजा आकलन साझा किए। यह बैठक आईईए की मासिक ऑयल मार्केट रिपोर्ट और आईएमएफ के 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' जारी होने से पहले हुई।

पेट्रोल पर 18, डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर का घाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे माल की लागत में भारी बढ़ोतरी के बावजूद सरकारी तेल विपणन कंपनियों के पंप कीमतों को स्थिर रखे हुए हैं जिसके कारण पेट्रोल पर नुकसान बढ़कर 18 रुपये और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर हो गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। कीमतों को एक दशक से अधिक पहले विनियमन-मुक्त किए जाने के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अप्रैल 2022 से पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। ये तीनों कंपनियां प्रतिदिन करीब 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही थीं, जो अब सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर 10-10 रुपये प्रति लीटर उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद घटकर लगभग 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन रह गया है।

तीन गुना हुआ मार्च में रूस से कच्चे तेल का आयात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की मार्च, 2026 में रूस से कच्चे तेल की खरीद तीन गुना से अधिक होकर 5.3 अरब यूरो रही है। यह वृद्धि आयात मात्रा दोगुनी होने और वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के कारण हुई। यूरोपीय शोध संस्था सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में खरीद में गिरावट के बाद मार्च में भारत ने रूस से तेल की खरीद फिर तेज कर दी। रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च, 2026 में भारत रूस से जीवाश्म ईंधन खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश रहा। इस दौरान भारत ने कुल 5.8 अरब यूरो के रूसी ईंधन उत्पादों का आयात किया, जिनमें कच्चे तेल की हिस्सेदारी 91 प्रतिशत (5.3 अरब यूरो) रही।

मझोले स्तर पर बढ़ेंगी भर्तियां पांच से 10 प्रतिशत वेतन बढ़ने का अनुमान : रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी

कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने की दर में तेजी से जुड़ी चिंताओं के बीच भारतीय कॉरपोरेट जगत में 2026-27 के दौरान भर्ती मुख्य रूप से मझोले स्तर के पदों पर केंद्रित रहने और वेतन वृद्धि पांच से 10 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

कार्यबल भर्ती से जुड़ी कंपनी जीनियस एचआरटेक की यह रिपोर्ट कहती है कि 49 प्रतिशत कंपनियों ने मझोले स्तर के पेशेवरों की भर्ती पर प्रमुख रूप से ध्यान केंद्रित करने की बात कही है। कुल कार्यबल विस्तार के संदर्भ में 28 प्रतिशत संगठनों ने 10-15 प्रतिशत से अधिक की भर्ती वृद्धि की योजना जताई, जबकि 43 प्रतिशत ने शून्य से पांच प्रतिशत की सीमित बढ़ोतरी का अनुमान व्यक्त किया। वेतन के मोर्चे पर 46 प्रतिशत कंपनियां पांच से 10 प्रतिशत वृद्धि की योजना बना रही हैं, जबकि 34 प्रतिशत कंपनियों ने 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी का संकेत दिया है। नए श्रम कानूनों के लागू होने से 57 प्रतिशत कंपनियां अपने वेतन ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, वेतन वृद्धि का सबसे अधिक लाभ मध्यम-वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों (48 प्रतिशत) को मिलने की संभावना है, जबकि कनिष्ठ एवं वरिष्ठ स्तर का हिस्सा क्रमशः 26 एवं 22 प्रतिशत रहेगा।

कर्मचारियों का नौकरियां छोड़ना चिंता का विषय

कर्मचारियों का नौकरी छोड़ना कंपनियों के लिए चिंता का प्रमुख विषय बना हुआ है। करीब 55 प्रतिशत संगठनों ने 10-20 प्रतिशत कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने का अनुमान जताया, जबकि 15 प्रतिशत कंपनियों ने इस दर के 20 प्रतिशत से अधिक रहने की आशंका जताई। रिपोर्ट कहती है कि खासकर युवा कर्मचारियों में काम का लचीलापन, उद्देश्य और तेज करियर प्रगति जैसी अपेक्षाएं नौकरी छोड़ने की स्थिति को प्रभावित कर रही हैं।

भारत की मजबूत बुनियाद तेल संकट का प्रभाव कम करने में होगी सहायक: एसएंडपी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की मजबूत वृहद आर्थिक और वित्तीय बुनियाद कच्चे तेल की कीमतों में लगातार होने वाले उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने में मददगार हो सकती है। हालांकि, अगर 2026 में कच्चे तेल की औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो आर्थिक वृद्धि दर में 0.80% तक की गिरावट आ सकती है।

इस परिदृश्य के तहत, वित्त वर्ष 2026-27 में कंपनियों की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और ट्रेडमार्क, पेटेंट तथा अन्य संपत्ति की समय बढ़ने के साथ लागत में कमी के आकलन से पहले की आय (ईबीआईटीडीए) में 15-25 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इससे कर्ज में 0.5 गुना से एक गुना तक बढ़ने का अनुमान है। वहीं बैंकिंग क्षेत्र की परिसंपत्ति की गुणवत्ता कमजोर हो सकती है, जिससे एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) लगभग 3.5 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध से उत्पन्न झटकों से भारत अछूता नहीं है। ऊर्जा की ऊंची कीमतों और आपूर्ति में व्यवधान की समस्या कई महीनों तक बनी रह सकती है, जिससे सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। हालांकि, कंपनियों का मजबूत बही-खाता, बैंकों में अच्छी पूंजी और मजबूत बाह्य स्थिति इस प्रभाव से बचाव प्रदान करेंगे।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने तनावपूर्ण स्थिति में ब्रेंट क्रूड की कीमत 2026 में 130 डॉलर और 2027 में 100 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया है, जबकि तुलनात्मक आधार पर यह कीमत क्रमशः 85 डॉलर और 70 डॉलर है। एजेंसी को भारत की रेटिंग पर तत्काल किसी प्रभाव की उम्मीद नहीं है।

हालांकि, राजकोषीय मोर्चे पर मजबूत प्रयासों को अस्थायी रूप से झटका लग सकता है। तेल की ऊंची कीमतों से चालू खाता घाटा बढ़ सकता है। अनुमान के अनुसार, 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से यह घाटा जीडीपी के लगभग 0.4 % तक बढ़ सकता है।

यूपीआई ने पिछले साल पार किया 228 अरब लेनदेन का आंकड़ा

मुंबई, एजेंसी। भुगतान सेवाओं में अग्रणी वैश्विक कंपनी वर्ल्डलाइन ने मंगलवार को कहा कि भारत में डिजिटल भुगतान के वातावरण में अब परिपक्वता आ चुकी है और साल 2025 में इसका आंकड़ा 228 अरब लेनदेन का पार गया। वर्ल्डलाइन की वार्षिक रिपोर्ट 'इंडिया डिजिटल पेमेंट्स रिपोर्ट-ईयर 2025 इन रिव्यू' में कहा गया है कि अब देश में यूपीआई, काइर्स और भारत बिलपे जैसे भुगतान प्लेटफॉर्म एक-दूसरे के पूरक रूप में काम कर रहे हैं। इससे पूरी तरह डिजिटल और सातों दिन चौबीसों घंटे चलने वाली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूपीआई के जरिये साल 2025 में 228.5 अरब लेनदेन किये गये जो साल-दर-साल 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इन लेनदेन का कुल मूल्य 299.74 लाख करोड़ रुपये रहा। अब रोजाना होने वाले अधिकांश लेनदेन इसी प्लेटफॉर्म पर हो रहा है। वर्ल्डलाइन के अनुसार, भारत धीरे-धीरे छोटे-छोटे ट्रांजेक्शन वाली अर्थव्यवस्था बन रहा है। छोटे-छोटे लेनदेन अब नकद की जगह डिजिटल माध्यमों से हो रहे हैं - चाहे वह स्थानीय दुकानों, परिवहन या रोजमर्रा की सेवाओं में हो। साथ ही यूपीआई क्यूआर कोड की संख्या 15% बढ़कर अब 73.14 करोड़ पर पहुंच गयी है।

काम की बात

Pivot क्या है और कब करना चाहिए

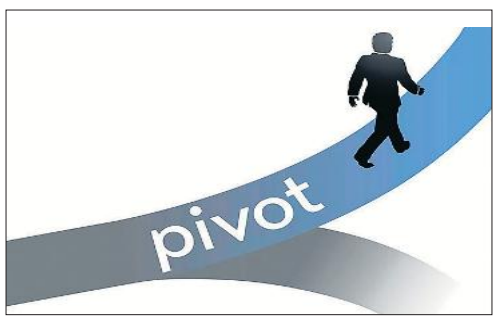

कारोबार डेस्क

स्टार्टअप की दुनिया में एक शब्द बहुत कॉमन है- Pivot (पिवट), यह एक छोटा सा शब्द बड़े काम का है। यह एक शब्द ही किसी डूबते बिजनेस को फलक पर ले जा सकता है। स्टार्टअप जगत में Pivot का अर्थ होता है बिजनेस की दिशा, प्रोडक्ट या स्ट्रेटेजी में डेटा और बाजार के हिसाब से परिवर्तन करना। कई बिजनेस फाउंडर्स समय पर Pivot नहीं करते और गलत मॉडल से चिपके रहते हैं, जिससे कंपनी पर बोझ बढ़ता जाता है और अंतत: बिजनेस बिजनेस फेल होने की नौबत आ जाती है। यदि सही समय पर Pivot कर लिया जाये तो घाटे में जाता हुए बिजनेस भी ग्रोथ इंजन बन सकता है। कई बड़े स्टार्टअप जो आज यूनिकॉर्न हैं, उन्होंने समय रहते ही अपना आइडिया बदल दिया था। अर्थात Pivot = फेल होना नहीं, बल्कि स्मार्ट तरीके से दिशा परिवर्तन करना है। आइये समझते हैं कि पिवट कब करना चाहिए-

पिवट क्या होता है?

- पिवट का अर्थ है कंपनी को बंद किए बिना बिजनेस मॉडल, प्रोडक्ट, टारगेट कस्टमर या स्ट्रेटेजी में परिवर्तन करना। यह नया स्टार्टअप बनाने के स्थान पर पुराने अनुभवों के आधार पर सही दिशा में आगे बढ़ना होता है।

कब करना चाहिए?

- **जब प्रोडक्ट मार्केट के लिए फिट नहीं बैठ रहा हो**
अगर लोग आप जैसे प्रोडक्ट उपयोग तो कर रहे हैं, लेकिन आपसे नहीं खरीद रहे, तो पिवट जरूरी हो जाता है।
- **राजस्व नहीं आ रहा या लगातार घट रहा हो**
निरंतर कम बिक्री, ग्राहकों की पुनरावृत्ति कम होने का अर्थ है कि आपका बिजनेस मॉडल सही नहीं है, उसमें बदलाव जरूरी है।
- **खर्च ज्यादा और कमाई कम हो**
जब खर्च तेजी से बढ़ रहा हो और कमाई स्थिर हो या कम हो रही हो, तो पिवट ही कारोबार को संजीवनी दे सकता है।
- **मार्केट बदल चुका हो**
आजकल तकनीकि क्षेत्र,एआई, जैसे क्षेत्र में मार्केट बहुत तेजी से बदलता है। इसमें प्रत्येक कुछ महीनों के अंतराल पर नये अपडेट होते रहते हैं। ऐसे में बदलाव करने ही होंगे।
- **बदल जाए ग्राहक का व्यवहार**
अगर बड़ी संख्या में ग्राहकों की मांग बदल गयी हो तो भी बिजनेस में पिवट करने का सही समय माना जाता है।

पिवट कितने प्रकार के हो सकते हैं

- **प्रोडक्ट पिवट** = प्रोडक्ट बदलना या नया वर्जन बनाना।
- **कस्टमर पिवट**=नए टारगेट ऑडियंस पर फोकस करना।
- **बिजनेस मॉडल पिवट**= रेवेन्यू मॉडल बदलना।
- **टैक्नोलॉजी पिवट**=नई टेक्नोलॉजी अपनाना।
- **मार्केट पिवट** = नए शहर या नए मार्केट में जाना।

पिवट एक रणनीतिक बदलाव है न कि घबराहट में उठाया कदम।

पिवट से डर के कारण

- भावनात्मक लगाव
- ईगो प्रॉब्लम
- निवेशकों का दबाव
- लागत भ्रांति

कब नहीं करें

- सिर्फ ट्रेंड देखकर
- घबराकर या
- प्रतियोगी को हराने की मंशा से

काम की बात

- पिवट कारोबारी दुनिया का सबसे शक्तिशाली लेकिन गलत समझा जाने वाला निर्णय होता है। यह पराजय नहीं, बल्कि बिजनेस को डूबने से बचाने के लिए किया जाने वाला बदलाव होता है। जो फाउंडर्स समय पर डेटा देखकर Pivot कर लेते हैं, वे लंबे समय तक टिकते हैं। अन्यथा अपने ही बिजनेस को स्वयं डुबो देते हैं।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

प. बंगाल में भय का माहौल; बलात्कार हत्याएं, राजनीतिक हिंसा चरम पर : मोदी

'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं से किया ऑनलाइन संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भय का माहौल है, जहां हत्या, बलात्कार, दंगे और राजनीतिक हिंसा की घटनाएं चरम पर पहुंच गई हैं। मोदी ने कहा कि बंगाल में लोगों के बीच भाजपा को लेकर ऊर्जा और उत्साह वास्तव में उल्लेखनीय है।

मोदी ने 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पश्चिम बंगाल के कार्यकर्ताओं से डिजिटल माध्यम से संवाद करते हुए कहा कि राज्य के लोग वाम मोर्चा के शासन में हुए अत्याचारों से मुक्ति पाने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को सत्ता में लाए थे, लेकिन ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार अपनी पूर्ववर्ती सरकारों से भी आगे निकल गई है।

मोदी ने कहा कि उन्हें पूरे पश्चिम बंगाल में भय का माहौल दिखाई दे रहा है, जहां युवा नौकरी

को लेकर चिंतित हैं, आलू किसान टीएमसी के सिंडिकेट से डरते हैं और सरकारी कर्मचारियों को अपने अधिकार पाने के लिए अदालत जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भय का वातावरण है। हत्याएं, बलात्कार, दंगे और राजनीतिक हिंसा अपने चरम पर हैं। हर कोई बहुत परेशान है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी शासन को कट-मनी सरकार करार देते हुए कहा कि यह आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है।

प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं को मुक्तकंठ से सराहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा- यह आप सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हर कार्यक्रम में मैं आपकी मेहनत देखता हूं और समाज के सभी वर्ग सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। यह अपने आप में बहुत उत्साहजनक अनुभव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की अटूट प्रतिबद्धता पार्टी की जड़ों को और मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि मेरा बूथ सबसे मजबूत के मंत्र के साथ आप अपने-अपने बूथ पर लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंच रहे हैं। टीएमसी की निर्दयी सरकार के भय के बारे में अच्छी तरह लोगों को बता रहे हैं। मोदी ने कहा कि आगामी पश्चिम बंगाल चुनावों के लिए भाजपा के घोषणापत्र को भी लोग काफी सराह रहे हैं।

संविधान को नष्ट कर रही है भाजपा-आरएसएस की नफरत भरी सोच: राहुल गांधी

रायगंज/मालदा (पश्चिम बंगाल), एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 'नफरत भरी सोच' संविधान को नष्ट कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस राज्य के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है।

रायगंज और मालदा में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने बेरोजगारी भत्ते का वादा किया था जिसके लिए 84 लाख युवाओं ने आवेदन किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पांच लाख लोगों को नौकरियां देने का वादा किया था। लेकिन 84 लाख युवाओं ने बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन किया है। राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए उन पर नफरत भरी सोच से संविधान को नष्ट करने और 'वोट चोरी में लिप्त' होने का आरोप भी लगाया। गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को 'असंवैधानिक' करार दिया। उन्होंने भाजपा पर चुनाव जीतने के लिए धर्म और जाति के नाम पर एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने का आरोप लगाया।

चुनाव आयोग के प्रारूप के तहत तार्किक विसंगति मान्य नहीं : ममता

कोलकाता, एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत प्रयुक्त तार्किक विसंगति निर्वाचन आयोग के प्रारूप के तहत आधिकारिक रूप से मान्य नहीं है और इसका इस्तेमाल बिहार के विपरीत पश्चिम बंगाल में चुनिंदा ढंग से भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया है।

पश्चिम मेदिनीपुर के पिंगला, पूर्व मेदिनीपुर के तमलुक और हावड़ा के डोमजूर में जनसभाओं को संबोधित करते हुए बनर्जी ने महिलाओं से अपील की कि यदि लोगों को मतदान से रोकने की कोशिश की जाए तो वे डटकर मुकाबला करें। मुख्यमंत्री ने कहा-निर्वाचन आयोग के ढांचे में तार्किक विसंगति जैसा कोई आधिकारिक शब्द नहीं है। इसे बिहार के विपरीत पश्चिम बंगाल में चुनिंदा तरीके से लागू किया जा रहा है ताकि भारतीय जनता पार्टी को फायदा पहुंचाया जा सके। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मैंने ऐसी ओछी पार्टी कभी नहीं देखी। बनर्जी ने कहा

किकेंद्रीय बलों का काम शांति बनाए रखना है, हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अगर वे लोगों को वोट डालने से रोकेंगे तो क्या होगा? मैं महिलाओं से अनुरोध करूंगी कि वे अपने हाथों में झाड़ू रखें और बूट पहने एवं हथियार लिए लोगों के खिलाफ मजबूती से खड़ी हों। मैं किसी को हमला करने या दंगा भड़काने को नहीं कह रही, लेकिन अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आपको हर संभव प्रयास करना होगा। आरोप लगाया ... अगर आपका एकमात्र उद्देश्य यहां शांति बनाए रखना था, तो आप पश्चिम बंगाल पुलिस का इस्तेमाल कर सकते थे।

भाजपा : महिलाओं को 2000 और हर घर को 10 हजार देने का वादा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्ना द्रमुक) की सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को विधानसभा चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। भाजपा की ओर से जारी घोषणा पत्र में कई मुफ्त योजनाओं की घोषणा की गयी, जिनमें से कुछ अहम योजनाएं वैसी ही हैं जैसी सत्तारूढ़ द्रमुक के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने पेश की थीं। भाजपा ने हर परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपये और हर परिवार को एक बार में 10,000 रुपये की नकद सहायता देने का वादा किया है, ताकि महंगाई के दबाव से राहत मिल सके। इसके अलावा, पार्टी ने साल में तीन एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देने का भी वादा किया है। पार्टी ने योग्य महिलाओं को ई-स्कूटर खरीदने के लिए 25,000 रुपये की आर्थिक मदद देने का भी संकल्प लिया है। एक ओर जहां द्रमुक ने राज्य की 1.31 करोड़ महिलाओं को दी जाने वाली मौजूदा 1,000 रुपये की राशि को बढ़ाकर 2,000 रुपये करने का आश्वासन दिया है, वहीं अन्ना द्रमुक ने भी अपने घोषणापत्र में इस राशि को बढ़ाकर 2,000 रुपये करने की घोषणा की है।

तमिलनाडु: टीवीके की सरकार बनी तो किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा : विजय

तिरुपुर (तमिलनाडु), एजेंसी। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) अध्यक्ष विजय ने तमिलनाडु की सत्ता में आने पर किसानों के फसल ऋण माफ करने का मंगलवार को भरोसा दिया और राज्य में कथित तौर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बंद करने के मामले में एमके स्टालिन-नीत द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की कड़ी आलोचना की। अभिनय से राजनीति में आए विजय ने यहां आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए वादा किया कि पांच एकड़ से कम जोत वाले छोटे किसानों का शत-प्रतिशत, जबकि पांच एकड़ से अधिक जोत वाले किसानों का 50 प्रतिशत फसल ऋण माफ किया जाएगा। विजय ने धान के लिए 3,500 रुपये प्रति क्विंटल और गन्ने के लिए 4,500 रुपये प्रति टन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का भी वादा किया।

परिसीमन को लेकर केंद्र पर बरसे स्टालिन, बोले- अपनी साजिश को कानूनी का रूप देने का प्रयास कर रही सरकार

वेल्लोर (तमिलनाडु),एजेंसी। प्रस्तावित परिसीमन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर एक और हमला बोलते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनसंख्या नियंत्रण उपायों को लागू करने वाले दक्षिणी राज्यों को दंडित करने की कोशिश कर रही है। संसद के 16 अप्रैल से शुरू होने वाले सत्र का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सत्र के दौरान केंद्र सरकार इस मामले में अपनी साजिश को कानून का रूप देने की योजना बना रही है। यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए द्रमुक अध्यक्ष ने कहा कि जब हम परिसीमन और संबंधित मामलों के संबंध में तमिलनाडु के समक्ष उत्पन्न खतरों और केंद्र में फासीवादी भाजपा सरकार के कामकाज पर बोलने की कोशिश करते हैं, तो तथाकथित विद्वान लोग, उदाहरण के लिए पीयूष गोयल, अहंकार के साथ बोलते हैं। मैं उनसे संयम से बोलने के लिए कहता हूं।

वर्ल्ड ब्रीफ

तुर्किये में स्कूल में की गोलीबारी, 16 घायल

अंकारा। दक्षिणपूर्वी तुर्किये के एक वोकेशनल हाई स्कूल में मंगलवार को एक पूर्व छात्र ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 16 लोग घायल हो गए। हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मारकर जान दे दी। सानलिउर्फा के राज्यपाल हसन सिल्दाक ने बताया कि 18 वर्षीय हमलावर के पास एक शॉटगन थी और उसने सानलिउर्फा प्रांत के सिवेरेक स्थित इस स्कूल में अंधाधुंध गोलीबारी की और फिर उसी इमारत के अंदर छिप गया। उन्होंने बताया कि हमलावर ने बाद में उसी बंदूक से खुद को गोली मारकर अपनी जान ले ली। सिल्दाक ने बताया कि इस हमले में 10 छात्र, चार शिक्षक, कैंटीन का एक कर्मचारी तथा एक पुलिस अधिकारी घायल हो गए।

स्पेन ने तेहरान में फिर से खोला दूतावास

मॉस्को। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद स्पेन ने तेहरान में अपना दूतावास फिर से खोल दिया है। स्पेन के राजनयिक मिशन ने यह जानकारी दी है। दूतावास ने सोमवार को एक्स पर कहा, "हम तेहरान लौट रहे हैं। संघर्ष विराम के बाद ईरान में स्पेनिश दूतावास फिर से खुल रहा है। राजदूत एंटोनियो सांचेज-बेनेडिटो गैस्पर, राजनयिक टीम और स्थानीय कर्मचारियों के साथ, शांति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से काम पर लौट रहे हैं। स्पेन के दूतावास को सात मार्च को खाली करा लिया गया था।

बांग्लादेशी पर मानव तस्करी का आरोप

न्यूयॉर्क। सेंट्रल अमेरिका के रास्ते कई लोगों को अवैध तरीके से अमेरिका लाने की साजिश में शामिल होने के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक को ब्राजील से प्रत्यर्पित किया गया है। सैफ उल इस्लाम (39) को टेक्सास के लारेडो में अदालत में पेश किया गया। टेक्सास के सदर्न डिस्ट्रिक्ट में एक अभ्यारोपण में इस्लाम पर एक व्यक्ति को गैर-कानूनी तरीके से अमेरिका लाने की साजिश रचने और वित्तीय लाभ के लिए लोगों को सेंट्रल अमेरिका के रास्ते अमेरिका लाने के कई मामलों में आरोप लगाया गया है।

जेलेंस्की ने की जर्मन चांसलर से मुलाकात

बर्लिन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को बर्लिन में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात की। यूक्रेन-रूस युद्ध में कीव का समर्थन करने वाले देशों में जर्मनी प्रमुख है। यह युद्ध अब पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने भी अपने यूक्रेनी समकक्ष मिखाइलो फेडोरोव के साथ बातचीत की है।

राजदूत ने बाबासाहेब को दी श्रद्धांजलि

पेरिस। संयुक्तराष्ट्र संघ के पेरिस स्थित संगठन यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत विशाल वी शर्मा ने अंबेडकर जयंती पर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। राजनयिक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। शर्मा ने यूनेस्को की कार्यकारी परिषद के 224वें सम्मेलन के दौरान अलग से आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में डॉक्टर अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पाकिस्तानी राजदूत ने भारत की सराहना की

मॉस्को। रूस में पाकिस्तान के राजदूत ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद के परमाणु सुरक्षा रिकॉर्ड की सराहना करते हुए दावा किया कि दोनों देशों ने एक-दूसरे की परमाणु सुविधाओं पर हमला न करने की पारस्परिक गारंटी दी है। राजदूत फैसल नियाज तिरमिजी ने निजी समाचार पोर्टल आरटीवीआई डॉट कॉम में कहा कि पश्चिम एशिया में वर्तमान संघर्ष के मद्देनजर ऐसी गारंटी का विशेष महत्व है।

स्किन केयर प्रोडक्ट : केमिकल कॉकटेल से सेहत को नुकसान

आज के दौर में 'ग्लोइंग स्किन' की चाहत ने ब्यूटी इंडस्ट्री को अरबों डॉलर का साम्राज्य बना दिया है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और विज्ञापनों के दबाव में आकर लोग बिना सोचे-समझे अपनी त्वचा पर रसायनों का प्रयोग कर रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस क्रीम को आप अपनी सुंदरता निखारने के लिए लगा रहे हैं, वह आपके हॉर्मोन्स को बिगाड़ सकती है या कैंसर का कारण बन सकती है?

नेचुरल और हर्बल दावों का सच

- ग्रीनवॉशिंग : मार्केटिंग में इन शब्दों का इस्तेमाल अक्सर उपभोक्ताओं को लुभाने के लिए ग्रीनवॉशिंग के रूप में किया जाता है।
- भ्रामक लेबलिंग : कई बार किसी क्रीम में 1% हर्बल तत्व होने पर भी उसे हर्बल बता दिया जाता है, जबकि बाकी 99% हिस्सा सिंथेटिक रसायनों से बना होता है।
- सुरक्षा का भ्रम : यह सोचना गलत है कि हर नेचुरल चीज सुरक्षित है। उदाहरण के लिए, नींबू या टमाटर जैसे प्राकृतिक एसिड संवेदनशील त्वचा पर गंभीर जलन पैदा कर सकते हैं।
- सनस्क्रीन का सच : कुछ हर्बल सनस्क्रीन पर्याप्त एसपीएफ प्रदान नहीं करते हैं, जिससे आप सूरज की हानिकारक किरणों के प्रति असुरक्षित रहते हैं।

स्किन केयर में छिपे खतरनाक रसायन

- पैराबेन्स : ये प्रिजर्वेटिव्स के रूप में इस्तेमाल होते हैं, शरीर में हार्मोनल असंतुलन पैदा कर सकते हैं, जिसे स्तन कैंसर के जोखिम से जोड़ा गया है।
- सल्फेट : ये झाग बनाने में उपयोग किए जाते हैं, ये त्वचा की प्राकृतिक नमी छीन लेते हैं, जिससे खुजली, सूखापन, आंखों में जलन हो सकती है।
- हाइड्रोक्विनोन : गोरा बनाने वाली क्रीमों में मौजूद यह ब्लीचिंग एजेंट त्वचा को बहुत पतला कर देता है। लंबे समय में नीला-काला पिगमेंटेशन पैदा कर सकता है।
- पारा (मर्करी) : गोरा बनाने वाले उत्पादों में इसकी मात्रा निर्धारित सीमा से 100 गुना अधिक तक पाई गई है, जिससे किडनी फेलियर और दिमाग संबंधी बीमारियां हो सकती हैं।
- थैलेट्स : खुशबू और बनावट सुधारने के लिए उपयोग किए जाने वाले ये रसायन प्रजनन विषैलेपन से जुड़े हैं।

नियामक खामियां

- नियंत्रण : भारत में सौंदर्य प्रसाधन ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत नियंत्रित होते हैं।
- खामी : नियामक संस्थाएं बाजार में आने से पहले हर उत्पाद के लेबल को मैन्युअली चेक नहीं करतीं, जिससे कंपनियों को सामग्री छिपाने का मौका मिल जाता है।
- अनिवार्य लेबलिंग : लेबल पर सभी सामग्रियों की सूची, निर्माता का नाम, बैच नंबर और समाप्ति तिथि होना अनिवार्य है।

TSDF महामारी

- भारतीय डर्मेटोलॉजिस्ट्स के अनुसार, भारत में Topical Steroid-Dependent Face (TSDF) एक गंभीर समस्या बन चुका है।
- उत्तर प्रदेश के एक सरकारी अस्पताल (GIMS) में 2025 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि गोरा बनाने वाली क्रीमों के दुरुपयोग के कारण 87.5% मरीजों में त्वचा का पतला होना और 87.5% में सफेद धब्बे देखे गए।

गोरा बनाने के दावों की हकीकत

- विज्ञापनों का स्कैम : कई कंपनियां तीन हफ्ते में गोरापन जैसे झूठे दावे करती हैं, जिनके लिए उपभोक्ता फोरम उन पर भारी जुर्माना भी लगा चुके हैं।
- छिपे हुए स्टेरॉयड : कई सस्ती या बिना लेबल वाली क्रीमों में स्टेरॉयड होते हैं। ये शुरुआत में चेहरा साफ दिखाते हैं, लेकिन बंद करने पर चेहरा काला पड़ने लगता है।

महिला आरक्षण कानून लागू होने पर और मजबूत बनेगा लोकतंत्र

महिलाओं के नाम लिखे पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा-तेज होगी विकास यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि यदि 2029 में लोकसभा और विभिन्न विधानसभाओं के चुनाव महिला आरक्षण के पूर्ण रूप से लागू होने के साथ कराए जाते हैं तो भारतीय लोकतंत्र और अधिक मजबूत तथा जीवंत बनेगा।

देश की महिलाओं को लिखे एक पत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह भी कहा कि जब महिलाएं नीति-निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करेंगी तब विकसित भारत की यात्रा और अधिक सशक्त एवं तेज होगी। इसलिए यह अनिवार्य है कि हम अपने विकास की गति को तेज करने के लिए हर संभव प्रयास करें और इसके लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अपरिहार्य है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी सिद्धांत पर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ था और इसी सिद्धांत के कारण यह संविधान संशोधन समय की आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए विधायी निकायों में उनकी हिस्सेदारी बढ़ना उचित है। उन्होंने कहा कि संसद की तीन दिवसीय बैठक 16 अप्रैल से शुरू हो रही है और इसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधनों को पारित किया जाना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की और अधिक देरी दुर्भाग्यपूर्ण एवं भारत की महिलाओं के साथ घोर अन्याय जैसा होगा। प्रधानमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किए गए पत्र में कहा कि यदि 2029 के लोकसभा चुनाव और उस वर्ष होने वाले विभिन्न विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के पूर्ण रूप से लागू होने के साथ कराए जाते हैं, तो हमारा लोकतंत्र और अधिक मजबूत तथा जीवंत बनेगा। मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि देश की महिलाएं अगले कुछ दिनों में संसद में संविधान संशोधन विधेयक के पारित होने का इंतजार कर रही हैं। उन्हें अनंतकाल तक इंतजार नहीं कराया जा सकता।

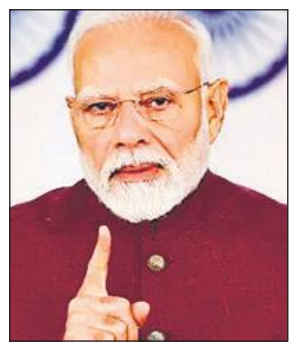

2029 के लोस चुनाव से लागू करने की मंशा

मौजूदा कानून के तहत, महिलाओं के लिए आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो पाता, क्योंकि यह 2027 की जनगणना के बाद परिसीमन प्रक्रिया के पूरा होने से जुड़ा हुआ था। इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में बदलाव की आवश्यकता थी, इसलिए सरकार कानून में संशोधन पारित करने के लिए बजट सत्र में तीन दिन की बैठक अलग से बुला रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद की फिर बैठक होगी जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित एक महत्वपूर्ण संविधान संशोधन पर चर्चा होगी और उम्मीद है कि वह पारित भी होगा। कहा कि मैं देख रहा हूं कि इसे लेकर हर तरफ जोश और उत्साह का माहौल है। माताएं और बहनें खुशी जाहिर कर रही हैं।

जब महिलाएं मजबूत होंगी तो लोकतंत्र की आवाज भी होगी और सशक्त

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हमारी विधायिकाओं में महिलाओं की आवाज और मजबूत होती है, तो लोकतंत्र की आवाज भी और अधिक सशक्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि मैं संसद की अगली बैठक और संविधान संशोधन के पारित होने के लिए आपका तथा भारत की करोड़ों महिलाओं का आशीर्वाद चाहता हूं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि अपने स्थानीय सांसदों को पत्र लिखें और उनसे इस ऐतिहासिक संसद सत्र में भाग लेने का अनुरोध करें। वे सांसदों को याद दिलाएं कि वे ऐसा काम करने जा रहे हैं जिसका प्रभाव सदियों तक महसूस किया जाएगा। इससे निश्चित रूप से उनका मनोबल बढ़ेगा! सितंबर 2023 में संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण अधिनियम के नाम से जाना जाता है, पारित किया था। इसे विधायी निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इस अधिनियम में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया।

संघर्ष टालने को चीन ने पेश किया शांति का प्रस्ताव

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पश्चिम एशिया युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका में दिलचस्पी दिखाते हुए कहा है कि उन्होंने क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए यहां अबू धाबी के युवराज ज़ायेद अल नहयान के साथ बैठक में चार-सूत्री प्रस्ताव रखा है। शी ने शांति पर जोर देते हुए कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के लिए एक साझा, विस्तृत, सहयोगपूर्ण और टिकाऊ सुरक्षा व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभी देशों की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का भी पूरी तरह सम्मान होना चाहिए। साथ ही नागरिकों एवं अवसंरचनाओं की भी सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। शी ने कहा कि दुनिया को जंगल बनाने से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से साथ आकर क्षेत्रीय विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाने अनुरोध किया।

भारत से चीन के संबंध बेहतर नीति में नहीं किया है बदलाव

- अरुणाचल में नाम बदलने के कदम का चीन ने किया बचाव

बीजिंग, एजेंसी

चीन ने अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए नए नाम प्रकाशित करने के अपने कदम का बचाव करते हुए मंगलवार को कहा कि भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने की उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

भारत ने चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र को काल्पनिक नाम देने के प्रयासों को रविवार को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि इस तरह के बेबुनियाद विमर्श गढ़ने की कोशिशें वास्तविकता को नहीं बदल सकतीं और द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों को पटरी से उतार सकती हैं। भारत की तीखी प्रतिक्रिया बीजिंग द्वारा अक्साई चिन में एक तीसरा नया प्रशासनिक क्षेत्र स्थापित करने की पृष्ठभूमि में आई है। इस इलाके को भारत अपना संप्रभु क्षेत्र मानता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन की ओर से भारत के क्षेत्रों का काल्पनिक नाम देने के किसी भी प्रयास को भारत सिरे से खारिज करता है। जायसवाल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां कहा कि जांगनान चीन का क्षेत्र है, और चीन ने कभी भी तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी है।

जांगनान अरुणाचल प्रदेश का चीनी नाम है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है। गुओ ने अरुणाचल प्रदेश के लिए नाम प्रकाशित करने के बीजिंग के कदम का बचाव करते हुए कहा कि जांगनान क्षेत्र में कुछ स्थानों के नामों को मानकीकृत करना पूरी तरह से चीन की संप्रभुता के अंतर्गत आता है। कहा कि वर्तमान में चीन-भारत संबंध सामान्यतः स्थिर हैं।

महाराष्ट्र में टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य

ठाणे। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री प्रताप सरनाइक ने मंगलवार को कहा कि राज्य में एक मई से सभी लाइसेंस प्राप्त रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी जानना अनिवार्य होगा और मोटर परिवहन विभाग के कार्यालयों के माध्यम से एक राज्यव्यापी अभियान चलाया जाएगा। अपने कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में सरनाइक ने चेतावनी दी कि जिन चालकों को मराठी का बुनियादी ज्ञान नहीं है, उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। मंत्री ने कहा, एक मई से सभी लाइसेंस प्राप्त रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी जानना अनिवार्य होगा। मोटर परिवहन विभाग के 59 क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से राज्यव्यापी निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि चालक मराठी पढ़ और लिख सकते हैं या नहीं। सरनाइक ने कहा कि लाइसेंस जारी करने के लिए स्थानीय भाषा के ज्ञान की आवश्यकता वाला नियम पहले से ही लागू है।

छत्तीसगढ़ में वेदांता पावर प्लांट में विस्फोट, 11 की मौत

सक्ती, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में मंगलवार को एक विद्युत संयंत्र के बॉयलर में हुए विस्फोट के कारण 11 श्रमिकों की मौत हो गई तथा 22 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि घटना जिले के डभरा थाना क्षेत्र के सिंघीतराई गांव में हुई जहां वेदांता कंपनी के विद्युत संयंत्र में बॉयलर की ट्यूब में विस्फोट हो गया। ठाकुर ने बताया कि घटना के समय वहां काफी संख्या में श्रमिक काम कर रहे थे। कम से कम 11 श्रमिकों की मौत हो गई तथा 22 अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि चार श्रमिकों की मौत घटनास्थल पर हुई तथा सात अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा और मजदूरों को बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि 22 मजदूरों को रायगढ़ के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें कुछ की हालत गंभीर है। ठाकुर ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि संयंत्र में बड़ी संख्या में पुलिस दल को तैनात किया गया है। वेदांता विद्युत संयंत्र के प्रवक्ता ने बताया कि आज दोपहर हमारे सिंघीतराई संयंत्र की एक बॉयलर यूनिट में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई।

किम जोंग ने किया नए युद्धपोत से क्रूज मिसाइल परीक्षणों का निरीक्षण

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने सप्ताहांत में अपने नए युद्धपोत से और मिसाइल परीक्षणों का निरीक्षण किया। किम ने इस दौरान परमाणु क्षमता वाले हथियारों के बढ़ते जखीरे के साथ नौसेना की अभियानगत क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प भी जताया। उत्तर कोरिया के आधिकारिक समाचार पत्र रोडोंग सिनमुन ने अपनी खबर में बताया कि किम ने रविवार को 5,000 टन श्रेणी के अपने विध्वंसक युद्धपोत 'चोए ह्योन' से दो सामरिक क्रूज मिसाइलों और तीन पोत रोधी मिसाइलों के प्रक्षेपण का निरीक्षण किया। चोए ह्योन युद्धपोत का अप्रैल 2025 में अनावरण किया गया था। क्रूज़ मिसाइलें ने निर्धारित लक्ष्यों को सटीकता से भेदा।

अमेरिका में 5.7 तीव्रता का भूकंप

वाशिंगटन। अमेरिका के नेवादा प्रांत की राजधानी कार्सन सिटी के पूर्व स्थित ग्रामीण इलाके में सोमवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप शाम 6:30 बजे से ठीक पहले महसूस किया गया और इसका केंद्र सिल्वर स्प्रिंग्स शहर से 20.7 किलोमीटर पूर्व में सतह से पांच किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

विशेष चुनाव में जीत से कार्नी सरकार को बहुमत

टोरंटो, एजेंसी

- कानून पास करने को नहीं लेना होगा अब विपक्ष का समर्थन

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोमवार रात विशेष चुनाव में जीत हासिल करके अपनी सरकार के लिए बहुमत सुनिश्चित कर लिया। इससे उनकी लिबरल पार्टी अब बिना विपक्षी दलों के समर्थन के भी कानून पारित कर सकेगी। मतदाताओं ने 343 निर्वाचन क्षेत्रों में से तीन रिक्त सीट के लिए मतदान किया।

टोरंटो में, लिबरल पार्टी उम्मीदवार डेनियल मार्टिन ने यूनिवर्सिटी रोजडेल जिले से चुनाव जीता और लिबरल पार्टी उम्मीदवार डॉली बेगम ने स्कारबोरो साउथवेस्ट जिले से जीत हासिल की। क्यूबेक जिले के परिणाम बाद में आने की उम्मीद है। नतीजों के बाद लिबरल पार्टी 2029 तक सत्ता में बनी रह सकती है। कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विलय की धमकियों के कारण जनता में उपजे गुस्से के बीच पिछले साल कनाडा में जीत हासिल की थी। तब से, मुख्य विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के चार सदस्यों सहित विपक्षी दलों से पांच सदस्यों ने दल-बदल किया है और कार्नी की लिबरल पार्टी को बहुमत तक पहुंचा दिया। कार्नी ने मार्टिन और बेगम को बधाई दी। मार्टिन ने कहा, आज रात, मार्क कार्नी और लिबरल टीम ने एक बेहतर कनाडा के निर्माण के लिए मजबूत जनादेश प्राप्त कर लिया है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज किसी पारिवारिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। कानूनी विवादों में सफलता मिल सकती है। दूसरों से अपनी तुलना न करें।

वृष आज उच्च अधिकारी आपके काम में हस्तक्षेप कर सकते हैं। आलोचनाओं से दुःखी न हो। दूसरों के भरोसे में न रहें।

मिथुन आज कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। आपकी बुद्धि और संचार क्षमता मजबूत रहेगी। नए संपर्क बनेंगे और लाभ के अवसर मिलेंगे।

कर्क आज काम की अधिकता के कारण आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं।

सिंह आज रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। दूरस्थ स्थानों की यात्रा हो सकती है। नौकरी में विवाद शांत होंगे।

कन्या व्यावसायिक संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। नए प्रेम संबंध विकसित हो सकते हैं। अधिकारी वर्ग के साथ आपको संबंध अच्छे रखने चाहिए।

तुला आज अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। मानसिक थकान का अनुभव करेंगे। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

वृश्चिक आज दिन की शुरुआत सावधानी से करें, क्योंकि कार्यों में रुकावट आ सकती है। धैर्य रखने पर स्थिति सुधरेगी। लाभ के योग हैं।

धनु आज विरोधियों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। व्यवसाय में कमी होने से थोड़ा तनाव होगा। संबंधों में अनबन हो सकती है।

मकर आज अपनी प्रतिभा को विकसित करने का प्रयास करें। दिनचर्या काफी अनुशासित रहेगी। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं।

कुंभ आज अपने लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा न करें। कारोबार में बदलाव करने से बचें। आपका स्वास्थ्य कमजोर रहने वाला है।

मीन आज दिन की शुरुआत थोड़ी उलझन के साथ हो सकती है। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च पर नियंत्रण रखना आवश्यक है।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

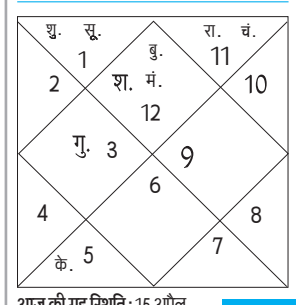

आज की ग्रह स्थिति : 15 अप्रैल, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष- कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 22.31 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- वसंत। **चन्द्रबल**- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ। **ताराबल**-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। **नक्षत्र**-पूर्व भाद्रपद 15.22 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

सुडोकू - 119 का हल

5	8	1	2	3	7	4	6	9
4	7	3	9	1	6	8	2	5
6	9	2	5	8	4	7	1	3
8	6	5	4	7	2	9	3	1
9	3	7	6	5	1	2	4	8
1	2	4	8	9	3	6	5	7
7	4	8	3	6	5	1	9	2
2	5	9	1	4	8	3	7	6
3	1	6	7	2	9	5	8	4

सुडोकू -120

		3				9		
4	8		3				5	7
		9		7		6		
6				1	5		7	
	3						8	
	9		2	3				4
		7				8		3
3	6				8		2	
		1				4		

पश्चिम एशिया संकट | संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में देश के मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने का दावा

भारत में 25 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने का खतरा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

पश्चिम एशिया में संघर्ष से भारत में 25 लाख लोगों के गरीबी में धकेल दिए जाने का खतरा है और देश के मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने पश्चिम एशिया में सैन्य वृद्धिः एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर प्रभाव शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि यह संघर्ष एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास के दबाव को बढ़ा रहा है। इसमें कहा गया कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से घरेलू क्रय शक्ति घट रही है, खाद्य असुरक्षा बढ़ रही है, सरकारी बजट पर दबाव पड़ रहा है और आजीविका कमजोर हो रही है। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 88 लाख लोग गरीबी के जोखिम में आ सकते हैं और इस सैन्य तनाव से एशिया-प्रशांत क्षेत्र को 299 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में गरीबी से प्रभावित लोगों की संख्या लगभग चार लाख से बढ़कर 25 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। संघर्ष के कारण दुनिया भर में गरीबी में धकेले जाने वाले लोगों की संख्या लगभग 19 लाख से बढ़कर करीब 88 लाख तक हो सकती है जिसमें दक्षिण एशिया के लोग सबसे अधिक होंगे। चीन में गरीबी की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या में मामूली वृद्धि का अनुमान है जो लगभग 1,15,000 से बढ़कर 6,20,000 से अधिक हो जाएगी। हालांकि यह बहुत बड़ी जनसंख्या के मुकाबले मामूली प्रभाव को दर्शाता है। सबसे गंभीर परिदृश्य में भारत की गरीबी दर 23.9 से बढ़कर 24.2 प्रतिशत हो सकती है जिससे अतिरिक्त 24,64,698 लोग गरीबी में चले जाएंगे। देश में गरीबी में रहने वालों की संख्या 35.40 करोड़ तक पहुंच सकती है जो पहले 35.15 करोड़ थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) प्रगति में भारत में लगभग 0.03 से 0.12 वर्ष तक की गिरावट हो सकती है।

संघर्ष के कारण ऊर्जा विकल्पों पर भी असर

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपनी 90 प्रतिशत से अधिक तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है और कच्चे तेल का 40 प्रतिशत से अधिक तथा एलपीजी का 90 प्रतिशत आयात पश्चिम एशिया से करता है। इसके अलावा, उर्वरक आयात का 45 प्रतिशत से अधिक हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है। संघर्ष के कारण ऊर्जा विकल्पों पर भी असर पड़ा है। 36 में 25 देशों में मालभाड़ा शुल्क, युद्ध जोखिम बीमा, मार्ग परिवर्तन और देरी जैसी समस्याएं देखी गई हैं। भारत के कुल निर्यात का 14 प्रतिशत और आयात का 20.9 प्रतिशत पश्चिम एशिया से जुड़ा है।

हड़ताल के चलते लुफ्थांसा की 700 से अधिक उड़ानें रद्द

मॉस्को। जर्मनी की सबसे बड़ी एयरलाइन समूह लुफ्थांसा में हड़ताल के पहले दिन 700 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। यह जानकारी वेरेनिगुंग कॉकपिट यूनियन ने दी। जर्मन ट्रेड यूनियन वेरेनिगुंग कॉकपिट ने इससे पहले 13-14 अप्रैल को लुफ्थांसा पायलटों की तीसरी हड़ताल का आह्वान किया था। पायलटों और फ्लाइट अटेंडेंटों की हड़ताल की पहली और दूसरी लहर फरवरी और मार्च 2026 में हुई थी, जिसके कारण जर्मनी के प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों पर सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गई थीं।

शमी हमारी गेंदबाजी आक्रमण का अगुआ है। काफी समझदार है और उसमें नेतृत्व क्षमता भी है। वह गेंद को शुरू में ही स्विंग करा लेता है। वह 130 से ऊपर से गेंदबाजी कर रहा है जो अच्छी बात है। हम सभी को पता है कि वह विश्व स्तरीय गेंदबाज है।''
–टॉम मूडी,एलएसजी

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार, 15 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज का मुकाबला

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

बनाम

लखनऊ सुपर जायंट्स

समय - शाम 7:30 बजे

औरेंज कैप

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद 224 रन
- ईशान किशन हैदराबाद 213 रन
- वैभव सूर्यवंशी राजस्थ 200 रन

पर्पल कैप

- प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात 10 विकेट
- रवि बिश्नोई राजस्थान 9 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई 8 विकेट

हाईलाइट

पीएसएल ने मुजरबानी पर दो साल का बैन लगाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) ने ज़िम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर दो साल का बैन लगाकर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। यह बैन पीएसएल से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जाने के बाद लगाया गया है। इस घटना ने फ्रेंचाइज क्रिकेट में चल रही "प्लेयर लॉयल्टी बनाम मौका" बहस में एक नया मुद्दा बना दिया है। मुजरबानी को शुरू में पीएसएल में इस्लामाबाद यूनाइटेड ने रिप्लेसमेंट प्लेयर के तौर पर चुना था, क्योंकि वह आईपीएल और पीएसएल दोनों ऑक्शन में नहीं बिके थे। हालांकि, बाद में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स से मौजूदा आईपीएल सीजन में ऑफर मिलने के बाद अपनी पीएसएल डील खत्म कर दी, जहाँ वह पहले ही दो मैच खेल चुके थे।

भारत को पुरुष पेयर्स और पुरुष फोर्स में स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। दिल्ली के खिलाड़ी नवनीत सिंह ने हाल ही में संपन्न एशियाई लॉन बाउल्स चैंपियनशिप में पुरुष पेयर्स और पुरुष फोर्स (चार खिलाड़ी) स्पर्धाओं में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की। दिल्ली पब्लिक स्कूल आरके पुरम में छह से 12 अप्रैल तक आयोजित टूर्नामेंट में भारत ने पुरुष पेयर्स के फाइनल में हांगकांग को 17-15 से और पुरुष फोर्स के फाइनल में मलेशिया को 19-6 से हराया। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार भारत ने पुरुषों की समग्र चैंपियन ट्रॉफी, समग्र टीम ट्रॉफी और चैलेंज ट्रॉफी जीती।

माराडोना की मौत के मामले की सुनवाई फिर शुरू

ब्यूनस आयर्स। महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना की मौत में लापरवाही के आरोपी सात स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ मामले की सुनवाई मंगलवार को एक साल बाद फिर शुरू हुई। मूल कार्यवाही एक साल पहले रुक गई थी जब मामले पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री में नजर आने के बाद पीठासीन न्यायाधीश ने पद छोड़ दिया था। यह लापरवाही का मामला सात स्वास्थ्यकर्मियों पर केंद्रित है जिन पर पांच साल पहले ब्यूनस आयर्स के बाहरी इलाके में एक घर में माराडोना की मौत से पहले कई हफ्तों तक उनकी उचित देखभाल नहीं करने का आरोप है। दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ी माराडोना की 60 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी।

स्टार्क व दीप्ति बने विजडन के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

लंदन, एजेंसी

- शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, पंत व सिराज विजडन के 'साल के 5 सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर'

मिचेल स्टार्क को विजडन क्रिकेटर्स अल्मनाक ने दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना है। उन्होंने 2025 में शानदार प्रदर्शन किया और एशेज में अहम भूमिका निभाई। वहीं दीप्ति शर्मा को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का सम्मान मिला है। नवंबर में घरेलू जमीन पर भारत की ऐतिहासिक विश्व कप जीत में उनका बड़ा योगदान रहा।

इन पुरस्कारों का ऐलान अल्मनाक के 163वें संस्करण के प्रकाशन से पहले किया गया। 36 साल के स्टार्क ने इस साल 11 टेस्ट मैचों में 17.32 की औसत से 55 विकेट लिए। इसमें वेस्टइंडीज के ख़िलाफ सिर्फ़ नौ रन देकर छह विकेट लेने का उनका करियर बेस्ट प्रदर्शन भी शामिल रहा। इसके बाद 2025-26 एशेज के पहले दो टेस्ट में उन्होंने 18 विकेट झटके और पूरी सीरीज़ में 19.93 की औसत से 31 विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई। 28 साल की दीप्ति शर्मा भारत की 'प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट' रहीं। भारत ने नवी मुंबई में खेले गए फ़ाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीता।

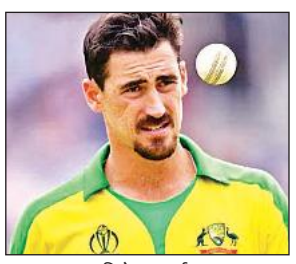

मिचेल स्टार्क

दीप्ति शर्मा

पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने 30.71 की औसत से 215 रन बनाए और 20.40 की औसत से 22 विकेट भी लिए। फ़ाइनल में उन्होंने 58 रन की अहम पारी खेली और 5 विकेट लेकर मैच अपने नाम किया। भारत के पुरुष क्रिकेटरों को भी इस बार अल्मनाक में बड़ी पहचान मिली है। शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को विजडन के 'साल के 5 सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर' में शामिल किया गया।

इन सभी ने पिछले साल इंग्लैंड के ख़िलाफ़ 2-2 से ड्रॉ रही टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। गिल को विजडन ट्रॉफी भी मिली। इंग्लैंड की तरफ़ से इस बार बड़े पुरस्कार जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी पूर्व ओपनर हसीब हमीद रहे। उन्हें भी 'साल के 5 सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर' में शामिल किया गया।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	टाई	अंक	नेट रन रेट
1.	राजस्थान रॉयल्स	5	4	1	0	8	+0.889
2.	पंजाब किंग्स	4	3	0	1	7	+0.720
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	4	3	1	0	6	+1.148
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	5	2	3	0	4	+0.576
5.	दिल्ली कैपिटल्स	4	2	2	0	4	+0.322
6.	गुजरात टाइटंस	4	2	2	0	4	-0.029
7.	लखनऊ सुपर जायंट्स	4	2	2	0	4	-0.427
8.	मुंबई इंडियंस	4	1	3	0	2	-0.772
9.	चेन्नई सुपर किंग्स	4	1	3	0	2	-1.532
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	4	0	3	1	1	-1.315

चेन्नई ने कोलकाता को दी 193 रनों की चुनौती

कोलकाता के स्पिनर सुनील नारायण ने अच्छी गेंदबाजी की, बीच के ओवरों में रन फ्लो को रोका

मैच के दौरान शॉट लगाते संजू सैमसन।

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मंगलवार को आईपीएल मुकाबले में 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे चेन्नई के लिए संजू सैमसन ने 48, डेवाल्ड ब्रेविस ने 41, आयुष म्हात्रे ने 38, सरफराज खान ने 23 और शिवम दुबे ने नाबाद 13 रन बनाए।

सैमसन ने 32 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के, म्हात्रे ने 17 गेंदों में छह चौके और दो छक्के, ब्रेविस ने 29 गेंदों में चार चौके और दो छक्के, सरफराज ने 18 गेंदों में एक चौका और दो छक्के और शिवम ने 12 गेंदों में एक चौका लगाया। कोलकाता ने डेथ ओवरों में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए चेन्नई को 200 से कम पर रोक दिया।

कोलकाता के स्पिनर खास तौर पर सुनील नारायण बहुत अच्छे थे, उन्होंने बीच के ओवरों में रन फ्लो को रोका। पेसर, खासकर कार्तिक त्यागी ने डेथ ओवरों में अच्छी बॉलिंग की क्योंकि बैट्समैन को बड़े शॉट खेलने में मुश्किल हो रही थी। कार्तिक ने सैमसन और ब्रेविस के विकेट भी झटके। ब्रेविस और सरफराज ने 50 रन की पार्टनरशिप की, लेकिन उन्हें बाउंड्री लगाने में दिक्कत हुई। इससे पहले, सैमसन और आयुष ने चेन्नई को ज़बरदस्त शुरुआत दी, लेकिन टीम बीच में लड़खड़ा गई। पिच पर शॉट लगाना मुश्किल है क्योंकि बॉल सरफेस पर पकड़ बना रही है।

विकेट लेने के बाद खुशी मनाते कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी।

चेन्नई सुपर किंग्स पारी

- संजू सैमसन बो त्यागी 48
- रूतुराज गायकवाड़ का पॉवेल बो रॉय 7
- आयुष म्हात्रे का रमनदीप बो अरोड़ा 38
- ब्रेविस का अरोड़ा बो त्यागी 41
- सरफराज खान बो नारायण 23
- शिवम दुबे नाबाद 13
- जैमी ओवर्टन नाबाद 12

अतिरिक्त : 15 रन

योग : 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन

विकेट पतन : 1-25, 2-72, 3-111, 4-162, 5-171 **गेंदबाजी** :

- अरोड़ा 4 .0 .55 .1
- ग्रीन 2 .0 .30 .0
- रॉय 3 .0 .21 .1
- नारायण 4 .0 .21 .1
- चक्रवर्ती 3 .0 .26 .0
- त्यागी 4 .0 .35 .2

सूर्यकुमार के भविष्य पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

फॉर्म को लेकर उठे सवाल

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारत ने भले ही टी20 विश्व कप के खिताब का सफल बचाव किया हो, लेकिन उनकी बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए सवाल उठने लग गए हैं कि क्या उन्हें वर्ष 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं। इस संदर्भ में जून-जुलाई में भारत का इंग्लैंड और आयरलैंड का दौरा कप्तान के लिए महत्वपूर्ण होगा क्योंकि उनकी कप्तानी से कहीं अधिक उनकी बल्लेबाजी पर नजर रखी जाएगी। इस दौरे से यह तय हो सकता है कि क्या उन्हें 2028 में होने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं तक टीम में बनाए रखा जाएगा या नहीं। वर्ष 2028 में अमेरिका में ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी20 विश्व कप शामिल हैं। सूर्यकुमार अब भी मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहली पसंद बने हुए हैं, जिनका कार्यकाल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 2028 टी20 विश्व कप तक बढ़ाए जाने की संभावना है। हालांकि यह देखना दिलचस्प होगा कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति गंभीर से सहमत होती है या नहीं, क्योंकि ओलंपिक के समय सूर्यकुमार की उम्र लगभग 38 साल हो जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि सूर्या अभी टीम की कप्तानी कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एक बल्लेबाज के रूप में वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखें। ब्रिटेन दौरे में वह कप्तानी करेंगे, लेकिन उसके बाद 2028 तक की चर्चा पूरी तरह से प्रदर्शन पर आधारित हो सकती है। सूर्यकुमार के लिए 2025 का साल बेहद खराब रहा, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120 से भी कम हो गया और वे एक भी अर्धशतक नहीं बना सके थे। उन्होंने 2026 में हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जिसमें चार अर्धशतक भी शामिल है। टी20 विश्व कप में हालांकि अमेरिका के खिलाफ पहले मैच को छोड़कर सूर्यकुमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय नहीं रहा।

कोविड के टीके के कारण हुई थी पापा की मौत: जैक्सन वार्न

सिडनी, एजेंसी

- 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से वार्न का हुआ था निधन

शेन वार्न के निधन के चार साल बाद उनके बेटे जैक्सन वार्न ने दावा किया है कि इस दिग्गज स्पिनर की मौत संभवतः कोविड के उन 'तीन या चार' टीकों के कारण हुई थी जो उन्हें 'काम करने के लिए मजबूरन लेने पड़े थे। जैक्सन ने एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए अपने पिता की स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को भी स्वीकार किया।

वार्न का 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उस समय उनकी उम्र 52 वर्ष थी। जैक्सन ने कहा कि मुझे पक्का लगता है कि इसमें (कोविड टीके का) हाथ था। मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा। भले ही डैड (पिताजी) को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, लेकिन मुझे लगता है कि टीका लगाने के कारण उनकी बीमारी खुलकर सामने आ गई। यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं।

एलएसजी के खिलाफ आरसीबी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद

बेंगलुरु, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अब तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रही लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की टीम के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपने बल्लेबाजों से फिर से धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। आरसीबी अभी छह अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर हैं और चार अन्य टीमें चार-चार अंकों के साथ उसका पीछा कर रही हैं।

बेंगलुरु की टीम शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स से दो अंक और पंजाब किंग्स से एक अंक पीछे है। लेकिन सच्चाई यह है कि आईपीएल के इस सत्र में आरसीबी के बल्लेबाजों ने गेंदबाजों के मन में जितना खौफ पैदा किया है, उतना कोई अन्य टीम नहीं कर पाई है। आरसीबी के बल्लेबाजों ने अभी तक एकजुट होकर प्रदर्शन किया है और सभी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आईपीएल के इस सत्र में अभी तक आरसीबी ने सर्वाधिक छक्के जड़े हैं और उन्होंने 'रेंज-हिटिंग' को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। इसी का नतीजा है कि आरसीबी में वर्तमान सत्र में अभी तक किसी भी मैच में 200 से कम रन नहीं बनाए हैं जिससे उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा लगाया जा सकता है।

आरसीबी अपने घरेलू मैदान पर अगले तीन मैच में भी परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाना चाहेगा। वह एलएसजी के बाद दिल्ली कैपिटल्स (18 अप्रैल) और गुजरात टाइटन्स (24 अप्रैल) के खिलाफ यहां मैच खेलेगा। इसके बाद वह अपने अंतिम दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगा। लेकिन क्या चिन्नास्वामी स्टेडियम में सुपर जायंट्स के गेंदबाजी आक्रमण से उन्हें किसी तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। एलएसजी की तरफ से अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और दिग्वेश राठी ने अब तक प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। ऋषभ पंत की अगुवाई वाला बल्लेबाजी क्रम अभी तक लय में नहीं आया है।

टीमें इस प्रकार हैं

- **लखनऊ सुपर जायंट्स** : ऋषभ पंत (कप्तान), एडेन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, वानिंदु हसरंगा, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम. सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान।
- **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु** : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, कुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल। विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा।

जज्बा

इरफ़ान पठान ने बताया, प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन ने बॉलिंग में पेस व वेरिएशन का किया सही बैलेंस

...जब साकिब की शूज के लिए उनकी मां ने बेच दी अपनी ज्वेलरी

हैदराबाद, एजेंसी

सनराइज़र्स हैदराबाद ने टाटा आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स पर 57 रन से ज़बरदस्त जीत दर्ज की। इरफ़ान पठान ने बताया कि कैसे प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन ने एसआरएच की बॉलिंग में पेस और वेरिएशन का सही बैलेंस बनाया। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी पॉजिटिव बात यह थी कि उन्होंने पेस और वेरिएशन दोनों दिए, जिसकी सनराइजर्स हैदराबाद को बिल्कुल जरूरत थी। उन्होंने तेज पेस, बाउंस और थोड़ी स्विंग के साथ शुरुआत की, और जैसे-जैसे बॉल पुरानी होती गई, उनके वेरिएशन काम आने लगे। साकिब, खासकर, शानदार थे। उनकी कलाई की पोजीशन उन्हें सूखी सतह पर भी तेज टर्न और धोखा देने वाली धीमी गेंदें फेंकने में मदद करती है। प्रफुल हिंगे नई बॉल और यॉर्कर के साथ असरदार होंगे, जबकि साकिब अपनी वेरिएशन से बीच के ओवरों को कंट्रोल कर सकते हैं। यह कॉम्बिनेशन उनके बॉलिंग अटैक को कहीं ज़्यादा कम्प्लीट बनाता है।

प्रफुल और साकिब के असर पर उन्होंने कहा कि यह सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक बड़ा बूस्ट था क्योंकि उनकी बॉलिंग को उस एक्स्ट्रा फायरपावर की जरूरत थी। जहां जयदेव उनादकट और हर्षल पटेल जैसे अनुभवी बॉलर वैरिएशन पर भरोसा कर रहे थे, वहीं प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन तेज पेस और बाउंस लेकर आए, जिससे सच में फर्क पड़ा। साकिब का सफ़र शानदार है। उनकी मां ने उनके लिए पहले क्रिकेट शूज़ खरीदने के लिए अपनी ज्वेलरी बेच दी थी, उन्हें इतने बड़े स्टेज पर ऐसा परफॉर्मेंस देते देखना उनके परिवार के लिए बहुत खास होगा। इन युवा खिलाड़ियों को हाई-प्रेशर गेम में सपोर्ट करने का क्रेडिट टीम मैनेजमेंट और ईशान किशन को भी जाता है। वह भरोसा काम आया, और एसआरएच के लिए आगे का समय रोमांचक लग रहा है।

साकिब की मां।

विशेष शर्मा ने पहले दिन बनाई एक शॉट की बढ़त

हैदराबाद। हैदराबाद के 19 वर्षीय विशेष शर्मा ने सात अंडर 65 का शानदार स्कोर बनाकर हैदराबाद के बोल्डर हिल्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये इनामी राशि वाले पहले बोल्डर्स क्लासिक के उद्घाटन राउंड में एक शॉट की बढ़त हासिल की। विशेष का 65 का स्कोर नया कोर्स रिकॉर्ड रहा, जिसमें पार-5 14वें होल पर एक ईगल, छह बर्डी और एकमात्र बोगी शामिल रही। दो बार के डीपी वर्ल्ड टूर विजेता शुभंकर शर्मा ने छह अंडर 66 का स्कोर बनाकर दिल्ली के विनय कुमार यादव के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर जगह बनाई। यह राउंड दिसंबर 2021 में जमशेदपुर में टूर चैम्पियनशिप के बाद शुभंकर की इस टूर पर वापसी थी।

एआईएफएफ ने नस्लीय दुर्व्यवहार मामले को समिति को भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी

- 11 अप्रैल को कांतीरवा स्टेडियम में मैच के दौरान एक खिलाड़ी के लिए नस्लीय टिप्पणियां की गई थी

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के दौरान कथित नस्लीय दुर्व्यवहार की शिकायतों को अपनी अनुशासनात्मक समिति को भेज दिया है, क्योंकि केरल ब्लास्टर्स ने अपने एक खिलाड़ी से जुड़ी घटना पर कार्रवाई की मांग की थी। केरल ब्लास्टर्स ने एआईएफएफ से शिकायत की थी 11 अप्रैल को कांतीरवा स्टेडियम में बेंगलुरु एफसी के खिलाफ खेले गए आईएसएल मैच के दौरान उनके एक खिलाड़ी के लिए नस्लीय टिप्पणियां की गई।

केरल ब्लास्टर्स के सेनेगल के डिफेंडर फालू नदिये के लिए बेंगलुरु एफसी के समर्थकों ने कथित तौर पर नस्लीय टिप्पणियां की थी जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। केरल ने वह मैच 2-1 से जीता था।

एआईएफएफ ने मंगलवार को बयान में कहा कि इंडियन सुपर लीग 2025-26 के दौरान खिलाड़ियों के खिलाफ कथित नस्लीय दुर्व्यवहार के संबंध में एआईएफएफ को कुछ शिकायतें मिली हैं। हम खिलाड़ियों और हर उस व्यक्ति के साथ मजबूती से खड़े हैं, जिसे बिना किसी भेदभाव के इस खूबसूरत खेल में भाग लेने का अधिकार है।